कवि श्री जोगीदानजी चडिया द्वारा करेली सने २०१८ नी सूर्यवंदना

नित्य सूर्यवंदना
(2018)




रचना : कवि श्री जोगीदानजी चडिया
मो. 9898 360 102

संकलन/संपादन : भावेश सोलंकी, राजकोट

अर्पण



श्री वरणेश्वर परमार दादा

वेणु, ता. रापर, जी. कच्छ (गुजरात)

गायुं काज गरासीया, वेगे करीयुं व्हार
ज्वारुं वंदन जोगडा, पद वेंणु परमार

मंगळ गणीयुं मोत ने,ध्रम रखा रणधीर
जुकी जुकी ने जोगडा, वंदन वरणुं वीर

धणीं मरद को धावज्यो, गायुं देत गुहार
पट्ट देतो परमार, जपट्यो व्हारे जोगडा

वेळु मां वरणुं वळ्यो, पांच दयि परमार
ध्रम खांडा नी धार, जवितर वार्युं जोगडा





व्रणवा तुने वरणवा, कवजिन थाके केम
परमारा भड प्रेम, जवि मातर पर जोगडा

रचना : कवि श्री जोगीदानजी चडिया
मो. 9898 360 102

संपादकीय

प्रभातनुं पहेलुं किरण धरती पर पडे त्यार जीवमात्रमां शक्तिनो संचार थाय छे आम नित्य उदय थइने चारेय जुगमां हाजरा हाजुर अेवा सूर्यदेवने सौ कोइ पोतपोतानी रीते वंदना करे छे मनुष्यने सूर्यदेव उंघमांथी जगाडे छे. पंखीओ कलरव करीने सूर्यदेवना आगममने वधावे छे तो जती, सती जोगी अने अढराये वरण सूर्यदेवने पोतपोतानी रीते आवकारे अने वंदना करे छे.

बावळा गाममां रहेता चारण कविवर श्री जोगीदानजी चडियानो अेवो नित्यक्रम छे के पथारीमांथी उठतावेत प्रथम सूर्यवंदना करी पछी ज धरती पर पग मुकवो. कविवर आ नित्यक्रम मुजब सूर्यवंदनामां रोज अेक दुहानी रचना करे छे अने अेनो सरळार्थ पण करे छे जेथी करीने कोइपण व्यक्ति दोहानो मर्म समजी शके. अेमनी सूर्यवंदना सूर्यउपासकोने उपयोगी थाय अे हेतुथी ता. 1-1-2018 थी ता. 31-12-2018 सुधीनी दरेक दिवसनी तेमनी सूर्यवंदना अत्रे आ बुकमां प्रकाशित करवानो अेक नम्र प्रयास करेल छे.

जोगीदानजीअे करेली सूर्यवंदनाओ माणीयअे अने अे द्वारा आपणे पण खरा अर्थमां जागीअे अेवी अभिलाषा सह......

जय माताजी

जय सूर्यदेव

भावेश सोलंकी, राजकोट

ता. 21-01-2019

सुर्य वंदन सपाखरु

रचना: जोगीदान चडीया

काळा वादळा हठाळा माळा,गाळा गरजाळा कळी,
त्रांणीया बांधीया गोढ तीमीराळा तांण.
त्यांतो,आवीयो सादूळो सूर त्राटक्के अजा रे टोळ,
ओळे घोळे कोळे बुक्का अंधकारा आंण. 01

जोने,भांगीया खेखट्ट जट्ट पट्ट अंधकारा जोगा,
भळक्के डणंके भळेळाट उग्यो भांण. त्रांहा,
जळक्के ढळक्के तेज तिमीराळा त्रागा त्रागा,
वागा हथ लागा लेता कुदीया केकांण 02

पंड, चडीया न चुके पत्थ पडीया कीताक्क पाणां,
नांणा नत टांणा पूरे निकळे नवांण.
कहे,जांण जोगीदांण भांण खरो म्रदायु री खांण
वांण वरदांण करां धरंतो क्रीपांण 03

पागा बागडदा बागडदा धम्मा धम्मा धम्मा ध्रुजे पड,
खम्मा खम्मा बोले जोधा सुरजा खुंखार
सातो बाजीया राजीया रांण भांजीया अंधार सम्मा,
तम्मा पड़घम्मा देता हणेंण्या तुंखार 04

भालां हैदळां पैदळा खोपे खैदळां मेदळां भोम
जोम धणेणेणेणेणे जुवो जोगीदान
सेना व्योम सुं वछुट्टी हणेणाट क्रोड हाथीयांसुं
वळुंभ्या धरा पे पिळां किरेण्यु रा वान 05

गाळा छुट्टीया गायुं रे गळे गुंजीयां पंखीरां गांणा
पांणा सु प्रगट्टया देवां मंदरां प्रमेह
फुंक्या संख सणेणाट धुप फांकडी दिशायुं फोरे
झणेणाटी झालराळी आरती उमेह 06

जळ जारीयुं बारीयुं मत्थे नारीयुं वारीयुं जत्ती
सत्तीयुं पत्तीयुं कज्ज पुजे नीत सूर
धूर धम्म्म री धरंतो धणीं व्योम रो उजाळे धरा
अरा परा कोळे सोळे चड्डीया रा ऊर 07

हत्थ जोडीयां प्रोडीयां ग्रव छोडीयां हियारा हंस
ओडीयां त्रोडीयां नक्को द्रहणां री आश
जग जड्डीया वड्डीया जोगीदान चड्डीया रा जोम
खोम सुं होम सुं खग्ग विनवां रे खाश 08

रचना: जोगीदान चडीया
मो.नं.9898360102

भगवान सुर्य नारायण ने मारां नित्य वंदन छे

निज घर वाते नारणा,अमुं न साव अजांण
जातां वळतां जोगडा,तमुं, रंग बदलता रांण

हे भगवान सूरज नारायण धरती पर केहवत छे के तमाचो मारी गाल राता राखवा..एमां राता राखवा नो अर्थ खुश होवानो देखाडो करवो..हे नारायण आप तो पोताने घरेथी निकळता सवारे.. अने संध्या समये पोताने घरे पाछा फरता पिळा मटी ने राताचोळ देखाता होव छो, क्यांक आप जगत ने सिख तो नथी आपताने के बहार गमे तेटली मुस्केलीयो वेठो के ताप तपो..पण निज घर जता के घर थी निकळता समये खुश खुशाल होव तेवुं देखानुं?? आप नी वातो न्यारी आपने मारा नित्य वंदन छे.

[7:47 AM, 1/1/2018]

अलग करी धर अंगसु, खग्ग रच्यो जग खेल
अफळ्ये ग्रंथ उकेल, जडेन साचो जोगडा

हे सुरज नारायण आपेज आपना अंग मांथी पृथ्वी छुटी पाडी ए विज्ञान पण कहे छे..हे नाथ अने आ जगत नुं सर्जन थयुं ए वात जांणवा छतां जे लोको ग्रंथो मां सरजनहार ने गोते छे तेने क्यारेय कोरडानो उकेल मळवानो नथी,कारण ते सर्जक तो सामेज उभो छे..हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:41 AM, 1/2/2018]

मंदिर गोते मांणहां,पण,ईशर उगीया आभ
जड मतियारा जोगडा,लिये न दरशन लाभ

हे भगवान सुरज नारायण लोको ईश्वर ने सोधवा मंदिर मंदिर भटके छे..पण करुंणा सागर ईश तो रोज आभमां आविने एमनी सामे उभे छे..पण जेनी मति जड थई गयेल छे ते दरशन नो लाभ नथी लई सकता, तेवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

भूत महांणे भटकतां,एनुं, अचरज ना होय ऊर
सूरा न जंखे सूर,जेनां, जीवतर उंचा जोगडा

मसांण मां तो भुतडा भटकतां होय एमां अचरज न होय..पण जेनां जीवतर उंचा होय तेवा सुर केतां देव कोटी ना जीवतर वाळा क्यारेय सूरा नाम सराब पर द्रस्टी नथी करता...

[7:42 AM, 1/3/2018]

नरणे नारण नामने, जे, लाडेन कोडे ले
एने
भव सागर नोय भे, जरीन वेडे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे आप नुं नाम नरणा प्रहर मां जे लाड तोडे ले एने लख चोरासी ना आंटा फेरा नो भव सागर नो भय टळी जाय छे. आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:47 AM, 1/4/2018]

प्रथमी अंग परोठीयां,रज रज व्यापो रांण
जागीन प्रोढे जोगडा,भजीये कां नव भांण

हे भगवान सुरज नारायण आ प्रथमी तमारा अंग मांथीज छुटी पडी छे तेना रज रज मां आप व्यापेल छो ए माटी थी अमारो सर्व नो आ देह बंधायो आंम झाड पान मनुस्य प्रांणी पक्षी एम जळचर भुचर अने खेचर सर्व मां आप नुंज तत्व छे तो हे नारायण जागी ने आप ने केम वंदन न करे? मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:27 AM, 1/5/2018]

कैक कथा जगते करी, भरमा विषणुं भांण
जळथळ तु विंण जोगडा, रचियल कोंणे रांण

हे भगवान सुरज नारायण जगत मां अनेक कथाओ छे के सृस्टी नुं सर्जन ब्रह्माये कर्युं, अने ब्रह्मा नुं सर्जन विष्णु नी नांभी ना कमळ मांथी..अने भगवान विष्णु भगवान आपना भ्राता शेस नारायण पर सैया करीने सुतेल दर्सावे छे..पण हे नाथ ई क्षीर सागर वगेरे ने जे धारण करी ने बेठुं छे ए समय चक्र नी धरी समान व्रेहमंड पृथ्वि वगेरे तो आखुं आप थकी छे ए जांणे छे ते आप ने उपासे छे, हे सर्जक ना पण सर्जक एवा सुरज नारायण आपने मारा नित्य वंदन छे.

[7:53 AM, 1/6/2018]

सुरज भरो घट सारणां, आतम तेज अडग्ग
ई, पडे न को ने पग्ग,जगदंबा विण जोगडा,

हे भगवान सुरज नारायण चारणो मां एवुं अडग आत्म तेज भरो के ते तेमनी परंपरा प्रमांणे सुरज. शिव अने जगदंबा सिवाय जगत मां कोई नी सामे झुके नई..हे सुरज नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[9:43 AM, 1/7/2018]

निज अंगे निपजावियां, जगपती ईळ जगत्त
जांणत नइ सब जोगडा, गगन पती तव गत्त

हे भगवान सुरज नारायण आपेज समस्त जगत, जगतपती पृथ्वि ईत्यादि निपजाव्या छे,मनुस्य वाते वाते एम तो कहे छे के ईतो उपर वाळो जांणे..अने उपर आभ मां आप एक देखाव छो..जेनी वेद काळथी वंदनाओ थती आवी छे..तो पण जे तमारी गत नथी जांणी सकता अने नमन नथी करी सकता तेमनी आंखे चडेल अज्ञानता ना पडळ कोंण हटावे..हे नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:44 AM, 1/8/2018]

प्रथमी वंदत गगन पत, बार मास सुर बाप
जलधी धर कर जोगडा, अरघ चडावत आप

हे भगवान सुरज नारायण पृथ्वी ना गोळा पर नजर करीयें तो लागे के हे नाथ जांणे जलधी नाम समंदर ने पोतानी अंजळी मां लई ने पृथ्वी पोताना पिता सुरज नारायण ने अरघ चडावे छे..प्रसाद पेटे बास्पिभवन द्वारा आप थोडुं ग्रहण करो छो..पण बाप तरीके दिकरी नुं लेवाय नई माटे चोमासे बधुंय जळ मिठुं करी ने एना जण्या ना जिवन माटे पाछुं धरो छो. आ दिकरी अने बाप नो वंदना अने वेहवार नो क्रम बारे माहिना अद्रस्य रिते चालतो रहे छे..माता धरणी बाप सुरज नारायण आपने मारा नित्य वंदन छे.

[7:58 AM, 1/9/2018]

बुध कर्यां सौ बेवडे, तो, बेवड ने सुर बुद्ध
जिंण विचारे जोगडा, सकळ दर्णीं हो सुद्ध

हे भगवान सुरज नारायण लोको कहे के बुध (बुधवार)नुं कर्युं बेवडाय छे, तो हे नाथ बुध (गौतम बुद्ध) ने बेवड अने धरती पर पाछो कोई बुद्ध पुरुष मोकल जेथी तेमना ताजगी पुर्ण विचारो थी जगत मां फरी ताजा धर्म नी लहेर जागे अने विश्व धर्म मय बने..मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:59 AM, 1/10/2018]

वरसो पेलाय वंदती,भले उग्या कई भांण
रटती कायम रांण, जिभ चारण नी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण वर्षो थी चारणो आपने वंदता आव्या छे, स्कंध पुराण मां हाटकेश्वर महात्म्य ना प्रसंगे वर्णवायेल छे के ब्रह्माजी ने सावित्री ये श्राप दिधो जे अन्वये तेओ चारण ऋषी ने त्यां जन्म लीधो जेनुं नाम याज्ञवल्कल ऋषी अने ते चारण ऋषीये पण हे सुर्य नारायण आपनी अनन्य उपासना करेल तथा आज नी घडी सुधी भले उग्या भांण कही ने जगत चारणो ना शब्दोथी आप नी वंदना करता आवे छे तेवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:04 AM, 1/11/2018]

आभलीये अटकी रियुं, वण टेके वण तार
सूरज आ संसार,मने, जादुई लागे जोगडा
निचा पटक्या नारणा, खेंचाण वाळा खास
जे हळवा थ्या जोगडा, ई,पोग्या तमणी पास

हे भगवान सुरज नारायण अमारा हाथ मांथी खाली टांकणी छुटी जाय तोय घरती पर जाती पटकाय छे...तो हे नाथ आ आखा आभा मंडळ मां ई आखी धरती आप अने असंख्य तारा ग्रहो वगेरे कोई टेका के तार वगर आभ मां लटकी रह्युं छुं..अर्थांत वजन वस्तु नो नई पण गुरुत्वाकर्षण मतलब खेंचाण नो छे..जेटलुं खेंचाण(मोह) एटलो वजन वधारे (हळवुं थाय एज उपर उडीसके)
हे नाथ जेने जेने खेंचाण थया ते निचे पड्या छे ने वगर खेंचाण वाळा महा ग्रहो परम सिद्ध वगेरे आभ मां तरी रह्या छे..तरवा माटे मात्र खेंचाण छोडवुं ए दर्सावती आ आखी आभ मां तरती सृस्टी जादुई लागे छे नाथ..मारां आप ने नित्य वंदन छे...

[7:25 AM, 1/12/2018]

एक सरीखुं आपतो, रण उद्याने रांण
जाती द्वेष न जोगडा, भोमेक व्योमे भांण

हे भगवान सुरज नारायण ..रण होय के उद्यान (बगीचो) होय आप नी किरेण्यु नी कृपा सौ ना पर सरखी रहे छे तेमां क्यांय जाती भेद पण आवतो नथी पछी ते धरती पर नो होय के व्योम नो..कारण के ए भेदो तो बधा मनख ना करेल छे..आप आ सर्व थी परे छो..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[8:21 AM, 1/13/2018]

कश्यपा उत ग्यां कमुरतां, मुरत करत मंडाण
ज ख मकराशी जोगडा, रमण करो अब रांण

हे कश्यपा (सूर) उतग्यां (उतरी गयां)कमुरता...अथवा हे कश्यपाउत (कश्यप ना पुत्र)ग्यां कमुरता..अने शुभः मुरत ना मंडाण थयां छे..जख (माछली अेटले मीन राशी अर्थात दक्षीण)बिजो अर्थ ज ख (ज अने ख एटले मकरराशी अर्थात उतर तरफ अने जोगडा अर्थ जोगीदान पण मकर राशी) हे नाथ हवे ते उतर तरफ आप रमण करो आज ना उत्तर रांण ना पतंग (सूर्य)पर्व ना वंदन सह आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[8:57 AM, 1/14/2018]

आ दन नी ए ओलीया, राह जोई ने रांण
जीव पोतानो जोगडा, भिषम तजिया भांण

आंम जोईये तो मागसर सुद चौदश ने महाभारत युद्ध सरु थाय तेना दस दिवस बाद एटले गुजराती मागसर वद चोथ ना दिवसे भिष्म बांण सैया पर सुता होय..ते पथी 58 दिवस जिव्या एटले महावद बीज ने दिवसे प्रांण छोड्या होय एवुं पेहली नजरे गणी सकाय.. ...पण हवे हेले हेलो 14 जान्युआरी कहे छे तो आपडे पण बे खोबा जळ पी ने ए दिवसे भिष्म ने याद करि लईये..

[9:21 AM, 1/14/2018]

कल्प विताव्या कास्यबा, व्योमे वाता वांण
जोग नींद मय जोगडा, ब्रह्म रुप सुर भांण

हे भगवान सूरज नारायण कल्पो थी आप व्योम पर विराजीत छो..अने आप थकी वांणा वाय छे..आप अटल योग निंद्रा मां पोढेल छो अने आप ना अंगे अंग थी तेज ढळी रह्युं ..आप ब्रह्म रुप बनी ब्रह्मांड सर्जी रह्या छो कर्म छतां अकर्मा एवा आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[8:07 AM, 1/15/2018]

आघो जईने आभमां,आ धगतो जांणे ध्रम
जुठ देखी जग जोगडा, भांण थयो यह भ्रम

हे भगवान सुरज नारायण आजे आप ना दर्शन टांणे मने एवो भ्रम थयो के जांणे जुठ ने मारग चालता जगत थी रीसाई ने सत्य धर्म पोते छेटे आभ मां जई ने स्थिर थयो होय अने धगधगी रह्यो.. आप ना धर्म स्वरूप ने मारा नित्य नित्य वंदन छे.

[7:44 AM, 1/16/2018]

टाढे सिमाडा त्याजिया,आ, गरमी चडी गगन्न
ज्यों हठ जोगण जोगडा, दिनकर सजवे दन्न

हे भगवान सुरज नारायण ठंडी हवे ओछी थई गई छे.. जांणे के सिम वटावी ने दुर जई रही छे..अने गगन मां गरमी नी समा बंधाई रही छे जेम हठ योगी चोमेर छांणा नो भठो करी ने वच्चे योग तपे छे एम कदाच आप हठयोगी नी तपस्या ना दिवसो धीरे धीरे सजावी रह्या छो..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:33 AM, 1/17/2018]

विध्या तप शिल विनय वत, पविताचरण पतंग
जिभ जिवन मन जोगडा, रखो रांण तव रंग

हे भगवान सुरज नारायण..अमारा मां विध्या शिल तपस्या विनय नी साथे पवित्र आचरण भरो तथा हे नाथ अमारी जिभ मन अने जिवन बधुं आप ना दिव्य रंगे रंगायेल रहो जेथी कोई अंधकार नी काळप अममे स्पर्शी न सके..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[6:45 AM, 1/18/2018]

सुरज रांण संभारवा, नित्य जागी ए नीम
जोग कृपा कर जोगडा, आदित नाथ असीम

हे सुरज नारायण आप ने नित्य जागी ने अमुं याद करीये छीये, अमारो योग सिद्धत्व ने पार करी पराम्बा ने सरणे स्थित थाय एवी असीम कृपानी याचना करी हे नाथ आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:20 AM, 1/19/2018]

आदिय काळे अरकतुं, उग्यो न सुंणतां आंण
जे धरणी पट जोगडा,भाव भजुं सुर भांण

हे भगवान सुरज नारायण आदि काळे एटले के आजथी अगीयार सतक ना आशरे तमे जे धरती पर थी आवड नी आंण सुंणी ने उदय नोहता थया ते धरती पर थी आजे हुं आप ने भाव थी भजी रहयो छुं, आप ने मारा नित्य वंदन छे.

****

खोडल केरा खोळले, वाय वरांणे वांण
ज्यां सौ चारण जोगडा, भजता सुरज भांण

[8:40 AM, 1/20/2018]

केसर वरणीं किरणीयु, रेडी धर पर रांण
जड चेतन मां जोगडा, पुर्या सुरज तें प्रांण

हे भगवान सुरज नारायण आ केसर वरणां आप ना किरणो धरती पर पड्या ने जांणे के धरती पर ना जड चेतन सर्वे सजीवन थया लाग्या..जांणे आपे तेमां प्रांण पुर्या..आपने मारा नित्य वंदन छे..

[7:51 AM, 1/21/2018]

शिव सूरज सग्ती सिमर, करन आत्म कल्यांण
जिकों पुरातण जोगडा, वदत नाद नित वांण

हे भगवान सुरज नारायण भगवान शिवे पृथुराजा ना कह्या प्रमांणे सुत अने मागध नामे चारण गण धरती पर आप्या पण तेमनोय मुळपुरुष चारण गण नाद के जेनी बरोबरी वेद साथे थती आजेय नाद वेद शब्द घणां प्रयोजे छे ते वडवो नाद पण शिव शक्ति अने सुरज नारायण आप ने वंदन करी आत्म कल्याण नी राहे चालेल माटे अमो पण ए कल्याण नी आश करी आप ने नित्य वंदन करीये छीये, मारा आप ने नित्य वंदन छे.

[7:35 AM, 1/22/2018]

धीडी धरणी ने धरी,जो, शेष काका ये शीस
अरक दियण आशीष,जो चौ तरफा जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ओरमान माता कद्रु नो लाल शेष आप नो भ्राता एटले के पृथ्वी ने तो काका थाय.. ई धरणी ने शिस पर धारी ने बेठा छे अने पिता एवा आप चो तरफ आशीस वरसावि पुत्रि ने पियर मां केटलुं मानथी थी रखाय ते जगत ने सिखवी दिकरी नुं मह्तव समजावी रह्या छो आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:39 AM, 1/23/2018]

आभ धणीं करिया अमे, वाडा बांधिन वेर
हवे
नेह वधारण नेर, जगमां प्रगटो जोगडा

हे आभ ना धणीं भगवान सुरज नारायण सृस्टी नुं सर्जन करनार जो एकज छे तो बधा एक सर्जक ना सर्जन थया..अने एमां नोखा पाडवाना वाडा तो अमे जाते उभा कर्या छे.मनुस्मृति मां छप्पन श्लोक सुधी मनुये व्यवस्था उभी करवानी करी ने पछी भेद पाडवानी नीती भृगुऋषी पासे थी कहेवडावी त्यारथी वर्ण ने नामे अने ए पछी एज रीते नवा उभा थता धर्म ने नामे वाडाओ बंधाता गया ने स्नेह सुकाता गया हवे हे नारायण एकाद नेह नुं एवुं झरणुं वहाव के जगत मां फरी हेत प्रित जागे हे सुरज नारायण. मारा आप ने नित्य वंदन छे.

[5:13 AM, 1/24/2018]

भजियें कायम भांणने,देव न करज्यो देर
जनमांतर ना जोगडा,फोगट काटो फेर

कृपा नी खोडल करी, रा पर रेलम छेल
जाहल कारण जोगडा, खेल्याय खाडां खेल

हे भगवान सुरज नारायण अमे आप ने कायम वंदना करीये छीये अमारा जन्मजन्मांतर ना फेराओ कापी ने अमारी मुक्ति नी आशा पुरी करज्यो..आप ने मारा नित्य वंदन छे..

हे भगवती मा खोडल तारी अनहद कृपा रा नवघण पर उतरी मा अने जांणे के सुमरा नी सामे जाहल माटे तुंज खांडाना खेल खेली अने जाहल नी वार करी नवघण नी अनेक वातो मां आ एक जुद्ध ने कारणे तें नवघण नी नवेखंड मां नामना करी आजे महा अष्टमी ना मां खोडल ने पण वंदन छे.

[8:04 AM, 1/25/2018]

ऐकज चक्री आभमां, सासन तमणुय सूर
जरा डगे नई जोगडा,भले, हमची खुंदे हूर

हे भगवान सुरज नारायण आभ मा आप नुं एक चक्री सासन छे, समय सत्ता वगेरे आपने आधिन होवा छतां क्यारेय मदमां छक्या नथी, हजारो हुर हमची खुंदती होवा छतां जरापण चलीत नथी थई तमे क्षात्र धर्म सिखवी रह्या छो के जे क्षात्र छे तेनुं मन क्यारेय चलीत न थाय उंची आंख करी ने परत्रिया सामुं जुवे नई अने नारी सन्मान जाळवे ते क्षात्र छे..तेवुं सिखवता एक चक्री सासक नारायण आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:05 AM, 1/26/2018]

खग्ग दिधुं तें खोळीयुं, ई, रग्ग पुरातण रांण
जग्ग पेख्युं में जोगडा,भग्ग फेरा क्रम भांण

हे भगवान सुरज नारायण आपे जे आ जुनी रगे अने जुना रुधीर नाते आ खोळियुं दिधुं छे ए देहे करी ने जगत ने जोई ने एक मात्र तारी ओळखज काळजे कंडारी छे.. माटे हे नारायण हवे आवागमन ना फेरा नथी करवा ई क्रम ने आप भागी नाखो ..आ खोळियुं आजने दन मळेल ए कृपा काज वंदन सह आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:45 AM, 1/27/2018]

निरखी तम नारायणा,मारुं, भेतर खुलतुं भांण
जांणुं न कारण जोगडा,सीद, रोवाई जातुं रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ना दर्शन करी ने मारा भिंतर मां भाव ना कमाड खुली ग्या,अने आप ने दर्शी ने मारी आंखो वेहवा लागी..मारा थी रोवाई जवायुं जेनुं कारण पण हुं नथी जांणतो, तेवा हे भाववाही भक्तवत्सल भगवान मारा सुरज नारायण हुं आप ने नित्य नमन करुं छुं..

[4:37 AM, 1/28/2018]

वंदन धरणी वतननी,अरु,भावे नमण्युं भांण
जडधर संगे जोगडा,आज,रटीयें सुरज रांण

हे भगवान सुरज नारायण आजे वतन नी धरती परथी वतन नी भोमका ने नमन सह सामे देखाता देवालय ना महादेव सह भगवान सुरज रांण आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[1/29/18, 05:59]

कोउं जुवो धर कोड़िये, जळके सूरज ज्योत
ईतो
ध्यान धर्या थी धोत, जुग ना करमो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ पृथ्वी नी क्षितिज पर गोळ नजर करतां एम वागे के जांणे धरती ए माटी नुं कोडीयुं छे, अने सुरज नारायण आप तेने एक कांठे अडीने प्रदीप्त थयेल दिव्य ज्योति स्वरुपा देव छो के जेनुं ध्यान करवा थी तमाम जुगजुना कर्मो ना पोटलां धोवाई जाय छे, मारा आपने नित्य वंदन छे.

[1/30/18, 08:23]

चक्र समय नुं चालतुं ,निश दिन तमसुं नाथ
जांगड मांणह जोगडा, हजी न जोडत हाथ

हे भगवान सुरज नारायण आ दिवस अने रात्रि ने कारणे समय नी गणना थाय छे..अने आप नी हाजरी एटले दिवस तथा आपनी गेरहाजरी ने रात्री गणे छे..आम समय चक्र नो आधार आप छो..छतां जगत मां जे जांगड जेवा अबुध छे ते लोको आप ने हाथ जोड़्या विना रहीजाय छे, समजण वाळा आप ने नित्य नमण्युं करे छे तेवा हे नारायण मारा आप ने नित्य वंदन छे..

[7:36 AM, 1/31/2018]

ग्रहण करा नो गण गणी, सुरज गुरु दे साय
तो ई
प्रथमी सरग पुजाय, जडधर अंशे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आमतो ग्रहण करनार ने राहु केतु दैत्य कही धुत्काराय छे, पण हे नाथ जो आप सहाय करो अने तेमना गुरु बनो तो ई ग्रहण करनार धरती अने स्वर्ग मां शिवना अंश रुप अगीयार मो रुद्र थई पुजाय छे..तेवा महा गुरु सूरज नाराने मारा नित्य वंदन छे.

[7:33 AM, 2/1/2018]

पुछो खबर्युं प्रेमथी,ज्यां, सोंणेय आविन सूर
नेणेंय तमणुं नूर,बस, जोयेज राख्युं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण स्वप्न सृस्टी नी तळ साचां होय के भ्रमणा होय ई तो वण उकल्यु रहस्य छे पण ए सृस्टी मां ज्यारे आपने दरसीये छीये त्यारे नेंणला आप ना दिव्य नूर थी अभिभूत थाय छे..आपना संखनाद अने झालर ना संमिश्रण जेवा धिर गंभीर अने मोहक स्वर नुं अमृत अवर्णनीय छे, हे नाथ मारा आपने नित्य वंदन छे.

[7:29 AM, 2/2/2018]

भांण कहो त्यां भागवत, रामाण गिता रांण
जापो सूरज जोगडा,त्यां, पाठ्यां तेर पुरांण

हे भगवान सुरज नारायण एक चित्त थई मनसा वाचा कर्मणा (मन वचन अने कर्म) नो एकतार साधी ने अंतर आत्माथी जो भांण कहीये तो भागवत,रांण कह्ये रामायण ने गीता तथा आप मां थीर रही आप ना जाप जप्ये तेने जांणे अढार मांथी तेर पुराण वाच्या बराबर छे..तेर पुराण एटला माटे कारण के हे नारायण आपना प्रिय एवा चारणो नो उल्लेख तेर मां छे..तेवा हे नारायण मारा आपने नित्य वंदन छे.

[7:49 AM, 2/3/2018]

उग्याय पेहलां आलतो, तुं धर अंबर तेज
आदित मोटी ऐज, जोई दातारी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण रामे लिधा पेला लंका दिधी ए वात तो छे..पण ई लंका राम पोतानी नोती तथा तेमां तो विभिषण ने अने विभिषण ना हिमायतीओ ने पोताना तरफी लेवा तथा रावण तेमज सैन्य ना मानस पट पर एकवात बेसाडवानी युद्धनिति हती के आ युद्घ लंका माटे नथी जेथी मातृभूमि माटे लडवानुं जोम सामे पक्षे होय तो जितवुं अघरुं थाय माटे ते भाव ने मुळ थी हटावी मात्र सिता माटे युद्ध साबित करी मनोबळ डगाववा लिघा पेहला लंका दिधेल पण हे नारायण आप तो उग्या पेहलाथी धरती अने अंबर ने कोई स्वारथ वगर अजवाळा दई ने आपनी अजोड दातारी ना दर्शन करावो छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:08 AM, 2/4/2018]

नारायण जग निरखतुं, तव तन छलके तेज
अधमी नजर्युं ऐज, जोई सके नई जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ ए दुनिया छे जे जांणे छे के तपस्वी ना अंग मां सात काया मांथी सूक्ष्म काया नी जो ए तपस्वी आत्मा जन कल्यांण हेतु लांबो समय रेहवा ईच्छतो होय तो बहार नी तरफ श्वेत तेज आभा उभी करे छे..जो मुक्ति ना मार्गे होय तो ते पोतानुं अस्तित्व प्रकट न थाय तेम तमाम तरंगो ने संकेलतो होय छे तेमां हे नारायण आप ना तन मांथी जे अनंत तेज फोरी रह्युं छे ते जोतांज आप नी दिव्यता भक्त रदय ने भाव विभोर करे छे अने ते जुहारे छे. जेनी आंखे अधर्म ना पडळ छे एज आप ने जोवा छतां जांणी सकतो नथी मारा आपने नित्य वंदन छे.

[7:29 AM, 2/5/2018]

अश्व बनीने आविया, भौं पर सूरज भांण
जेने कारण जोगडा,सौ, रांदल तेडे रांण

हे भगवान सुरज नारायण एक पगलुं निचु उतरी क्षात्र थई ने वहवाया मां विवाह करवा ना परिणाम आपे भोगवी ने जगने बताव्या..जेमां आपे शिव समोवड नो दरजो सुरज नो मेळव्या बाद पण घोडो थई ने धरती पर आववुं पड्युं.. जे प्रसंग ने याद करी आजेय प्रजा रांदल तेडी आप ना अश्व अवतार ना घोडा खुंदे छे..आम आपे समोवडा लग्न न करे ते पशु समान केहवाय तेवि शीख आपी सौ ने पोतानी जाती मां विवाहीत रेहवा सिखव्युं छे..आपने मारा नित्य वंदन छे..

[6:49 AM, 2/6/2018]

ज्यों नरशी जादवो,रसणा दसरथ राम
जीभे रेज्यो जोगडा, नारायण तुज नाम

हे भगवान सूरज नारायण जेम नरसी मेहता ने हैये जादवराय वस्या ने सतत राधे गोविंद जपाया..जेम दशरथ ने अंते राम सिवाय अयोध्या नुं राजपाट वगेरे फिकुं लाग्युं ने मात्र राम राम जपी ने राम मय थया..एम हे प्रभु अमारी जीभे अने अंतर ना उंडाण मां कायम नारायण नुं नाम रेहजो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:07 AM, 2/7/2018]

ज्यों नरशी ने जादवो,रसणा दसरथ राम
जीभे रेज्यो जोगडा, नारायण तुज नाम

हे भगवान सूरज नारायण जेम नरसी मेहता ने हैये जादवराय वस्या ने सतत राधे गोविंद जपाया..जेम दशरथ ने अंते राम सिवाय अयोध्या नुं राजपाट वगेरे फिकुं लाग्युं ने मात्र राम राम जपी ने राम मय थया..एम हे प्रभु अमारी जीभे अने अंतर ना उंडाण मां कायम नारायण नुं नाम रेहजो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:07 AM, 2/7/2018]

फेंटो आभ फरुकीयो, कासब केसरीयाळ
मुखडीयां मरमाळ, जळकी उठ्या जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उदय पेहला आभ केसरिया वर्ण नुं थाय जांणे के आपनो केसरी साफो फरकतो होय अने पछी आपना मरमाळा तेजस्वी मुख ना जांणे के दर्शन थयां...आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[6:51 AM, 2/8/2018]

वतुं करी दे विसयनुं, हरिवर तुंय हजाम
करशन तारा काम, जाण्यां न जाये जोगडा

[5:29 PM, 2/9/2018]

रांण करंता रातना, तारलियां लख तोर
सुरज उगे त्यां सोर, जंपे सघळो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ज्यां सुधी रात्री हती त्यां सुधी अनेक तारोलीया टमटमी ने पोते तेजस्वी होवानो सोर मचावी रह्या हता पण ज्यारे आपनो उदय थयो त्यारे ए सर्वे सोर समी गया..समाज मां पण ज्यां सुधी अनेक लोको पोते उद्धार करवावाळा छे एवो टमटमाट करता होय त्यां सुधी रात छे एम मानवुं..अने ज्यारे बधा नुं तेज कोई एक नी सामे जांखुं पडे त्यारे दिवस उग्यो गणाय तेवी सिखना दाता हे सुरज नारायण मारा आपने नित्य वंदन छे.

[7:58 AM, 2/10/2018]

वार तवां तव वंदना,अमे, रैयत तमणीं रांण
जळ वायू नभ जोगडा, भोम अगन तुं भांण

हे भगवान सुरज नारायण आजे वार पण तमारो छे,वंदना पण तमारी, अने नमन करनार आ रैयत पण तमारी,अने आ जळ वायु आकास पृथ्वी अने तेज पण आपनुंज छे..हे नाथ आप विनानु कंई देखवुं सक्य नथी, अमारु सै नुं अस्तित्व आपने आधीन छे मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:59 AM, 2/11/2018]

पडे नाम परथम प्रहर, कान पिता नुं कान
जांण ईसारत जोगडा,पाप जळ्यां परमान

चडीया तरगई चुंचला, बिंदुग वाळी बाई
नाम तर्णीं नरवाई, जग शुं जांणे जोगडा

हे कान (कर्ण) ना पिता भगवान सुरज नारायण आप नुं नाम प्रथम प्रहरे जो काने पडे तो ई पाप बळीग्या नुं परमांण कही सकाय नाथ कारण के जेम शिव पुराण नी प्रथम कथाओ मां जेम नाम नो महिमा छे तेमां जेम अजामिल नारायण नाम लेवाथी तरेल पण देवराज, तथा चुंचला अने बिंदुग तो मात्र नाम सांभळी ने तरी गयेल.. हे शिवजी अने सुरज नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:16 AM, 2/12/2018]

शंकर गण सारण सिमर,
तिमर हणां सह तौर
जिंण पायो जग जोगडा,
ईंण किरपा कछु और

हे शिव ना गण चारण तुं भगवान शंकर अने तिमिर ने हणनार सुरज नारायण नुं समरण कर कारण के जेना जेना पर एमनी कृपा उतरी छे ते असूर होय तोय तेना नाम अमर थई ग्यां छे..

[8:01 AM, 2/13/2018]

ओछुं कदी ना आपतो, भरशो ई दे भांण
आभलिये ऐंधांण,जुग थी आपे जोगडा

हे भगवान सुरज आप जुगो थी आभ मां उभा छो दुनिया ना भुतकाळ नी तमाम घटनाओ ने नजरो नजर जोनार छो..तथा जेंणे जेवुं भर्युं छे (जेवा कर्मो कर्या छे) तेनुं एवुंज फळ आपनी समक्ष कर्म कर्ता ने वेहलु मोडुं मळ्युं छे..जराय ओछुं के वधतुं नथी रह्युं.. हे प्रभु आप सदैव साक्षी रेहनार अमने प्रिते थी के भले भय थी पण..सत्कर्मज करावजो आपने मारा नित्य वंदन छे..

[6:35 AM, 2/14/2018]

सुरज चंदर साथ हो, चडीया आंगळ चार
तन मन एकातार, जुदो अनुभव जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ..ज्यारे आप ना नाम नी सुरज नाडी एटले के जमणी नासीका ना श्वास अने आप ना तेजे पोतानुं अस्तित्व दर्सावता चंद्र ना नाम नी नाडी एटले डाबी नासिका बंन्ने समान्तर थई श्वासा नी लंबाई चार आंगळे स्थाई थाय छे त्यारे जे तन नी सुन्न ता अने मन नी थीरता साथे अंदर नी यात्रा मां खोवावानो अनुभव थाय छे ते अजोड होय छे.. हे श्वासा ना स्वामी सुरज नारायण मारा आप ने नित्य वंदन छे.

[6:57 AM, 2/15/2018]

अंजवाळा नी आबरुं, रई गई तम सुं रांण
नके
घोर अंधारुं घांण, जगनो वाळत जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप विना जगत मां अजवाळुं ओळखात नई..अने अंधकार ना साम्राज्य मां कोई निसाचर पण न होत कारण के तेनो जीवन आधार पण दिनचर छे..अने दिनचर त्यां सुधीज छे ज्यां सुधू दिनकर छे..एटले के आप छो..आम आप विना जगत नो नाश छे..

नुर कहोय नारायणा,के, तेज कहो तोय तूं
सुरज विना नुं शूं,आ, जगते भाळ्युं जोगडा

बीजु के ईश्वर ना दिव्य तेज नी वातो ग्रंथो मां अल्लाह ना तेजस्वी नुर नी वातो चार हदिशो मां छे पण हे नारायण आप नी समान अनंत अने अविरत तेजस्वीता जगते कोनी जोई छे.? के जेना आधारे समग्र जिव सृस्टी जीवी रही छे..आप ना तेज थी जळहळता चंद्र नी पुजा करो के सिधी आप नी पुजा करो आखर तो ई आपना तेज नीज उपासना छे..आम सर्व धर्मो मां जे तेज पुज्य छे ते तेज ना स्वामी सुरज नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[6:33 AM, 2/16/2018]

सूर्य शिस राघव सुमिर,
समदर कुदत सलंग
जति रुद्र उत जोगडा
बिरूद भक्त बजरंग

हे भगवान सुरज नारायण आप नो शिस्य आप ना वंशज रघुवर नुं नाम लई ने एक छलंगे आखो समुद्र ओळंगी जति पद अने श्रेष्ठ भक्त नुं पद पामनार रुद्र अंश हनुमान जगत पर पुजाई ने एम ईशारत करे छे के मारा गुरु सुरज नारायण ना अंशज एवा वंशज ना नाम स्मरण मां आ सामर्थ्य छे..तो खुद सुरज नारायण ना नाम मां केटलुं सामर्थ्य हशे..के जिवन ना अंते दैत्य अजामिल मात्र एक वखत नारायण कहीदे तोय समग्र जीवन ना पाप बळी ने सदगती पामतो होय..एवा नाम धारी सुरज नारायण ने मारा नित्य वंदन छे. [8:09 AM, 2/17/2018]

दिव्य ज्योत नभ दिनकरा,
प्रगटे नित्य पतंग
जिंण दरशण सह जोगडा,
गान दियत फल गंग

हे भगवान सुरज नारायण आप दिव्य ज्योत स्वरुपे नित्य जगत नी सन्मुख होव छो..के जे ज्योत ना दर्शन करी गान करवा थी अंतरात्मा नी पवित्रता वधी ने गंगा स्नान कर्या जेटलुं फळदायी रहे छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[5:04 AM, 2/18/2018]

अबळा जाती ए कजुं,,आ,रुतु बदलती रांण
भड नव बदले भांण, जगत प्रमांणे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ऋतुओ बदलाती जाय छे..जे प्रमांणे पृथ्वी पण कारण के स्त्री लिंग छे..(ऋतु केवी) पण हे सुरज नारायण आप पौरुष्य नी परिसीमाये छो आप क्यारेय बदलाया नथी..अने जगत ने ए सिख आपो छो के जे समय समय प्रमांणे पोतानो स्वभाव न बदले (गरिबी मां विनम्र अने संपदा आव्ये अहंकारी न थाय) एज सम स्वभावी पुरुष छे...
आवा सिक्षण ना दाता नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:26 AM, 2/19/2018]

उगीन सुरज आथमे, ईतो, ऐज करावे याद
जाय समो आ जोगडा, समर हरि कर्य साद

हे भगवान सुरज नारायण आप रोज उगी ने आथमो छो अने ए याद करावो छो..के आ समय रोकातो नथी हाल्यो जाय छे..आमने आम जीवतर पुरुं थासे..माटे चेतो अने जलदी भवनु भाथु बांधो..नारायण नुं नाम स्मरण करील्यो एवि ईसारत करी अमने भक्ति मारगे थी डगवा नथी देता आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[2/20/18, 07:19]

दसौं दिसा थी दिनकरा, वरहावी दो व्हाल
पद तामस प्रतिपाल, जगमां पायो जोगडा

वालप त्याज विचारता,तामस मानव त्यां
जरुरत सौ नी जोगडा, कहो हवे रइ क्यां

हे भगवान सुरज नारायण..जगत मां हुं ज मोटो एवी होडो वधती जाय छे लोको मां सहन शक्ति खुटती जाय छे ने तामसी प्रकृती जांणे के मोटुं पद पामी छे..ए समय ने नाथवा हे नाथ आप दसेय दिशा मांथी व्हालप वरसावो तो जगत कृष्ण ना वंश नी जे अंदरो अंदर कपाई मरवाना श्राप थी दशा थई हती ते दशा जगत मा मांणसो जाते वोरवा जई रह्या छे..जेनो एकज उपाय छे मांणस मांणस वच्चे हेत प्रित वधे..माटे व्हालप नो वरसाद दसेय दिशा मां करो.. हे नारायण मारां आप ने वंदन छे.

[6:51 AM, 2/21/2018]

दिती दिकरो दहाडता,जग अजवाळा थाय
नवधण नमण्युं नेहथी,तमश टोळुं विखराय

हे भगवान सुरजनारायण तमारा उगतानी साथे तमारो पडकार साभळताज तमारा सत नो साद सुणता असत्य रुपी अंधकार ना टोळा विखरवा लागे छे अने सत्य रुपी अजवाळा पथराय छे अने आखा जगत मा अजवाळा नुं साम्राज्य थपराई जाय छे तमने मारा नित्य वंदन छे

[2/22/18, 07:20]

नाम तणीं नव खंडमां,तमे, रखी न परवा रांण
जगमां नोखी जोगडा, आदित नी ओळखांण

हे भगवान सुरज नारायण कोई एकज नाम पुजावुं जोईये एवो आपे क्यारेय मोह नथी राख्यो.. आपे आप नुं जगत कल्याण नुं कर्म सतत निभावे राख्युं छे..नामधारी मांणस पोतानुं नाम कोई पत्रिका मा बिजा क्रमे होय तो पेहला क्रमे करावावा बधी पत्रीकाओ फरी छपावडावे छे.. पण आप जुदा जुदा मलक मां जुदा जुदा नामे ओळखाओ छो छतां कोई अभिलाषा नथी राखी एवा मोटा रदय ना आधिपति आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[2/23/18, 07:20]

रेटोय ढांकि रातनो,अने, उंघाडती तुं आई
जळकी आभे जोगडा, प्रोढ फरी परखाई

हे मां बळक खोळा मां उंघ मा आव्युं होय एटले मां एनो पालव ढांकी दे..एम हे मां आ रात ई तारा काळा रेटा छेडा जेवी लागी जे तुं अमने तारा खोळे सुवाडवा अमारी उपर ढांके छे ने प्रोढ समये उंघ पुरी थये अमे हहळीये त्यां पाछी तुं छेडो आखो करे अने आभ मां तारुं तेज अमने देखाय छे..ए तारा तेज ना प्रतिक रुप भगवान सुरज नारायण ने मारा नित्य वंदन छे.

[5:14 AM, 2/24/2018]

Morning maker must you
salutations sun
Just operating Jogada
Do your Blessed done

मोर्निंग मेकर मस्ट यु, सेल्युटेशन्स सन्न
जस्ट ओपरेटींग जोगडा, डु योर ब्लेझेड डन्न

हे प्रभात ना करनार सुरज नारायण अमारा तमने वंदन छे..कारण के अमे जे करीये छीये ते बधुं तारा आशीर्वाद थी ज पुर्ण थाय छे...
ल्यो रवुभा... मारी पण ईंग्लीस दोहा थी सुर्य वंदना....

[9:13 AM, 2/24/2018]

ध्यान सुरज नुं ज्यां धरो,त्यां लख झंणके तार
पिंड ब्रह्मंडा पार,ईतो, जातर करवे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नुं ध्यान करवाथी भिंतर मा लाखो तार नो रणकार रणझणी उठे छे..अने ए दिव्य संगीत आ पिंड अने ब्रह्मांड थी पार नी यात्रा करावे छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे

ध्यान सुरज नुं ज्यां धरो,त्यां लख झंणके तार
पिंड ब्रह्मंडा पार,ईतो, जातर करवे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नुं ध्यान करवाथी भिंतर मा लाखो तार नो रणकार रणझणी उठे छे..अने ए दिव्य संगीत आ पिंड अने ब्रह्मांड थी पार नी यात्रा करावे छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[8:30 AM, 2/25/2018]

कायम जागी ने करां, सुरज तमणी सेव
जीभे रमतां जोगडा, मोगल ने महादेव

हे भगवान सुरज नारायण अमे रोज सवारे जागी ने सौ प्रथम आप नी वंदना करीये छीये..अने अमारी जीभे हरपल मां मोगल अने दादा महादेव नुं नाम रमतुं होय छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:10 AM, 2/26/2018]

आवे सुरज एम ज्यां, सुंणती काने साद
जाय प्रहाळे जोगडा, मात रखी मरजाद

हे भगवान सुरज नारायण आप ना आववानो अणसार ज्यां मळे छे त्यां पोताना बाळको समा पशु पक्षी मानव सर्वे ने जे माता (रात्री) पोताना खोळा मां पोढाडी रही हती ते आप आववा होई पोते पोताना बाळको आप नी सामे एटले के एना बाप नी सामे मुकी पोते पाछले परहाळ जती रही मर्यादाओ नुं पालन करे छे..अने मर्यादा ना पाठ सिखवे छे..कारण के जो बाळक नी सामे क्षत्रांणी ने एनो पति मस्करी करे तोय जीभ करडी ने मरे (चांपराज नो प्रसंग) एवी मर्यादा जो बाळको मां होय तो आप तो बाप छो..माता रात्रि केटली मरजाद साचवे...आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[5:02 AM, 2/27/2018]

सुत उत सूरज सेवता,रोम हषण पण रांण
जग मां आवि जोगडा,अमे, गायां तमणा गांण

हे भगवान सुरज नारायण सुतजी वंशज अने आध्य पुरांण नी छ संहिता ना रचनार लोमहर्षण उर्फ रोम हर्षण पण आप नी उपासना करता हता तथा वेद ना ऋषीयो पण करे छे ए ऋषी परंपरा ने अनुक्रमे अमारा वंदन स्वीकारज्यो मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:18 AM, 2/28/2018]

आग थीये पण आकरो, त्रिकम जप नो ताप
बाळी सकी नई बाप, ज्वाळ होळी नी जोगडा

[9:46 AM, 3/1/2018]

प्रोढ प्रखी प्रहलाद ने,भयो उलासीत भांण
जळहळ हरख्यो जोगडा, रंग द्रसी धर्म रांण

प्रोढ ना समये भगवान प्रहलाद ने जीवीत देखी ने अत्यंत उलासीत थया अने उडता रंग जोई ने रांण ने लाग्युं के आ प्रजाये धर्म ने जे हैया मां दबावी राख्यो हतो आ एना छोळो रंग रुपे उछळी रही छे आ बधा सामान्य रंग थी नई पण धर्म ना रंगे लोको रंगाई रहया छे ते जोई ने हरखायेल सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[12:52 PM, 3/2/2018]

****

कर किरणां हिंण कंस गळ, पांपणीये प्रहलाद
जो नभ आवी जोगडा, सुरज करंतो साद.

किरणो रुपी हाथ सुरज नारायणे हिंणाकंस (हिरणाक्ष = हरण जेवी आंखो वाळो) ने गळे नाख्यो हसे अने पांपणे प्रहलाद छलकतो हसे आकास मां आविने सुर्य नारायणे जांणे के प्रहलाद ने साद कर्यो हसे...ऐवा भगवान सुर्य नारायण ने प्रहलाद ना दीने हुं वंदन करुं छुं...

[12:52 PM, 3/2/2018]

छ ये रुतुं मां सरळता, भाव बदलतो भांण
जीवन कळायुं जोगडा, रुडी सिखावत रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप छये रुतु मां पोते देखावा मां तो पृथ्वी थी एवाज देखाओ छो..पण आप ना भावो बदलाता रहे छे..आप ना ताप नुं प्रमाम वधतुं ओछुं धरती पर पडे छे..कदाच कोना पर केटलुं गरम थवुं अने कोना पर ठंडु रेहवुं ते बतावी आप जिवन कळाओ सिखवी रह्या छो..एवुं प्रतित थाय छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[7:40 AM, 3/3/2018]

सुरज रांण सोहामणो,दरस्यो पुरव दीश
आशा सघळी ईश, जगनी पुरतो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना पुरव दिशा मां सोहामणा स्वरुप ना दर्शन करे एनी तमाम आशाओ पुरी थाय..कदाच ई आशा पुर्ण करती होवा ना कारणेज ए दिशा ने पुरव दिशा नुं नाम ऋषीयोये आप्युं हशे एम पण होय..आप ना सामर्थ्य ने मारा नित्य वंदन छे.

[5:35 AM, 3/4/2018]

आज देख्योघर आंगणे, रुडो सु वर्णी रांण
जावु वारी हुं जोगडा, देव भला दरसांण

हे भगवान सुरज नारायण आजे घर आंगणे आप ना सुवर्ण तेज ना दर्शन कर्या हैया थी तेना ओवारणा लई आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[9:58 AM, 3/5/2018]

चडिया जगना चालता, सुरज दया थी श्वास
जंखे सीदने जोगडा, अवर कृपा नी आस

हे भगवान सुरज आप ना कारणे समग्र जीव सृस्टी छे..अने आप ना प्रकास संस्लेसण थी वृक्षो जीवे छे प्रांण वायुं आपे छे अने जगत ना श्वास चाले छे..हे नाथ आप कृपा विना तो श्वास पण न चाले..एवा शिव स्वरुपा सुरज नारायण अमे बिजा पासे सुं कृपा नी आस करीये? मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:34 AM, 3/6/2018]

सुरज रनां रा सायबा, वालप ढळक विचार
जनम जनम ना जोगडा, तुम सह जोड़्या तार

हे भगवान सुरज नारायण रनांदे ना सायबा तुं वालप भेर अमारा विचारो मां झळकी ने अमारा विचारो ने पण उजळा ने तेजस्वी करीदे..कारण के अमे तो जनम जनम थी तम संगे आतम ना तार जोड़्या छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:21 AM, 3/7/2018]

भांण कबुं नव भूलता, रीत रिवाजां रांण
जांण सकळ ने जोगडा, वाता कायम वांण

हे भगवान सुरज नारायण आप क्यारेय आपना रीत रिवाज ने भुल्या नथी आप थकीज कायम वांणु वाय छो ए जगत आखाने खबर छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:21 AM, 3/8/2018]

करम चुके नई कासबा,शुकन बहाने सूर
जिवन रसायण जोगडा, एम भरो अम ऊर

हे कश्यप तनय भगवान सुरज नारायण आपे क्यारेय एम नथी कर्युं के आजे शुकन सारा नथी के मुरत सारुं नथी एटले मोडा उगवुं के नही उगवुं..आप आप ना निर्धारित समये कायम अचुक उगी ने अमारा उरमां कर्म निष्ठा नुं जीवन रसायन भरो छो..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:06 AM, 3/9/2018]

जनक दुलारी जोईने, एना, जिवने थई गई जांण
जाळी लंका जोगडा,जुवो,भविष कहे शिस भांण

हे भगवान सुरज नारायण हनुमान तो आप नो शिस्य छे..भविस्य ने जांणवानी विध्या आपे एमने सिखविज होय..(जोके एमनी तपस्या थी पण ए सिध्धत्व हतुं अने शिव अंश होई ते तेमनी क्षमता पण हतीज) अने गुरु आदेश थी तेना जांणतल थया छतां तमे हुं बधु जांणुं छुं ए जाहेर न थाय ते रीते सीताजी नी अग्नी परिक्षा माटे आखी लंगा मा लाय लगाडी तेना ताप थी माता ने कंई न थाय तेनी खात्रि करी लई भविस्य नो ईसारो कर्यो तेवा हे श्री हनुमानजी आपने वंदन तथा आप ना गुरु श्री सुरज नारायण ने मारा नित्य वंदन छे

[5:25 AM, 3/10/2018]

लुंणो समय नो लागसि, काया केरे कोट
भज नारायण भोट, जो हित चाहे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ काया ना कोटडा ने समय नो लुंणो लागसे अने ई क्यारे धही ने धरासाई थाय एनुं कोई नक्की नथी होतुं..माटे हे जीव जो तुं तारुं हित चाहतो हो तो नारायण ना जाप कर जेथी ए नारायण आ कोटडाओ मां थता आवा गमन थी उगारी लीये..ए उगारनार नारायण भगवान सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[3/11/18, 08:52]

मिहिर कहंता मेटती, भव नी भ्रांत्युं भांण
पछी जंतर बाजे जोगडा, रसणां माथे रांण

हे भगवान सुरज नारायण आपनुं नाम लेतांज भवभव नी भ्रा ॅतीयु मटीजाय छे..अने रसणा नाम जीभ उपर आप सुंदर रवाज बजाववा मांडता होय तेम विमळ वांणीं प्रगटवा मांडे छे. आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:15 AM, 3/12/2018]

राव करंता रावणां,तमुं, नाथ दिधेलुंय नाम
एनुं
तार्युंय कुळ तमाम, जाया सुर थी जोगडा

हे भगवान सुरज नरायण ..जे दशानन शंकर ने अवगण तो हतो..अने पोताना विमान नी गति अटकवाना कारणे वच्चे आवेल पर्वत ने उखाडवा मथतो हतो..त्यारे शिवे तेने पर्वत नीचे दबाव्यो..अने त्यां शिवना गण चारणो नी स्तुतीयो ना लय मां रावणे शिव ने राव करी..एनाथी शिव प्रसन्न थया अने दशानन ने ई राव करनार तरिके रावण नुं उपनाम आपी पोतानो भक्त स्थाप्यो..अने तेना समग्र कुळ ना उद्धार माटे हे सुरज नारायण आप ना जाया श्री राम नो सहयोग लीधो ई भगवान श्री शिव..श्रीराम ने वंदन सह..शिव स्वरुपा सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[4:23 AM, 3/13/2018]

अनहद केवी आदरी,तैं,लीला अदीति लाल
जगत घुमंतुं जोगडा,पण, चलत लगे तुं चाल

हे माता अदीति ना लाल (पुत्र) एवा भगवान सुरज नारायण तमे केवी अनंत लीला रची छे..आखुं जगत आप ना फरतुं प्रदक्षिणा करे छे..(सुर्य स्थिर छे ने सौर मंडळ फरतुं फरे छे)पण द्रस्टी भ्रम एवो करावो छो के जांणे बधुं स्थिर छे, अने आप उदय अने अस्त थावो छो..कदाच आप एम सिखवी रह्या छो..के द्रस्यमान जगत पण नजर नो भ्रम नो छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:18 AM, 3/14/2018]

नारायण ने निरखतां, ओलियो लग्गे आज
करवा जग हित काज, जिवतर सोंप्युं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण समुद्र मंथन वखते अमृत माटे तथा एवा अनेक प्रपंचो ने कारणे देव नी एक अलग छाप छे..पण आप एक एवा देव छो जे ओलिया नी जेम पोतानुं जिवन जग हित माटे निसार करेल छे..आप नी ए निस्वार्थ जिवन नी सिख ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:07 AM, 3/15/2018]

बिरद वडेरुं बापनुं, तमे, रुडुं दिपाव्युं रांण
जिवतर गाळ्युं जोगडा, भुलकां खातर भांण

हे भगवान सुरज नारायण तमे जगत ना बाप छो..अने ई बाप ना बिरद ने तमे रुडी रीते दिपाव्युं..आखुं जिवतर आपे आ भोमका ना अम भुलकां माटे ओळघोळ करी नाख्युं..थाक लाग्यो कही एकदी पण आराम माग्यो नथी..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[5:30 AM, 3/16/2018]

कस्यप नंदन घट करौ, द्रप अरु पाप दमन्न
जन अरदन पद जोगडा, नारण नित्य नमन्न

हे कस्यप नंदन भगवान सुरज नारायण अमारा घटमां ज्यां पाप के दर्प नाम अहंकार होय तो तेनुं आप दमन करी.आप नी भक्ति स्थापो..हे जनार्दन हुं आप ने नित्य नमन करुं छुं..मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[5:37 AM, 3/17/2018]

चण गोतण घण चकलीयां, दण उगतण खण देख
जण त्रण दैवण जोगडा,रण झण कण कण रेख

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उदय नी राह मात्र मनुस्य नई पण पोताना भुख्या बाळ ने चांच मां चण देवा काज आ चकलीयुं पण राह जोई रहेल के जे क्षणे दिवस उगे ए समये जेने मांणह कही सकाय तेवा मांणह अमने चकलां ने चण नाखे..आप ने जळ चडावी पछी अमारे माटे बांधेल परबडी मां पांणीं भरे ए राहे अमे थोभी रह्यां छीये माटे हे सुरज नारायण जल्दी उदय थाव तेवुं विचारतां चकलां पण आप ना उदय थी राजी थाय छे..हे नाथ आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:21 AM, 3/18/2018]

द्वितीया हे दख भंजणी,वंदन हो लख वार
ज्वार करण पद जोगडा, सुर लई अयों सवार

हे भगवती आजे द्वितीय उपवासे आप ने मारां लाखो वंदन छे..अने हे आई मा आप ने चरणे जुहारवा भगवान सुरज नारायण पण सवार लई ने आव्या छे..हे अखिलेश्वरी मारां आप ने तथा भगवान सुरज नारायण ने नित्य वंदन छे.

[7:32 AM, 3/19/2018]

त्रिहुळां धर भव तारणी, अन अन तुं अविनास
ज्योत सुरज दिप जोगडा, आलम दियण उजास

हे त्रिसुल धारी जगदंबिका तुं भव तारण हार छो..अनोअन.. अणुंये अणुं..मां तुं अविनासी रुपे वसे छे..तारा दिवडा नी अखंड ज्योत रुपे सुरज नारायण जगत ने अजवाळे छे..हे मां मारा आजे त्रिजा उपवासे तारा श्री चरणो मां वंदन छे..तथा तारी अखंड ज्योत रुप सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:32 AM, 3/20/2018]

चतुरथ तुं चतुरारथी, करत चंडी सब काम
ज्योंही उगारत जोगडा,नरण नारणां नाम

हे भगवती चतुर्थ उपवासे हे चतुरार्थी एटले चारेय अर्थो देवा वाळी चंडीका तुं सर्व मनोकाम पुर्ण करनार छे..जेम मात्र नारायण नुं नाम लेवा थी आखर टांणे अजामिल नो उद्धार करेल..तो अमे तो नित्य नरणे नारायण नुं नाम लईये छीये हे भवानी तथा हे सुरज नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[3:51 AM, 3/21/2018]

पंच तत्व पंचेन्द्र प्रद, अरुं, व्रद व्रेहमंडण वास
जद ब्रंदण किन जोगडा,भांण प्रगट दींण भास

हे मां भगवती आजे तारो पांचमो उपवास छे..पांचेय तत्वो मां तुं छे..पंचेन्द्र (कर्मेन्द्री,ज्ञानेन्द्री,मन,बुद्धी ने आतमो) पण तुं छे अने हे व्रेहमंड नी वासीनी हुं ज्यारे तारा बिरद ने बिरदावी वंदना करुं छुं त्यारे एवो भास करावे के जांणे तुं सुरज नारायण थई ने सामे आवे छे..हे आई तारा चरणो मां हजार वंदन सह तारा आभासी स्वरुप भगवान सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:01 AM, 3/22/2018]

वादळ मां तुं विठलजी,उभोय रेतो आंम
नारण लैये नाम,त्यां, जोतो सामुं जोगडा

हे नारायण तुं वादळां नी वच्चे आंम आंटिये पग चडावी ने उभो होय छे..तारी डाबे पडखे आई लक्ष्मी जी पण मरकी रह्यां छे..(पण एमना हास्य मां स्नेह पण देखाय छे अने कदाच अमे मात्र आपने भजीये छीये एटले मिठी ईर्षा पण ,?...ना..पण हसी रही छे..एटले कदाच ईर्षा नई होय पण कदाच हुं एनो पुर्ण भाव नथी कळी सकतो एटले नथी लखी सकतो..) हे नाथ अमे ज्यारे नारायण कहीये छीये त्यारे आप सामुं जोई ने एक मोहक हास्य करो छो..अने ए हास्य जोतां वेंत अमारी आंखो थी भाव छलकी ने गाले पर टपकी पडे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[3:47 AM, 3/23/2018]

धृव उधारक हे धणी,पारस लोह पिछांण
जुंड उगारण जोगडा,रटियें कायम रांण

पारस लोह प्रगट्टीयो,जग्ग ई बातां जांण
जा दन करियुं जोगडा, हिरणांकस री हांण

हे भगवान नारायण तमे धृव नो उद्धार कर्यो छे..तथा प्रहलाद ने उगारवा हे परमेहर आप पारसमणी होवा छतां लोखंड ना थांभला मां प्रगट थया तेवा हे जुंड ने उगारनार भगवान सुरज नारायण अमे नित्य तमारुं नाम रटिंये छीये..(रटण करियें छीये एटलुंज याद करावुं छुं प्रभु..कल्याण करो एम एटला माटे नथी केहतो कारण के तमने ए समजण तो छेज के जे रोज रटतो होय तेनुं कल्याण करवुं..)

[7:31 AM, 3/24/2018]

अवनी माथे एक तुं, आ, रयण हटंदो रांण
जडेन उपमा जोगडा,भांण समों बस भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप एकज एवा छो के जेना अजवाळे रात्रि हटी जाय छे..आप ना अनुपम तेज ने उपमा आपी सकाय तेवुं कंई जगत मां छेज नई.. आप पोतेज बस आप समा छो..आप ने मारा नित्य वंदन छे...

[6:08 AM, 3/25/2018]

जड जणींया चैतन जणां, मदछक भक्त मलंग
सब पर रहत सलंग, ज्योत कृपा सुर जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण मुठी भरी ने माटी कोई ने बतावो तो ई एने जड केहशे..बियारण मुठी भरी बतावो तोय जड केहशे..पण ज्यां ई बियारण माटी मां नाखो एटले चैतन्य ना अंकुर फुटी निकळे..ई बधां जड ना जणेल चैतन्य अने पोतेज माटी ना धडायेल छे ने माटी मां मळवाना छे ई जांणवा छता जड चेतन ने अलग जांणवावाळा बधा पर आप नी कृपा एक सरखी वरसे छे. .पछी ए मद मां छकेल होय..भक्त होय के.. के पोताना मस्तिमां लीन होय...सरेव पर समभाव राखनार नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[7:18 AM, 3/26/2018]

वयण सती शिव वंदियें, भगती करियें भांण
जिभ उठे जद जोगडा, रटण करे त्रय रांण

हे भगवान सुरज नारायण अमो वसुंधरा पट पर ज्यां लगी रहीये त्यां लगी माता सती अने शिव ने वंदता रहीये तथा हे भांण तमारी भक्ति करता रहीये..अने अमारी जिभ ज्यारे पण उठे आप त्रणेय ना जाप जपो..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:16 AM, 3/27/2018]

अगणीत तारा आभ मां,अमे, रातेय भाळ्या रांण
भोर तारा वण भांण,कोंण, जगमां पाडे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण लोको कहे छे के सुरज नारायण करतांय मोटा ताराओ आकाश मां छे..पण हे नारायण अमे अनेक तारलीया रात्रे टमटमता जोया पण हे नाथ तमारा विना कोई अमारी सवार पाडी सके तेम नथी..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[3:41 AM, 3/28/2018]

नित्य नमन नारायणा,सुरज आसन सिद्ध
दुनीया ने तें दिद्ध, जिवतर भेटुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप क्यारेय आप ना स्थान थी चलीत नथी थया आप एक आसन सिद्ध छो आपने नित्य नमन छे..कारण आपे तो जगत ने जिवतर भेट कर्युं छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

आव्यो के हमणां आवशे, सहज नमंतुं शीश
जीव ने रेहतो जोगडा,तारो,एक अजंपो ईश

[3/29/18, 04:41 AM]

दिनकर तुम धरणीं दियण,
तेज विज जल तत्व,
जिवन सुजस व्रद जोगडा
सुद्ध तर्क घट सत्व.

हे भगवान सुरज नारायण आपे धरती दीधी..तेज विजळी जळ वगेरे आपी जीवन अने सुजस आप्यो उपरांत सुद्ध तर्को साथे बुद्धी मता आपी ने आपना कृपा पात्र होय तेमनुं सत्व जाळवो छो तेवा आप ने मारा नित्य वंदन छे

[3/30/18, 07:56]

स्वास्थय दिर्घायुस्य सूर, प्रम पद ज्ञान प्रदत्त
जस वैभव सुख जोगडा, कास्यप तनय करत्त

हे भगवान सुरज नारायण जे आपने ना व्रत करी आपने विधीवत आराधे छे तेमने आप..स्वास्थ्य..दिर्घायु..परम पद..अने ज्ञान आपी यस वैभव अने साचुं सास्वत सुख अर्पो छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:06 AM, 4/1/2018]

दरशन देवा दिनकरा, नभ चडीया नाराण
भुवा के भोपा भांण,जोवे न तारे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप जाग्रत देव छो..जगत ने दरशन देवा आप खुद सामे आवो छो..कोई भुवा भोपा जेवा मध्यस्थी नी जेने जरुर नथी होती..एवा आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:45 AM, 4/2/2018]

लळी लळी ने लिंबडो,वंदन करतो वीर
सुरज होत सरीर,तो,जळ चडावत जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ दुर देखातो लिमडो पण आप ने लळी लळी ने वंदन करतो होय तेवुं लागे छे..कदाच एम केहतो हशे के हे नाथ जो मारी पासे मानव देह होत तो हुंय रोज जळ चडावत पण हाल तो मारां आ वंदन स्वीकार करो..जेनी पासे देह होवा छतां तने वंदन नथी करी सकता एमां ने जड मां कोई फरक नथी..हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:21 AM, 4/3/2018]

कस्यप नंदन पर कबुं, उंणप न आवे ऊर
जण साचा नुं जोगडा,तुं, सत साचवजे सूर

हे भगवान सुरज नारायण जे सत्य नी राहे चालता होय तेमनी कसोटी होय छे..ते आदी काळ थी चाल्युं आवे छे..हरिश्चंद्र ने वेचावुंज पडे..सीबी ने जंघा कापवीज पडे..परमेश्वर मित्र अने सगो होय तोय पांडवो ने वन मां भटकवुंज पडे छे ई साचुं पण नाथ कळजुग मां सत्वसीलता वाळाओनुं सत तुं साचवजे.. नहीतर मनुस्य तो वधी ने सो वरसे मरी जसे..पण तुंतो कायम रेहवानो छुं..माटे सत ना हामी रहेजो..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:10 AM, 4/4/2018]

वाळत आखी वयण नो,आ, घोर अंघारुं घांण
एने
जोजन छेटां जोगडा,तें, भगव्यां सुरज भांण

वैयां जग खेतर वळी,आवे रात अनेक
जोर सुरज नी जोगडा,आ, टोयापण नो टेक

हे भगवान सुरज नारायण आ अंधारुं आखी धरती जिव सृष्टि नो घांण वाळत पण आप नित्य प्रोढे पधारी ने एनो जोजन दुर भगाडी द्यो छो..जेम खेडुं वैयुं ने उडाडे..पाछो आघो जाये ने पाछां वैयां चणी जवा आवे अने वळी पाछा तमे उडाडो एम अंधारुं आवे ने तमे भगाडो छो एवुं रुपक थाय छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[7:05 AM, 4/5/2018]

अरक चंदा ने आपता,आप जाया पण ऐम
नित्य आप्या नुं नेम, जग्ग सुरज ने जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप तो जगत ने तेज आपता आव्याज छो..तथा आप ने अजवाळेज चंद्र पण चमके छे..अने आपना संतानो ए रीते आपता आवे छे..जेम के सुर्य नो मनु पुत्र सर्याती तेनो आनर्त तेनो रैवत (जेणे द्वारका वसावी) तेनो पुत्र कुकुद्मी के जैंणे पोतानी दीकरी रेवती बळभद्र ने परणावी ने दहेज मां द्वारीका नगरी आपी जेमांथी ऩानी चपटी जेटलुं कृष्णये सुदामा ने दिधुं एमां बोलबाला थई गई..एवा महादाता भगवान सुरज नारायण ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:08 AM, 4/6/2018]

रांण तिहारा राज मां, गुंण तमांणां गउं
जळ दोहा ना जोगडा, दिन उगंता दउं

हे भगवान सुरज नारायण तमारा तेज रुप राज्य मां अमो वसीये छीये..अने सुत्य (स्तुति करी सकाय तेनी) वर्ण होई..आपनी स्तुती करवी ए अमारो परपुर्व धर्म होई आप ना गुंण गान गाईये छीये..अने नित्य दोहा ना जळ चडावीये छीये..आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[7:17 AM, 4/7/2018]

पालण हारो तुं प्रथी, गज्ज गधो के गउ
सूरज छोरुं सउ, जांण्या सरखां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप तो आखी प्रथवी ना पालणहार छो..अने सृष्टि ना जीव मातर आप ना छोरुं..पछी ई गजराज होय गदर्भ होय के गाय होय..आप ने माटे सौ सरखा..गुंण प्रमांणे अने ओळख करवा जुदा नामो तो मांणसे राख्या बाकी तो जिव मात्र सरखा..भुख नुं दुख जेटलुं गाय ने थाय एटलुंज गजराज के गदर्भ ने थाय..कोई भेद नई..ए एकता ना ज्ञाता होई बधा ने तेमना प्रमांणे पोसनार आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[6:44 AM, 4/8/2018]

सुरज धरा पर सरवनुं,
हरिवर करज्यो हीत
जे कज अमणीं जोगडा
नमण्युं लख लख नीत,

शिव ब्रह्मा के स्याम नुं, गोतर कोंण गणें
भू पर छो न भणें, जातुं विध विध जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ धरती पर सर्व जीवो नुं तमो हीत करज्यो..कारण के भेद तो बधा अमे कर्या छे..बाकी सृष्टि ना त्रण देवो गणाता.. शिव ब्रह्मा के विष्णु ना मावतर विसे क्यां कोय ने खबरेय छे के.. एमनुं गोत्र कयुं के एमनी जाती कई..आप पण एमज सर्व भेद रहीत जगत कल्याण करो तेवि प्रार्थना सह आप ने अमारां नित्य वंदन छे.

[7:21 AM, 4/9/2018]

अविचळ योगी अरकतूं, नमन लाख सुर नाथ
सुरज पुरांणे साथ, जडधर भाळ्यो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप आभ ना आसने अविचळ बेसी ने योग साधना करता महायोगी छो..माटे आप ने आजे सुरज नाथ कही ने वंदु छुं..कारण के भैरवनाथ आदीनाथ वगेरे शिव स्वरुपो एम आप पण शिव स्वरुप छो..एटलेज तो सुर्य पुराण आखुं शिव नी कथाओ थीज तो मढेल छे..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:05 AM, 4/10/2018]

दातारी गुंण दिनकरा, अदभुत तमणो एज
जग ने आपे जोगडा,तमे,तन बाळी ने तेज

हे भगवान सुरज नारायण आप नो दातारी नो अदभुत गुंण छे..लोको धुप सळी माटे कहे छे के ते पोते बळी ने सुवास आपे छे..पण एवुं नथी..ई बिचारी जाते नथी बळती..सुवास लेवानी आशावाळा तेने बाळे छे..एणे ठरवुं होय तोय ठरी नथी सकती..पण हे नारायण आप माटे विज्ञान पण तारो कही ने एम कहे छे के तारा ने पोताने पोतानुं तेज होय छे..अर्थांत आप जाते पोतानो देह बाळी ने जगत ने वण सवारथ अजवाळां आपो छो..आथी मोटो दातारी नो गुंण कियो होई सके?
मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:04 am 4/11/2018]

वांण वाये वरणांगिया,भर भर मुट्ठी भांण
जांण छांट्या हो जोगडा, रंग प्रभाती रांण

हे भगवान सुरज नारायण आ सवार ना प्रहर मां जांणे आभलीये अवनवा रंगो नी मुठीयो भरी ने आपे छांटी दीधी होय तेम आसमानी भगवा केसरी वगेरे अवनवा प्रभात ना रंगो आत्मा ने उल्लासीत करे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:47 AM, 4/12/2018]

फुल कहुंबल फोरीया, केहुलडां कलीयो
जंगलडे सूर जोगडा, आभल एकलीयो

हे भगवान सुरज नारायण फुलकहुंबल फोरीया (फुल कसुंबल फोर्या होय तेम),अने बीजो अर्थ फुलक (फुलेकुं)हुंबल (पोतानी ताकात थी)फोरीया फेरवनार,..केहुलडा कळीयो (केसुडा नी कळीयो जेवा)कहु (केवुं)लडा (लडी ने) कलीयो (कळजुग सामे)जंगलडा (जंगल मां,अने जंग लडा) सूर (दिव्य, अने सुरविर)जोगडा, आभल (आभ मां अने आ भल ..आ भलो) एकलीया (एकलो अने..एक लीया..एकज लई सकाय तेवो)
आम आप ना श्री चरण मां बे अर्थ.. समाविष्ट करता दोहा ने आप चरणे धरी हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[5:06 AM, 4/13/2018]

धारा तुं ध्रम ध्यान नी,तारो, आरंभ रोज अलग्ग
जीवन पणुं सुर जोगडा, सात चक्रां हय सग्ग

हे भगवान सुरज नारायण आप धर्म रुप ध्यान नी एवि धारा छो..जेनो उदय बंध आंखे निहाळी सकाय छे..खुली आंखे मात्र अजवाळां देखाय छे..पण अंतर यात्रा मां आप नो नित्य प्रारंभ अलग होय छे..आप जीवन नुं जिवंत पणुं छो..अने आपना सात अश्वो ने जोडती सरक सातेय चक्रो ने चोडी ने ब्रह्मांड ना खीलडे स्थिर करे छे..ई उध्व गामी अवस्था ना दाता आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[7:09 AM, 4/14/2018]

बांध्या चकधर बंधवे,तांणींन सात तुखार
ई सकटे सूर सवार, जगत प्रकाशे जोगडा

दस दस है पद चतूर दस, ईक वण पाद अचंब
ज्योत प्रकाशण जोगडा, भांण अयो भुजलंब

हे भगवान सुरज नारायण आपना बांधव अरुणे सात तुखार केतां अश्व ने सकट केतां रथ साथे जोड्या छे जेमां आप सवार थई जगत अजवाळवा निकळ्या..ते रथ ने दस दस अने चतुर दस एटले के दस ने दस वीस अने चतुरदस एटले चौद एम चोत्रीस पद छे(सात अश्व ना चार लेखे अठावीस,चार रथ ना चक्र ,अने बे सुरज नारायण ना)तथा सारथी अरुण के जे पग थी पांगळो थई गयेल छे..एने पग नथी ई अचंबो छे..के जेने पग नथी ई चौत्री पग नो दिशा सुचक बने छे त्यारे जगत ने अजवाळा देवा भांण पधारे छे..आम आपे अपंगो ना मनोबळ वधारवा भ्राता अरुण ने पोतानो सारथी राखी उदात्त उदाहरण पुरु पाड्युं छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:47 AM, 4/15/2018]

आंख जुवे नव ओळखे,अने, पाठे वेद पुरांण
जळतन वाहण जोगडा,जे, भाळि न वंदे भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप नी अनेक वातु पुराणो मां छे..वेद मां छे..ई लोको वांचे छे..पण तमे आंख सामे होवा छतां ते आप ने ओळखी ने वंदी नथी सकता..ए लोको मां अने जळतन एटले के जळत (समुद्र) तन (तनया, पुत्री)लक्ष्मी नुं वाहन (घुवड)मां कोई फेर नथी..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[4:36 AM, 4/16/2018]

कोर महाग्रह काढतां, जेम,
भांळ्योय सावज भांण
पछी रात हरणीयां रांण,
जाय छेंकारीन जोगडा

हे सर्व ग्रहो मां महाग्रह एवा भगवान सुरज नारायण आप कोर काढो त्यां अंधारा ए रीते भागे छे जांणे हरणीयां सावज ने जोई ग्यां होय.अने छिंको नाखता भागे एम.अमारा अंधकार ने भगावनार हे महाग्रह सुरज नारायण आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:26 AM, 4/17/2018]

आव्याय भेळी आभमां, भात पाडी तें भांण
ज्योत कहुंबल जोगडा,तुने, रंग रंगाळा रांण

हे भगवाव सुरज नारायण आपे आव्या भेळुं एक क्षण मात्र मां अनंत आकाश ने पोताना रंग मा रंगी नाख्युं एवा हे ब्रह्मांड ना कसुंबल ज्योत स्वरुप रंगाळा तमने लाखो रंग सह मारा नित्य वंदन छे.

[7:31 AM, 4/18/2018]

उग्याय प्हेला आलवुं,एवुं, नीम राखे मुंज नाथ
सूर समो समराथ,अमे, जोयो न बिजो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नो उदय थाय ए पेहला जगत ने अजवाळुं आपवानुं आपनुं नीम छे..आपना समान बिजुं कोई जगत मां नथी आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:48 AM, 4/19/2018]

जिव मातर नी जगत मां,करे दया जो कोय
जीव वडेरो जोगडा, संत केवाये सोय

मात्र गाय ने बचावो..ई प्रांणी मां पण पक्षपात छे...बिजा प्रांणीयो नो शुं वांक?? ए शुकाम कपाई मरे?? जिव मात्र पर दया उमटे तोज ई करुणा..नहीतर स्वार्थ...

[9:21 AM, 4/19/2018]

ढाहर अंधारा ढळ्यां, नाहर सुरज नांण
जाहर आभे जोगडा, वाहर सोंणीत वांण

हे भगवान सुरज नारायण रात्री जांणे के महाकाय काळा भम्मर हाथी नी जेम छवायेल हती त्यां तमे सावज नी जेम ए काजळ प्हाड ने ढाळी दिधो ,आभमां जांणेके तेना रुधीर उड्यां ने आभ लाल थईग्यो ..हे अनिष्ट ना अंधकार ने अने हाथी जेवां मोटा दुखो ने हणनार नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[7:34 AM, 4/20/2018]

पुन्य वधे द्रख पांगर्ये,अने, जास्ये पाप जरूर
जाड वाव्या सम जोगडा, सदक्रम दुजो न सूर

हे भगवान सुरज नारायण आप जे रीते तपी रह्या छो..ए जोतां एम लागे छे आप जगत ने एम समजावी रह्या छो के जो आजरीते चालशे तो जगत नो प्रलय थवानुं कारण ताप हशे..पण हे मुर्ख लोको तमे तमारी पेढी माटे संपदा एकठी करो छो पण सांईठ डीग्री ताप मां ए संपती के संतती एकेय नई बचे.. जो एने जिवाडवा मागता हो तो वृक्ष वावो..जेम जेम वृक्ष पांगरशे एम तमारा पुन्य पांगरशे..तमारा जंगल नाश करी ने लीधेल हजारो प्रांणीयो ना निस्वास रुपी पाप बळशे..माटे हाल नी स्थितिये वृक्ष वाव्या जेवुं सद कर्म एकेय नथी..दरेक व्यक्ति बे वृक्ष उशेरे तो एनो जन्म सफळ ..एनुं धरती मा नुं ऋण अदा थीयुं गणाय..एम पुन्य नो मारग चिंधनार नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:25 AM, 4/21/2018]

पेडुंय ग्रह पतंग नुं, लइ, रमे नभां पड़ रांण
जांण केरब्बो जोगडा, भयो उलासीत भांण

हे भगवान सुरज नारायण जांणे के सर्वे ग्रह नुं पेडुं (मंडळी) लई ने आप आभ ना पड मां रमी रहया छो..जेमां आप नो वेह सौ ने जांखप लगावे तेवो धरती ने धडकावतो जे देवो ना पेडा मां सौ प्रथम केरबा नो वेह निकळतो एम आप केरबा जेम उलासीत सर्व ग्रहो पर छवाई जाय तेवो रोब धरावो छो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:07 AM, 4/22/2018]

लोह थंभ रजनी लळत,
नाथ सुरज नरसिंह
जड़ जणियां कज जोगडा,
दियण तेज रुप डिंह

हे भगवान सुरज नारायण रात्री रुपी काळा लोह थंभ ने चिरी ने जांणे के आप नरसिंह रुप प्रगटे एम प्रगट्या अने जड नाम पृथ्वी ना जणियल एटले वृक्ष तृण पशु पक्षी अने जीव मातर माटे आपे आभलीये थी तेज रुप डणक दिधी आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:36 AM, 4/23/2018]

करोन थोडो कस्यपा,वनचर तणो विचार
पावक देह प्रचार,हवे, जाळे सउने जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण मनुस्य वृक्षो वावतो नथी ने वन कापतो गयो छे..तेना कारणे ताप वधी ने पृथ्वी पल्ले थाय एवा कारणो उभा थयाज छे..पण हे नाथ हवे नो ताप तो पक्षीयो ने उडतां हेठे नाखे छे अने वनचर पण बिचारा बे सहारा बन्या छे कंईक एनो विचार करी ने आ देह ने बाळी नाखे एवो ताप ओछो करो..मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:17 AM, 4/24/2018]

उगे तपे ने आथमे, भांण करे लख भाव
लियें सरव ना लाव, जिव द्रस्टा थइ जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप उगो छो....मध्याहने तपो छो..ने सांजे पाछा आथमी रजनी ढाळी ठंडक प्रसरावो छो..आपना आ सर्वे भावो ने अमे बस द्रष्टा थई जोया करीये छीये..आप अपार छो..आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[5:45 AM, 4/25/2018]

आदित लईन ओवारणा, गाय पंखी नभ गीत
सत सिंधव रथ सीत, जगपर वाज्यो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना ओवारणा लई ने पंखीडां सोर सवारे आसमानी गांणा गाय छे..हे सात सिंधव (अश्व) ना रथारुठ नारायण आप सीतळता थी संचरज्यो..नहीतर आ पंखीडां नई बची सके...अथवा मनुस्य ना रदय मां आ पंखीडां प्रत्ये प्रेम दया ने करुणा जगवज्यो के ई पंखी माटे पीवा ना सीतळ पांणी नी व्यवस्था करे जेथी पंखी मरे नई..मारां आप ने नीत्य वंदन छे..

[7:32 AM, 4/26/2018]

मां रुप चंदर मां मळे, सीतळ तेज सरूर
कास्यब रुप करूर, जेठ बपोरे जोगडा

सीतळ चंदर सरसती, जेठ कालीका जोय
जळधर तनया जोगडा, सोळ दियें धन सोय

हे भगवान सुरज नारायण आप चंद्र मां आपनुं तेज भरो छो अने सीतळ स्वरुपे एवा मळो छो के चंद्र पुरुष वाचक होवा छतां तेने चंद्र मां कहीये छीये,अने कवियो ते रुप पर काव्यो पण लखे छे..आंम सरस्वती स्वरुप...अने एनुंए आप नुं तेज ज्येष्ठ महीनाने बपोरे क्रुर रुप बतावतुं होय छे..जांणे कालीका स्वरुप..तथा आप ना प्रकाश ने आधारेज तो धान पाके छे..अने संपदा धरती पर आवे छे..आंम जळधर (पांणी धारण करनार समुद्र नी तनया एटले दिकरी)लक्ष्मी स्वरुप ..हे नारायण आप त्रणेय महाशक्ति.. महा सरस्वती..महा कालीका..अने महा लक्ष्मी ना आप मां दर्शन करावो छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:51 AM, 4/27/2018]

प्रोढ समे रुप पारणे, जाळत धोम जुवांन
जीवन के सुर जोगडा, व्रध सांये विदवांन

हे भगवान सुरज नारायण आप सवार ना प्रहर मां जेम बाळक पारणा मा होय तेम सौम्य अने रुडा देखाव छो..बपोरे जवानी ना मद मां काळझाळ अने सांजे कोई विद्वान वृद्ध नी जेम कोई सोर बकोर कर्या सिवाय भय थी मुक्त अस्त थाव छो..जांणे के जीवन नो पाठ सिखवो छो..के बाळक नानु रुडुं होय..युवानीमां जो काळझाळ रहे तो एना अस्त समये लोको राजी हशे के हास सांज पडी ताप घट्यो..अने जो युवानी मां बहु तप्यो नई होय तो लोको संध्या दर्शन करशे..तथा जीवन नी संध्या ये मृत्यु नो भय न राखवो कारण के बिजा दिवसे पाछो एनो एज आत्मा उदय पामशे..कारण आत्मा अमर छे..आवा जिवन ना पाठ सिखवनार नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:29 AM, 4/28/2018]

तम्मर चडीया तम्मरा,तुट्याय तम्मर तार
वीर सुरज नो वार, जाय न खाली जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण तम्मर (अंधकार) ने तम्मर आव्या (चक्कर आव्या)अने तम्मर (तमरां नामना किट जे रात्रे मधुर संगीत रेलावे छे) ना तार तुटी ग्या एवो सुरज नो वार (घा, अने दिवस) खाली नथी जतो..एवा अजवाळा अखंड दाता सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:28 AM, 4/29/2018]

बोल मिठा जग बोलतुं, करे न ए सब काज
सुरज सत्य समाज, जिरवी सके न जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जगत सत्य वचन बोलवानी वातुं पर वजन तो मुके छे..पण तेम करतुं नथी...एथीज समाज धगता सुरज जेवा कोई सत्य वक्ता के सत्य ने जीरवी नथी सकतो..जेदी सत्यवक्ता पणां ना केहवाता हिमायती जाहेर मां सत्य ने जीवशे त्यारे सतजुग सरु थई गयो हशे..अत्यारेतो सत्य अने सुरज नारायण आपे मात्र राह जोवी रही...कारण के धगतो सुरज ने सत्यनो साधक बंन्ने भर बपोर जेवा..एने कोंण चाहे? छतां आप आपनुं तपवुं न चुकी ने सत्य उपासको नी हिम्मत वधारो छो..के भले एकला धगवुं पडे पण चिलो नई चुकवो.. आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[3:02 AM, 4/30/2018]

आभ उग्यो जग आतमां,तुने, दईयें लाखुं दाद
जोगमाया तो जोगडा,नीत, सपनेय देती साद

छोरू केम न सांभरे,मंगळ वारेय मा
आपीन टहुको आ, जगवे आयुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप जगत ना आत्मा छो आप नो उदय थतां अमुं चारणो आपने लाखो खमकारा सह सवारे वधावीयें छीये.अने आपनो नेह पामीये छीये..पण जोगमाया नी तो केवि प्रिति पाम्या छीये के अमे सुता होईये तो कागा निंदर मां चोक्खो संभळाय तेवो अमारा नाम साथे साद दई ने भगवती अमने जगाडे छे...आंम हे सुरज नारायण ई भगवती ने मारां करोडो वंदन छे..अने आप ने पण मारां नित्य वंदन छे.

[6:39 AM, 5/1/2018]

पोरह रांण पतंग नो,आ, ससरो देत सलांग
हडुडुडु लोढ हुसांग, जळ चडावे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण श्री मद भग्वद मां कहेल बार सुर्य मां एक आप विष्णु छो..कृष्ण अवतार पण तेनी पुस्टी करी ने कहे छे के सुर्य हुं छुं..तो हे नाथ ए नाते समुद्र आपना ससरा थाय अने चंद्र आप नो साळो..कदाच एटलेज आप पोताना अजवाळे चंद्र ने तेज आपी साळा ने साचवता हशो..अने ए बधानो पोरह ससरा समुद्र ने रेहतो हशे तेथी हे नारायण ज्यारे सवारे आपनो उदय थाय छे त्यारे पोरह थी समुद्र पोताना मौजा ना लोढ दळ उछाळी आप ने जळ चडावता होय तेवुं लागे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:33 AM, 5/2/2018]

एक नारायण उगतां,आ, जोवाय आखुं जग्ग
जगत गुरु कई जोगडा, पुजोय सूरज पग्ग

हे सुरज नारायण आप आंखो थी ओझल होव छो त्यारे पण जगत नी तमाम वस्तुओ रस्ताओ बधुं होय तो एनाए ठेकांणेंज छे पण देखांता नथी.. पण आप नी हाजरी मात्र थी रस्ताओज नई पण आखुं जगत द्रस्यमान थाय छे.. अने मार्ग बतावववो ई तो गुरु नुं काम..हे नारायण आप आखा जगत ने पोतपोताना मार्ग अने मंजीलो नां दर्शन करावो छो..आप जग्तगुरु छो..अमे आपना पाव पुजीये छीये..मारां आपने नित्य वंदन छे...

[6:57 AM, 5/3/2018]

प्रोढ रचे सुर प्रार्थना, धग धग विर रस धार
जांण कवि रुप जोगडा, संध्या काव्य सृंगार

हे भगवान सुरज नारायण आप सवारे भक्तिमय अने पक्षीयो ना कलरव मां प्रकृती मय काव्य करता होय तेवुं लागे..बपोरे धगधगी ने जांणे विररस पर कोई रचना करता होव..अने संध्या समये पोताने माळे पाछा फरता पक्षीयो अने ढळतो आपनो संध्या रंग जांणे सृंगार काव्य रेलावतो होय तेवुं रुपक आप मां कवि ना दर्शन करावे छे..हे कविरुप नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[3:20 AM, 5/4/2018]

ओक्सीजन एक्वि टका,एमां, भाग ना पाडो भांण
नके
होशे मोटी हांण, जीव ने जीवनी जोगडा

हे भगवान सुरज सामान्य हवा मां 21% ओक्सीजन होय छे एवुं विज्ञान कहे छे..अने आप जो एमांय तपी ने भंगाण करशो तो पृथ्वी ना जीवो ने पोताना जीवनी हांनी थशे माटे हे नाथ..

महिर खुब मनावज्यो, सिस्य पिता ने सूर
कारण लागे क्रूर, ज्वाळा तमणीं जोगडा
उदय थतां जे आभमां , गाय तमारां गांण
जाय पंखी क्यां जोगडा, भडका वरहे भांण

हे सुरज नारायण तमे तमारा सिस्य हनुमानजी ना पिता एटले पवन देव ने मनावो के ते एमनुं जोर दिवस रात वधारे अने धरती ना मेहमान रह्या करे..कारण के तेमनी गेर हाजरी मां आप ना तप नुं तेज ..तपोज़ी (तप अग्नि) बनी ने बाळवा मांडे छे अने क्रुर भासे छे..आप नी करुणा भरी कृपा जगतपर उतारो नाथ मनुष्य तो कदाच ईलेक्ट्रोनीक उपकरणो थी जिरवी लेशे पण आपना उदय ना गांणां गानार पंखीडा क्यां जशे??
मारां आप ने नित्य वंदन छे...

[05/05/2018, 6:18 am]

खाग खगां खग खेलतां,त्रुट्यो रयणां त्राग
एथी
पांमरीयां सूर पाग, जांण बंबोळ्यां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप खाग(तरवार)खगां (आभ)खग (सुरज) खेली रह्या हता जेमां रात्री ने आप नी ए तरवार लागी गई..अने ए भागी..पण एना ए घाव थी जे सोंणीत उड्युं ए सोणींत थी पामरी अने आपना सिर नी पाग बंन्ने भिंजाणा जेनो रंग आ आभ मां जांणे के रेलायो छे..तेवा रण घेला नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे...

[6:13 AM, 5/6/2018]

कास्यप नंदन कळजुगे, तुंज रखे अम टेक
अम तो पामर ऐक, जीव धरा नो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अमारी टेक रखवनार तुं एक छो...बाकी अमे तो धरती ना पामर जीव छीये..मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[5:34 AM, 5/7/2018]

आलम ने अजवाळवी,वीर न बीजी वात
रांण तु एके रात, जोकेय न ग्यो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ आखी आलम मां अजवाळां पाथरवां एज आपे पोतानो धर्म गण्यो छे..बीजी कोई वातज नई..अने हे नारायण आप ई कर्म मां एवा लीन छो के ज्यां आप होव त्यां दिवसज होय..आपे एकेय रात जोई नथी के एकेय झोकुं (क्षणींक निंद्रा नुं झोलुं) लीधुं नथी..आपनी सतत जागृती ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:29 AM, 5/8/2018]

दिनकर तोळी डोढिये,नत, दोहाय देडवियें
खग्ग आ खेडवियें, जोग कमाडो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नी डेलीयुं अने डोढीयू ने वंदी अमे दोहा रुपी श्रीफळ दुर थी रडतुं मुकी देडवीये छीये अने हे भांण तमारा योग ना भंडार ना भीडेल कमाडो ने आंम धीरे धीरे रोज खेडवता जई ने जोग साधता जईये छे..हे अनंत कृपाना करनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:25 AM, 5/9/2018]

टम टम थाता तारला,भले, जोर लगावे जोर
भांण तारा वण भोर, जोइ न कोये जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण रात्री ना समये लाखो ताराओ टमटम करता जोर जोर थी जोर लगावे छे पण हे भांण तारा (तमारा/ सितारा) वण कोईये सवार जोई नथी..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:51 AM, 5/10/2018]

||सुर्य वंदना ||

एक समत राखी अफर, अरक दैंण अजवास
जस जुग जुग से जोगडा, खल्क दियण सुर खास 01.
बीज जुग्ति चारण बरण, बीज सूरज तुंह बाप
जपत जगत दौ जोगडा, पर घट भंजण पाप 02.
त्रण परज्युं कास्यब तनय, वंदत करत वखांण
जाप जपत सब जोगडा, भला उग्या कही भांण 03
चार वरण श्रम चार जुग, वदत वेद नृप व्योम
जपत निरंतर जोगडा, भांण उजाळत भोम 04
पंच तत्व शक्ति परम, धरम धरण रख धांण
जग्त उजाळक जोगडा, भ्रण पोषक ईक भांण 05
सड रिपुआं कर सोथ सूर, उर पुर नाथ अरक्क
जो नह वंदत जोगडा, निशचय जात नरक्क 06
सात अश्व रथ पे सूबल, उदित सात असमांण
जग्त तप्त सूर जोगडा, जगत चराचर जांण 07
अष्ट सिद्ध दाता अरक्क, मरक रह्यो महराज
ज्योत अचल तप जोगडा, सूर नभ मंडळ साज 08
नव खंडे अमरत नजर, दिनकर करत दयाळ
जिण पद वंदत जोगडा, वंक न हौवत वाळ 09
दस अवतारां दिनकरां, पूजत तुंहारा पाव
जकौं दर्प हंण जोगडा, भांण अफर घट भाव 10
ग्यार रूद्र अवतार गण, भयो सिस्य तव भांण
ज्वारत चारण जोगडा, रंग कसुंबल रांण 11
द्वादस दिन करणां दता, अंध कटण अदभूत
जाग्रत है द्रस जोगडा, मिहिर नाथ मजबूत 12
तेरस तुं तिमिरां हरण, नव खंडे नीत नाथ
जपुं निजंतर जोगडा, हंस जोड्य दुय हाथ 13
चहु दश हे चतुरं भुजा, तप्त आभ धर तेज
जग्त सप्त रुढ जोगडा, दिप्त पितु धी य देज 14
पुर्ण मात पुरुषंम पुरण, धुरण कंध धर धर्म
जलैं पाप रट जोगडा , कटत जपै सब कर्म 15
(भगवान सुर्य नारायण ने मारां नित्य वंदन छे) [5:49 AM, 5/11/2018]

वंदन कच्छ नंदन विधु, तिमिर निकंदन तेज
चंदन घट चडियो चहत, सुरज सुगंदन सेज

हे कच्छ नाम काचबो अने काचबा नुं बिजुं नाम कास्यप पण थाय एम हे विध्यावान कास्यप ना नंदन आप ने वंदन छे..आप नुं तेज तिमिर नाम अंघकार नुं निकंदन काढी नाखे एवुं गुणीयल छे..तथा हे नारायण हुं चडीयो मारा चित्त मां आप नी सहेज सुगंध चाहुं छुं पण ते जाळे तेवी नई पण चंदन समान सितळता बक्षे तेवी आपनी तेज मय भक्ति सुगंध घटमां भरो..मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[6:19 AM, 5/12/2018]

धर अंबर आभां धणी, रुडां उजाळ्यां रांण
वाये न तुं वण वांण, जगमां को दण जोगडा

हे आभ ना धणीं भगवान सुरज नारायण आपे धरती अने अंबर ने अजवाळ्यां छे..अने हे नाथ आप ना सिवाय जगत मां कोय नुं वाणुं वाई सके एम नथी एटले के सवार थई सके तेम नथी तेम हे रात हटावी प्ररोढ करनार नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[4:24 AM, 5/13/2018]

चारित उजवळ चारणां, सत व्रत रखवो सुर
जस वाधो जग जोगडा, ध्रम उहले नई धुर

हे भगवान सुरज नारायण चारणो नुं चारित्र सदैव उजवळ रहे,ते सत व्रत कोयदी चुके नहीं..जगत मां तेनो यस रहे तथा धर्म नी धुंहरी ने ए कोय दी ओहलावे नई (ओहलाववुं= गळे जोतर बांधेल होय तोय धुहराने सिंगडे चडावी उंध करवुं,अथवा धुंहरा ने स्थान भ्रस्ट करवुं) हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:01 AM, 5/14/2018]

मंगळ मोगल मंगळा, उगत आरतीयां
खग पत खारतीयां, जोग हुंकारे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जेम आप उदय पामो छो तेम आजे मंगळ वार ना दिवसे भगवती मोगल नी मंगळा आरती नी ज्योत पण जांणे जेवा अजवाळा आप जगपर पाथरो छो तेवां अजवाळा ते उर मां पाथरवा उगे छे..अने हे खगपत नारायण ए एवी चारण जगदंबा नी परंपरा छे..जे योग बळ ना हुंकार भरी आप ने पण उगता रोकवा नुं सामर्थ्य धरावे छे एवी जगदंबा ने तथा तनुं कह्युं मानी नही उगनार एवा ...आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[3:57 AM, 5/15/2018]

आभ थीरासण आपनुं, टेको नई नई तार
जोग तपे सूर जोगडा, आल्यम नो आधार

हे भगवान सुरज नारायण आपे कोई पण टेका के तार ना बंधन वगर आभ मां स्थिर आसन जमाव्युं छे...गुरुत्वाकर्षण नी पार आप छो छतां आप नी कई शक्ती आ बाकी ना पृथ्वी आदी ग्रहो ना सौर मंडळ ने आपनी फरता फेरवी रही छे? विज्ञाने अनुमानो ने धारणाओ दिधी छे..पण सत्य तो केवळ आप जाणो छो, आप ना योग बळे आ आखी जिव सृस्टी ने जिवंत राखनार ज्योत स्वरुप जोगंधर मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[6:43 AM, 5/16/2018]

सूरज रांदल सायबा, विध शुं करुं वखांण
बाजी चारण बगसियो,रुप चांपा रे रांण

हे भगवती रांदल ना सायबा (भरथार/पति)भगवान सुरज नारायण आप ना केटलां वखांण करुं? आपे चारण ने अश्व बक्षीस करवा स्वर्गे गयेल चांपराज नुं स्वरुप धारण कर्यु अने धरती पर आवी हाथो हाथ अश्व दिधो छे..क्षात्र नुं वेंण अने चारण नुं वेन साचव्युं तेवा. .हे दातारी गुंण ना देव क्षात्र तमने मारां नित्य वंदन छे..

[3:23 AM, 5/17/2018]

कारण तुं सब कास्यपा, सिर्जण पोषण संत
जग्ग निमावण जोगडा,आदि मध्यम अंत

हे कस्यप नंदन भगवान सुरज नारायण आप संत स्वभावी सर्जण अने पोषण सर्व ना कारण रुप छो..संहार ना कारण रुप आप नथी एतो मनुस्य पोतेज नोतरी लिये छे...तथा हे नाथ आप जिव सृष्टि नी सरुवात मां पण कारण भुत छो (पृथ्वी सुर्य मांथी छुटी पडी छे एटले सुर्य पृथ्वी नी पेहला छे) आप हाल चाली रहेल मध्य नुं कारण पण छो..अने जो मनुस्य वृक्षो नही वधारे तो ग्लोबल वोर्मिंग थी पृथ्वी ना नास नुं कारण मनुस्य पोते थशे..अने ए पछी पण आप तो हशोज..ई निर्जन पृथ्वी पर फरी वृक्षो वगेरे थशे ने नवाज प्रकार नी जिव सृष्टि पण...आ सर्व कारणो ना कारण रुप नाथ आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[7:05 AM, 5/18/2018]

बाप पेला जो न बेटडो, पुजाय ई परमांण
जुदा नही पथ जोगडा, भोळो क्यो के भांण

हे भगवान सुरज नारायण शिव नी पोतानी पेहला पण तेमना पुत्र गणईश ने लोको वंदे छे..तथा हे नारायण आप ना नाम रवि प्रमांणे आपनो दीवस रवि वार पण आप ना पुत्र सनी नी पाछळ आवे छे.. आंम शिव अने सुर्य बंन्नेये पोताना पुत्रो ने पेहला पुजाव्या छे..तथा शिवो सुर्य..सुर्य शिवो नी पौराणिक उक्ति पण आप बंन्ने नी एकता ना दर्शन करावे छे..मारां आप ना शिव स्वरूप ने वंदन छे.

[7:31 AM, 5/19/2018]

विरता धर्म सत्त वचननुं, कास्यब सुरज कूळ
जिण कज उंजळां जोगडा, महा धरम रां मूळ

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उजळा कुळ मां थयेल विरता वचन अने सत्य धर्म ना रखेवाळ... हरिश्चंद्र ,मयुरध्वज, सीबी,भगीरथ,रघु,राम जेवा महा मानव..ने कारणे धर्म नां मुळ उजवळ अने मजबुत छे..हे नाथ आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:24 AM, 5/20/2018]

भास्कर नत तोळां भजन, भावे करियें भांण
तुं उगतां कोइ तांण, जग ने नो रे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अमो आप ने नित्य भावे भजीयें छीये..आप नो उदय थतां जगत ने कोई तांण रेहती नथी..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[7:08 AM, 5/21/2018]

चडिया शबदो चोळिया,एमां, धोबो भगती धार
काव्य झारुं कंसार,तमे,जमज्यो सुरज जोगडा

[7:32 AM, 5/22/2018]

शुक्लनौम सिंहस्वामी सुर, नमन स्विकारहुं नाथ
ज्योत स्वरुप कर जोगडा, चडिया व्रत चरि ताथ

हे भगवान सुरज नारायण आजे अधीक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नी नौम छे एटले के सिंह राशी अने सिंह राशी ना स्वामी एटले आप सुरज नारायण हुं आप ने नमन करुं छुं तथा नित्य जागी ने आप नो दोहो लख्या पछीज धरती पर पग मुकवाना मारा वर्षो थी चाल्या आवता वर्त ने हे नारायण आप चरितार्थ करज्यो हुं चडिया साखनो चारण आप ने नित्य वंदन करुं छुं.

[05/23/2018, 7:28 am]

कवियो वंदे कोडथी,हे, नमणां कस्यप नंद
जीभ रमाडो जोगडा,तारा, सातेय घोडा छंद

जोगीदान चडीया कृत

हे कस्यप नंदन भगवान सुरज नारायण ऋग्वेद कहे छे के सप्तयुज्जंति रथमेकचक्रमेको अश्वोवहति सप्तनामा यानी सूर्य चक्र वाळा रथ पर सवार छे जेने सात नामों वाळा घोड़ा जोडेल होय छे पुराणों मां उल्लेख छे के सूर्य ना सातेय घोडा ना नाम गायत्री, वृहति, उष्णिक, जगती, त्रिष्टुप, अनुष्टुप अने पंक्ति आ सात नाम सात छंद छे..माटे हे नारायण ऐ सातेय छंदो तेमना छंद मंडळ सह अमारी जीभे हमची खुंदे तेवा आशिस हेतुं मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:26 AM, 5/24/2018]

वेंण उथापे नई वळी,एम, राखेय लाजुं रांण
जाळवतो बउं जोगडा, भांणेजडां ने भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप चारण नुं वेंण उथापता नथी..कोय दी कहे के उगतो नई बाप त्यां उगवानुं मांडीवाळो छो..क्यांक जीदे चडे तो जाते क्षात्र रुपे हेठा आवी ने घोडा दई जाव छो..हे जाग्रत देव एवा नारायण आप आपना भांणेजडा एवा अम चारणो ने केटकेटलुं जाळवता आव्या छो..अने छतां जो ए गुंणो ने याद करी अमे चारण जो जागीने आपने वंदना न करीये तोतो धुड्य पडी अमारा मनखा मां..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[6:33 AM, 5/25/2018]

क्रोड जोजन्ना कापता,तेज धरी हथ तेग
जग्ग न जांणे जोगडा,व्योम धणी तुज वेग

हे भगवान सुरज नारायण विज्ञान कहे छे आप स्थिर छो..पण एनुं संसोधन हजी चालुं छे..स्थिर छो ईतो हजी सुधी जेटलुं सोधायुं तेना आधारे नुं अनुमान छे..कारण के पृथ्वी नक्षत्र अने आखा सौर मंडळ थी बहार जई ने संसोधन थशे त्यारे खबर पडशे के आतो आखुं हारोहार फरी रह्युं छे माटे स्थीर लागतुं..बाकी तो सुर्य नी गती पंदर घडी प्रती सवासो क्रोड साडा बार लाख योजन ना वेग थी फरी रहेल छे..जे ऋषीयो कही गया छे..हे नाथ हाथमां तेज रुप तेग लई आप करोडो योजन ना अंधकार ने कापो छो..जगत आप ना वेग ने जांणी नथी सक्युं तेवा अनेक रहस्यो ना स्वामी आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:32 AM, 5/26/2018]

पाछी स्वरग पुगाडवा, गहन पवितर गंग
जगन जवाळुं जोगडा,प्रगट्यो आभ पतंग

हे भगवान सुरज नारायण पतित पावनी मां गंगा स्वर्ग मुकी ने धरती पर आवी छे..हवे तेनो अहांगळो स्वर्ग वाळां ने पण थाय छे..अने मां गंगा ने पण पोतानी प्रागट्य भोम याद आवे छे जे माटे आप थोडो समय गंगाने स्वर्ग मां तेडी जई ने पाछां मोकलवा नो उपाय करी रह्या छो..जेमां आप पोताना अंग ने योग बळे तपावो छो..अने ज्वाळा जेवा बनो छो..ते ताप ने कारणें गंगा नुं पाणी बास्पीभवन रुपे गगन मां गमन करी स्वर्ग मां पोतानी जनमभोम ने वंदना करी सके छे..अने चोमासे आप पोतानी अगन समेटी लेतां ई वरसाद रुपे परत पधारे छे..आंम कोय ने गंध पण न आवे तेम दर वर्षे आप गंगाजी ने तेमनुं पियर बताववानुं पावन कार्य करवा धगधगता थाव छो..जे विचारे आपनी अगन ज्वाळुं मने यज्ञ नी ज्वाळा जेवी पवित्र अग्नि सम देखाई छे.माटे हे नारायण .मारां जोगीदान चडीया नांआप ने नित्य वंदन छे.

[6:38 AM, 5/27/2018]

आर्य धरी जळ अंजळी, पुजत देव पतंग
जवन अराधे जोगडा, ओज मयंका अंग

हे भगवान सुरज नारायण जे आर्य छे ते आप ने सिधी जळ नी अंजळी धरी ने पुजे छे..ज्यारे जवन छे ई आप ना तेज थी जेनुं अस्तित्व देखाय छे तेवा आप ना ओज रुप चंद्र ने पुजे छे..आंम आखर तो ई आप नाज तेज नी पुजा छे..लोको नोखा नोखा रुपथी पण आराधना तो आपनीज करे छे..मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:37 AM, 5/28/2018]

जाळत धरणीं जोगडा,कदी, वादळ ढंके वीर
सुरज आंम सिखवतो, तेज समय तकदीर

हे भगवान सुरज नारायण आप ना अंग नी आग्युं क्यारेक धरती ना पड बाळी ने तेनी अंदर नुं पांणी वराळ बनावी सकवानी क्षमता बतावे छे...तो एनाए आप आजे आंम वादळ मां ढंकाई ने धरणी सुधी आपना किरणो पण नथी पोगता एवा दयामणा देखावा नो डोळ करो छो..कदाच आप तेजस्विता समय अने तकदिर नुं महत्व समजाववा आंम करता हो..तेवुं लागे छे..के आप एम कही रह्या छो के धरणी ना पड जाळी सकनार ने पण समय क्यारे क वादळ नी सामे वामणां लागवुं पडे..माटे अहम मुक्त रेहवुं एवि सीख आपनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:34 AM, 5/29/2018]

अरके आभ उपाडीयां, आडां आव्यां एह
जळ वादळीयो जोगडा,देख धरीने देह

हे अरक नाम सुरज नारायण आंम जोवो आपे जे धरती पर ढोळाई ने किचड थवा पड्यां हतां ए जळ ने बास्पिभवन द्वारा आपे उपाडी ने आभ नी उंचाई बक्षी तो.. जुवो आजे ईज वादळ नो देह धरी ने आपने आडां आवी ने आपनुं तेज रोकवानी कोशीस करे छे..

[7:52 AM, 5/29/2018]

बाई हवे नित बेहजे,आसन कलमे अंब
चडीयो वंदे चंडिका,ज्योत नभां जगदंब

हे श्रीमद दैवि भाग्वत मां वर्णवायेल आदि मध्य अंत नी कारीणी महाशक्ति..भगवती आध्य अंबिका जेम माता लक्ष्मीजी कमल आसनी छे..तेम तुं अमारी कलम पर बिराजी ने कलम आसनी बनो..अने दैवि आराधना करावो..निज स्वारथ कारण कोई नस्वर देहधारी मनुस्यो ना गुंणगान अमे न करीयें..अने हे मां चंडीका हुं चडीयो नित्य आप ने आभ मां सुरज नामे ज्योति स्वरुपे आपनां दर्शन करी ने वंदना करुं..आदि शक्ति ना ज्योत स्वरुप भगवान नारायण ने मारां नित्य वंदन छे..

[6:26 AM, 5/30/2018]

दिनकर तो सुं दिनचरां,आ, पेखत धरणीं प्रांण
जांण निशाचर जोगडा,जे, भाळेन सुरज भांण

हे भगवान दिनकर जे दिनचर छे ई तो बधा आप ना तेज थकीज जगत ने जोई सके छे..तेथी आप ने वंदना करे छे..
पण जे आप ने वंदना नथी करी सकता ई तो निशाचरज मानवा कारण के निशाचरो आप ने जोई नथी सकता एटले ई असुरो नो धोखो न करीने तेमने माटे पण पोषण तैयार करनार पृथ्वी ना प्रांण रुप नारायण ने मारा नित्य वंदन छे..

[7:41 AM, 5/31/2018]

आभांय पादर आवियुं, सुरज आभा सेन
जोतांय भागी जोगडा,रडती पडती रेन

हे भगवान सुरज नारायण आभ ना पादर मां हजी आप पोते नई पण हजी तो आप ना उदय थवाने साव थोडी वार हती अने आप ना तेज नी आभा रुप सेनाज गगन क्षीतीजे गोठवाती हती एने जोतांज रात्री (दुख नुं प्रतिक छे रात्री,आपडे दुखी मांणह माटे घणीवार केहता होईये छीये के एने तो माथे रात पडी छे..ई रात्री..) सुरज सेना भाळी ने भागवा मांडे छे..तो हे नाथ आप नो उदय थाय पछी नी तो शुं वातज करवी..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[6:40 AM, 6/1/2018]

प्रांण कहुं सुर प्रांण नो, अने, तेज कहुं तोय तूं
तुने, जापुं किण विध जोगडा, हरीवर चारण हूं

हे भगवान सुरज नारायण समग्र प्रांणीयो ना प्रांण ना प्रांण कहुं तोय तमेज छो अने तेज स्वरुपा चहुदश विस्तरेल तेज पुंज कहीये तोय आपज छो..हे नारायण आप भेंतर ने बहारर बधे प्रत्यक्ष कां परोक्ष रीते व्याप्त छो..आप ने शुं कही ने कई विधी थी जपुं..हे सर्वे व्याप्त नारायण आप ने शिस नमावी वंदन करुं छुं आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[6:19 AM, 6/2/2018]

ओपत अंबर आसणे,भूप टिलायत भांण
जग्ग उजाळण जोगडा, रुप महा नृप रांण

हे भगवान सुरज नारायण आभ ना आसन पर कस्यप ना टिलायत कुंवर आप शोभी रह्या छो अने हे जगत ने अंजवाळनार राजाओ मे श्रेष्ठ महाराज आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:38 AM, 6/3/2018]

चडीया नभ नी चॉरीये,धीरांय डग्ग धरंत
जांण रना सह जोगडा, फेराय सुर फरंत

हे भगवान सुरज नारायण आप जांणे रन्नांदे साथे फेरा फरी रह्या होय तेम आभ मां धीरां धीरां डगलां दई ने जांणे के आभनी चोरी ने फरी रह्या छो..अने जे ताप छे ई आप ना यज्ञ वेदीनी जराळुं छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

हे भगवान सुरज नारायण अमे आ शब्दो नी मीठी लाबसी बनावी तेमां धोबो भरी भगती नी खांड अने माथे ईज भगती ना घी नी धार करी चोळी ने आपने काव्य कोळीया रुप भुत्ता जवारीये छीये.. हे नाथ एने प्रिति पुर्वक जमज्यो मारां आप ने नित्य वंदन छे...

[5:14 AM, 6/4/2018]

आपां बळ बणियों अरक, बाधी जगरो बाप
आखुं आभां मंडळ आप, जोरे हाले जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप कोई अन्य नो सहारो लई ने नित्य उदय नथी थता पण अस्त थया छतां हिम्मत न हारी ने बिजा दिवसे पोतानी एक नवीज ताजगी साथे उदय पामी आखा जगत नी सत्ता संभाळो छो..एटले के आप आप बळेज आखा विश्व ना हाकेम बनी बाप नी फरजो नीभावो छो तेमज आखुं आभा मंडळ स्व जोरे चलावो छो..आप ना सामर्थ्य ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:23 AM, 6/5/2018]

पोढवती परमेहरी,नीत, रात रेटा मां रांण
ज्योत समो नभ जोगडा,भोर प्रखंतो भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ने मां भगवती पोताना रात्री रुपी काळा रेटा मां सुवडावी दिये छे अने सवारे ज्यारे आप जागो छो त्यारे ई आई मा ना दिवडा नी ज्योत समोवड आकाश ना कोडीये जळहळी उठो छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:25 AM, 6/6/2018]

थावुंय सौने ठावकुं, अरक समोवड आभ
लेवो ई जह लाभ, जरा न स्हेलो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ..सौ ने आप नी एक ओजसवंती प्रतिष्ठा जोई ने सौ ने सुरज जेवुं थई आखा आभ ने अजवाळवानो जह लेवो छे..पण हे नाथ एम सुरज थवुं साव सेहलुं नथी..एना माटे तो पर ने अंजवाळवा पोतानां अंगडा आग्युं करवां पडे छे..त्यारे ई पद प्राप्त थाय छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:54 AM, 6/7/2018]

वगर पुकार्ये व्योममां,नत, प्रगटी जग ना प्रांण
जवाब दारी जोगडा,तमे, भली निभावो भांण

हे भगवान सुरज नारायण लगभग देवता अने देवियुं ने मदद माटे आरत नादे पोकार पाडीये त्यारे मांड आवे तो आवे..पण हे नाथ आप वगर पोकार्ये पोतानी जवाबदारी ने निभाववा जगत ना प्रांण होवाना बिरद ने संभारी आपोआप प्रगट थाव छो..कोई साद करे पछी प्रगट थावुं एवी कोई मनमोटप राखता नथी आपनी ए महानता ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:35 AM, 6/8/2018]

धर प्रमांणे तुं धगे, चडिया नभ चक चूर
जुवो नारायण जोगडा, नत नत नोखे नूर

हे भगवान सुरज नारायण आप न्यायीक छो. धरती प्रमांणे धगो छो.अहीं वृक्षो नो अमे विनास कर्यो छे एटले अमारा पर भयंकर गरमी थी धगधगता आप पृथ्वीथी तो एटलाज दुर छो छतां जे लोको ये प्रकृती जाळवी छे तेवा विदेस नी धरती पर अहींथी सीधा त्यां उदय थता आप सीतळज देखाव छो..हे नाथ आप ने सीतळ करवा वृक्षो वाववानुं आ अजड प्रजा नई समजे मात्र ताप ना गांणा गाये राखशे..आप नित्य नोखा नूर थी स्थळ प्रमांणे प्रगटो छो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:25 AM, 6/9/2018]

आभ आयुंनो आळीयो, ज्योत दिनंकर जांण
जे नित वंदुं जोगडा, एने, भोर समे कही भांण

हे भगवान सुरज नारायण आ आखुं आभ छे ई जांणे आई नो आळीयो छे, एमां आप भगवती ना दिवडा नी ज्योत बनीने जळहळी रह्या छो..जेने हुं नित्य वंदन करुं छुं मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:02 AM, 6/10/2018]

नेडो नारायण तणों, बेडो तारे बाप
जेडो शंकर जोगडा, ऐडो सूरज आप

हे भगवान सुरज नारायण आप ना नाम नो जे नेह छे ई भव सागर मा अमारो बेडो (त्रापा जेवी नाव)तारवा माटे पुरतो छे, कारण जेवा भगवान शिव छे एवाज आप छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:15 AM, 6/11/2018]

नर नहडा नारायणी, पाडाय कर कर पी
आभेय सूरज ई, जंखे कायम जोगडा

हे भगवती जे नहडा मांणह छे जेने बोलवानुं भान नथी के आईयुं नी आमन्या नथी जाळवी सकता ऐवा ने तुं पाडा करी ने पी जा आई, अने ई ए जोवानी जंखना माटेज आ सुरज नारायण पण रोज आभे आवी ने आंख्यु खुल्ली करी ने जोया करे छे के हमणां चारण चंडीका जागशे अने पापीया ने पी जसे..हे भगवती सुरज नी ई जंखना ने खोटी न ठेरवजे..आजे आप ना मंगळ वारे आप ने तथा आप ना चंडी स्वरुप ना दर्शन अभिलाषी सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:33 AM, 6/12/2018]

सूत भुवण पद स्हायबी, आपे सूरज आम
जो नित लईयें जोगडा, नारायण नुं नाम

हे भगवान सुरज नारायण जो कोई आप ना नारायण नाम नो जाप नित्य करे छे तो आप तेने सुत एटले पुत्र, भुवण एटले भुवन याने रेहवानुं घर, पद अने स्हायबी अर्थात सुख समृद्धि आपो छो, आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:15 AM, 6/13/2018]

समदर वारी सोखवा,ते, तन सूर धरीया ताप
जेदी
जापे खेडुत जाप,तो,जळ देवा कज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपे समुद्र नु वारी केतां पांणी सोसवा माटे तन पर ताप जगाव्यो छे, जेथी करी ने ज्यारे पण खेडुतो आभ सामे मिट मांडी ने जळ नी आश जगावी जाप जपे त्यारे आप नीर वरहावी सको..जगत ना तात केहवाता खेडुत नी चिंता करनार हे प्रजा पालक नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:06 AM, 6/14/2018]

अरक बिराज्या आभमां,धुंणो धखावी धर्म
जगत पिता सुर जोगडा, कास्यप जाळो कर्म

हे भगवान सुरज नारायण आप आभ मां धुणो धखावी ने बिराजमान थयेल एक महा तपस्वी छो..हे नाथ अमारा सारां नरहां बधाय कर्मो ने ई धुंणा मा जाळी अमने कर्म बंधनो थी मुक्त करो.. हे सुरज नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:12 AM, 6/15/2018]

खग आ बदल्यां खोळियां, आदु नी ओळ खांण
जुग थी वंदे जोगडा, तुने, भला उग्या कई भांण

हे भगवान सुरज नारायण अमारां आ खोळीयां खाली बदलाता रहे छे बाकी अमारो आत्मा तो जुग जुग थी बस आप ने वंदनायुं करतो आव्यो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:23 AM, 6/16/2018]

पेरंभ नाथे पाथर्युं,आ, नवखंड आभे नूर
एनुं
जडे न रुपक जोगडा, सूर समो बस सूर

हे भगवान सुरज नारायण आप नुं जे नवखंड धरती अने आभ पर जे नूर पाथर्यां छे एने वर्णववा बिजुं कोई रुपक जडे एम नथी आप पोतेज आप समा छो आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[8:25 AM, 6/17/2018]

टहुका जांणे टोकरा, आ, रणक्या आभे रांण
जोगी निकळ्यो जोगडा, भभुत लगावी भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ज्यारे आभमां उदय थाव छो त्यारे पंखी ना टहुकार जांणे के भेरवझोळी लई निकळता टोकरीयाळा साधु ना टोकरा नी जेम रणके छे..वादळ ना नाना भुखरा कण जांणे के आप भभुत लगावी हेय ई वेराई होय एम लागे अने आप नु तेज जांणे ई जोगी अलख जगावी आभमां आव्या होय तेवुं लाग्युं आपना योगी रुप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:12 AM, 6/18/2018]

रट्टण यों घट रांणको, मिट्टण दरद मिहीर
जूट्टयो जद सूर जोगडा, त्रूट्टयो घोर तिमीर

हे भगवान सुरज नारायण आपना घट मां सतत एज रटण रह्या करे छे के कई रीते आ अंधकार नुं दरद मिटाववुं..अने पछी आप जुत्या के हवे जात मेहनत जिंदाबाद अने पछी स्वयं पृथ्वी नी चो तरफ फरी ने घोर अंधकार ने तोडवा प्रयत्नसील बन्या..जगत कल्याण ना आ भगीरथ कार्य करनार आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[5:29 AM, 6/19/2018]

वंशज कैईक वळावता,अमर रही ने आप
जिवन दरद नो जोगडा, तन पर सळग्यो ताप

हे भगवान सुरज नारायण आप के नाम से आप का पुरा सुर्यवंश चल रहा है..जिसमे राम आदी लाखो संताने जन्मी और मरी ..आप सिर्फ देखते रहे कुच कर नहीं पाये आप के अमर होने का यह दर्द आप के सरिर पर ज्वालाकी तरह भडक रहा है..फिरभी आप जगत के कल्याण हेतु नित्य अपने कर्म मे लीन रहकर उदय और अस्त होके हमे जिवतदान देते हो आप को मेरा नित्य वंदन है.

[7:25 AM, 6/20/2018]

योगी सूरज आभमां, आसन धर्युं अखंड
जगवी सरपन जोगडा, प्रगट्युं तेज प्रचंड

हे महा योगी भगवान सुरज नारायण आपने आकाश मे आसन लगाया और योगसाधना करके सर्पिनी कुंडली को जागृत किया जिसका प्रचंड तेज प्रकट हुवा जो आज समग्र सृस्टी को उजियारे से भर रहा है..आज योगदिन को आपके योगदान को मेरा योगीदान का नित्य वंदन है..

[5:41 AM, 6/21/2018]

वर्णाश्रम चारौं वळी,अरु, धाम वेद दिश धर्म
जप्त प्रोढ सूर जोगडा, क्रत आतम चतु कर्म

हे भगवान सुर्य नारायण चारेय वर्णाश्रम एटले के ब्राह्मण क्षत्रिय वैस्य शुद्र, चारेय धाम, चारेय वेद,चारेय दिशा अने चारेय धर्म वगेरे आपने प्रोढ समये जपे छे.अने आप आत्मा ना चारेय कर्म धर्म अर्थ काम मोक्ष ना कारक छो तेवा आपने मारा नित्य वंदन छे.

[7:11 AM, 6/22/2018]

अरक उडे नित आभमां,जो, पंख विना परचाळ
जोई न वंदे जोगडा,एना, कस्यप फुट्यां कपाळ

हे भगवान सुरज नारायण आ जगत ना लोको कंईक अजायब जुवे एने वंदवा मांडे छे..मनुस्य पोते विना सहारे नथी उडी सकतो .पण हे नाथ आ आखुं सुरज मंडळ ने आप नी फरते फरता बधा ग्रहो वगेरे वगर पांखे उडी रह्युं छे..आवडो मोटो परचो जोया पछी पण जे आप ने वंदन नथी करतो एनां तो कपाळ फुट्यांज गणवा..गुरुत्वाकर्षण ना सिमडा जेने स्पर्शी नथी सकता छतां आपना गुरुत्वाकर्षण ने लीधे बधुं चाले छे तेवा आपने मारां आपने नित्य वंदन छे..

[6:21 AM, 6/23/2018]

भांण तणों आ भाळीयो, पुरण तेज प्रभाव
जग थी न्यारो जोगडा, सूरज रांण स्वभाव

आभ गोरंभी आवियो, व्हालप नो वरसाद
ज्योत लुपावी जोगडा, मिहीर रखी मरजाद

हे भगवान सुरज नारायण आपनो पुर्ण तेजस्वी प्रभाव अने स्वभाव जग थी न्यारो छे..हे नाथ ज्योरे आजे आ आभ घटाटोप वादळ थी घेराई ने ने वरसाद लई आव्युं छे त्यारे आपे स्वयं नी ज्योत ने लुप्त राखी मर्यादा नुं पालन कर्युं छे. आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[6:48 AM, 6/24/2018]

गरमी सीतळ गरजती, रुतुंआं फेरण रांण
जग्ग निमावण जोगडा,भोर नमुं नित भांण

हे भगवान सुरज नारायण आपमां थी पृथ्वी छुटी पडी ए वखते तो ई पण धग धगतो टुकडोज हशे..पण आपे तेने गरमी..सीतळता अने गगन ग्रजावती वर्षारुतु आपी ने जीव सृस्टी नुं आखुं जगत निर्माण कर्युं छे,जेना अणुं जेवडा अंश मात्र अमे आप ने नित्य वंदन करीये छीये..

[7:45 AM, 6/25/2018]

आडड़िया कै आवतां,तारे, मारग मां महरांण
जात धरम नी जोगडा,तुं, भुले न वाट्युं भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप नी राह ने रोकवा के भुलववा माटे कैक ग्रहोय वच्चे आवता होय छे..के पछी वादळा पण आपने धरती न देखाय एम आडा फरता होय छे पण हे नाथ आप क्यारेय आप नो जगत उजाळवानो जाती धर्म नथी भुल्या आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:20 AM, 6/26/2018]

धर्म तेज थापी धरण,अधरम रयण उथाप
जाळ पाप सूर जोगडा,अब कर दया अमाप

हे भगवान सुरज नारायण धर्म नुं तेज प्रसरावी ने अधर्म नी रात्री ने उथापी नाखो अने अमारा जांण्ये अजांणे जे थीयां होय ई बधा पाप ने बाळी नाखो आवी अमाप दया दाखवी धर्म ने जगत पर स्थापित राखवा अमारां आप ने नित्य वंदन छे..

[7:38 AM, 6/27/2018]

सूरज रांण सुनेहना, तुंज बंधावे तार
एनो लई आधार, जगत चलावे जोगडा

हे भगवान सूरज नारायण जीव मातर ने स्नेह ईत्यादी ना बंधन मां आप नाखो छो.. पछी एने आधारे जनम मरण ना चक्करो चाल्या करे छे..अने ई जीव आप ने भुली ने चक्कर मां भम्या करे छे..जे जीन आप ने नित्य मात्र याद राखे छे ई आ जनम मरण ना वमळ थी निकळी जाय छे, एवा महा प्रतापी सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:14 AM, 6/28/2018]

अंब धरा पर आवियुं, कज्जळ रात करोड
पाड्युं तेंज परोड, जागीन सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ आभ अने धरती माथे करोडो रात्युं पडी छे..पण तेमांथी दरेक वखते परोडीया ना दर्शन करावी जो दिवस उगाड्या होय तो ई आपे उगाड्या छे..

उंडा घोर अंधार थी, तेजेय लेतो तूं
हरिवर सीदने हूं, जागीन भूलूं जोगडा

अमने घोर अंधारे थी आप तेज तरफ लईजाव छो..आप ने अमे जागी ने वंदन करवा भुलीये तो अमे नगुणा केवाये..
हे नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[5:21 AM, 6/29/2018]

सूरज रांणो छाबडे,एम, ढांक्यो नइ ढंकाय
प्रथमी पर पंकाय,एना, ज्योत उजळे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण कोइ लाख कोशीस करे पण आपनी किर्ती ने संताडी सके एम नथी, आप नी तेजस्वीता आखा सचराचर जगत पर प्रसरेल छे.आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:46 AM, 6/30/2018]

पांव तमांणा पुजतो, मंदराचल्ल मिहिर
जग्ग नियारे जोगडा, व्योमेय वाटुं विर

हे भगवान सुरज नारायण मंदराचळ पर्वत पण पोताना सर्वोच्च सिखरपर आपना पद चिन्होने संग्रही ने आप नी पुजा करे छे..जैनो तेने वासुपूज्य ना पद चिन्ह कहे छे..हिंन्दु तेने विष्णु ना पण कोई विवाद नथी सर्जातो कारण सौ जांणे छे..तेम आप ना पद चिन्हो पण बे धर्मो वच्चे सुमेळ करावता प्रेम नुं प्रतिक छे तेवा भगवान नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[8:00 AM, 7/1/2018]

दीधां तैं दुनियाव ने, आ, अजवाळां अनहद्द
तोय
जुके न हिंणमत जोगडा, हिरणग्रभा थइ हद्द

हे भगवान सुरज नारायण आपे दुनिया ने अनहद अजवाळा आप्यां छे..पण हे हिरण्यगर्भ हद तो ई थाय छे के तेम छतां पण जे हिंणी मती वाळा छे ते आप ने हजी वंदन नथी करी सकता..
अने तोय तमे कोई ना वंदन नी अभिलाषा वगर बधाने सरखुं अजवाळुं आप्ये जाव छो..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[8:15 AM, 7/2/2018]

रांण अंधारी रातमां, तुं, खल्लक नो खडीयो
चारण हूं चडीयो, तारी, ज्योत जुहारुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नी हाजरी होय छे एटले अंधारु रेहतुं नथी बाकी तो आखुं ब्रह्मांड अंधकार मयज छे.जेम ज्यां प्रकास न जाय तेवो घर नो ओरडो जुवो तो अंधारुं त्यां होयज छे..कारण अंधकार स्थायी छे.आप जगत ना दिवा समान छो,आप नी ज्योत ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:21 AM, 7/3/2018]

भांण उपासक भुलीयें,ई काठियांणि ने केम
जमे न तुं विंण जोगडा,जेने, नित द्रस्या नां नेम

हे भगवान सुरज नारायण आज वादळो नी वच्चे छी आप ना मात्र अजवाळा ना दर्शन थई रह्या छे..त्यारे अमे ए वावडी ना बहारवटीया रामवाळा नी जनमदाता काठीयांणी ने केम भुली सकीये? के जेने नीम हतुं के ज्यां सुधी आप ना दर्शन न करे त्यां सुधी जमवुं नई..अने मेघ नी एली मंडाणेल आप सत्याविस दिवस देखाया नई ने ई आईये सत्याविस दी अनाज न लीधुं अठ्याविस मा दिवसे आप ना दर्शन थयां पछी ई जम्या..एवा भक्तो ना उपास्य नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:23 AM, 7/4/2018]

हैये श्रद्धा होय तो, देव बधे दरसाय
सुरज तुं सरखाय,जुवे न पापी जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जो हैया मां श्रद्धा होय तो पत्थर मां पण देव देखाय छे..अने जे पापात्मा छे ए तो सुरज जेवो देव सामे होय तोय वंदन पण नथी करी सकता..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:38 AM, 7/5/2018]

गोते आखा गगनमां, तेज लई जग तात
जोवा मळे नई जोगडा, रांण सुरज ने रात

हे भगवान सुरज नारायण आखा जगतनी अंधारा नी वातुं सांभळी आप तेज भर्या अंगे गगन आखे गोतवा निकळ्या के रात केवि होय? पण जे पोताना तपना तेजे तपी रह्या छे एनी सामे अंधकार आवी नथी सकतो,एथी आप ने क्यारेय रात जोवा नथी मळती तेवा तपतेजी नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[6:40 AM, 7/6/2018]

हाथ वगो हर हंसतुं, भगतां सायक भांण
जग लाजडीयुं जोगडा,राखण हारो रांण

हे भगवान सुरज नारायण आपने शिवोसुर्य कही शास्त्रो शिव गणें छे..तथा वेद आपने जगत नो आत्मा (हंस)पण कहे छे..आंम हे हर हंस आप सामे देखाय तेवा भग्तो ना सहायक हाथवगा हरी छो,जगत मां लाजाळु नी लाज राखनार हे नारायण आप ने जोई ने न वंदी सके एमां ने अंध मां कोई तफावत नथी..मारां आपने नित्य वंदन छे.

[5:48 AM, 7/7/2018]

अखिल ब्रह्मंडा आइ नी, भगती करवा भांण
ज्योत स्वरुपे जोगडा, नित, रमतो भामण रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप ब्रह्मा ना पुत्र मरिचि ना पुत्र कस्यप ना पुत्र छो अर्थात ब्रह्मानी त्रीजी पेढी होई सुद्ध ब्राह्मण छोरु छो..तथा अस्तित्व रुपी अखील ब्रह्मांडी शक्ति ना भग्त तरीके तेना दिवडा नी ज्योत बनी ने रेहनार हे महा ब्राह्मण सुरज नारायण आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[08/07/2018, 9:05 am]

उगता पोरे आपने,सौ, रंग दिये जग रांण
जाते टांणे जोगडा,कोय, भाव पुछे नइ भांण

हे भगवान सुरज नारायण आखुं जगत केटलुं स्वारथी छे के आप नो उदय थाय त्यारे वंदना करी लाखो रंग दिये छे..पण आथमती वेळा कोय पुछतुंय नथी..तोय आप बिजे दिवसे उदय पामी जगत ने एवुंज अंजवाळु पाथरो छो..आप समजण वाळा ने रोज आ रीते जगत नी स्वारथ वृत्ती सिखवी मोह थी दुर करी रह्या छो..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:25 AM, 7/9/2018]

घोर अंधारां घेरतां,जांणे, प्रथमी जायां पाप
एमां जग्ग उगारण जोगडा, एक रनांपत आप

हे भगवान सुरज नारायण आ प्रथमी ना जाया मांणह ना पाप नी जेम रोज घोर अंधकार घरती ने घेरी वळे छे,त्यारे हे रनांदे ना नाथ आप तेमांथी धरती ने उगारो छो,अने आप नुं नाम लेवा वाळा ने पाप मांथी उगारो छो,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:57 AM, 7/10/2018]

लाव्या सुरज ल्हेरथी, वरखा रुत वहेली
जेठ मंडाणी जोगडा, अहाड जिम अहेली

हे भगवान सुरज नारायण आप धरती पर अमरत वरखा ना छांटणा छांटी धरणी ने तृप्त करवा वेहली वर्षाऋतु ने लई आव्या छो आ जेठ महिना मां अहाड नी जेम एली मंडाणी छे, आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:47 AM, 7/11/2018]

व्हाली मात वसुंधरा,तुने, लळ लळ वंदण लाख
खोय तमांणी खाख,नित, ज्वारे सुरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण मांथी छुटी पडेल व्हालपभरी माता वसुंधरा (धरती) आ खोय (शरिर) तमारी धुळ थी बन्युं छे ने पाछुं ईज धुळ मां मळवानुं छे..एटले के शरिर आप मांथी बन्युं छे ने आप सुर्य मांथी एम आ शरिर आप ना माध्यमे सुरज नारायण नुं सिधुं ऋणी होई मारां आप ने अने नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:23 AM, 7/12/2018]

व्रांणा जे विशवंभरी, रोकेल आवड रांण
ई
भिमरांणे थइ भांण,जळक्यो मोगल जोगडा

हे कश्यप नंद भगवान सुरज नारायण, नवकुळ नाग पण कश्यप ना संतान एटले आप ना भाईयुं..ते नाग कुळ वंसज आवडे पोताना भाई ने करडेल नाग नुं झेर उतारवा आपने वरांणे रोकेल..ई तेज लई आप भिमरांणे नागकुळ मांज मोगल ना तेज स्वरुपे जन्मी आखा जगत मां जळहळी उठ्या आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:47 AM, 7/13/2018]

देखोय सुरज देवने,आ, आभासण आरुड्ढ
जग्ग अजायब जोगडा,गगन रहस्यो गूड्ढ

हे भगवान सुरज नारायण अमे जे आकास मां कांकरी उछाळीये तो ई कांकरी पण सिधी धरती पर आवि पडे छे..तो आ आखुं सुरज मंडळ लई ने असंख्य गेलेक्षीयो अने साथे आप आभ मां बिराजो छो..ब्लेकहोल जेवा अनंत रहस्यो वाळा गगन ना स्वामी आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:27 AM, 7/14/2018]

सुरज देव सवारीयुं, निकळे आभे नाथ
जागीन प्हेला जोगडा, गाता चारण गाथ

बेहे जगनो बाप आ, रथ यात्रा मां रोज
जाते पुछवा जोगडा,एना, छोरुं केरा सोज

भगवान सुर्य नारायण नी सवारी रोज नीकळे छे जेमना निकळवा मात्र थी अंधकार टळीजाय छे, चारणो तेनी वधायुं गरवे सादे गाय छे, अने आ रथयात्रा वरह मां ऐकवार नई पण रोज नीकळे छे जेमां नारायण पोतेज पोताना संतानो ना सोज समाचार पुछवा निकळे छे,तेवा नारायण ने मारा नित्य वंदन छे,

[6:10 AM, 7/14/2018]

आभ धणीं अजवाळवा,तें घट धरियां तेज
सूरज को दण सेज, जती न पोढ्यो जोगडा

हे आभ ना धणीं भगवान सुरज नारायण आपे अजवाळां पाथरवा माटेज योग बळे तेज धारण कर्यु छे..जे पृथ्वी ने बार कलाक एक तरफ तो बार कलाक बिजी तरउ एम चोविसे कलाक चारोदिसाये तेज पाथरो छो..क्यारेय थाकी ने सेज सजावी सुई नथी जता.. लक्ष्मण बार वर्ष निद्रा त्यागी जती रुपे पुजाया छे..त्यारे आपतो करोडो वर्ष थी निंद्रा ने जीती ने बेठेल महाजती छो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:39 AM, 7/15/2018]

धीरज सूरज धारतो, ढळतां वादळ ढंक
जांणे सिखवे जोगडा, टेम टांणुं ने टंक

हे भगवान सुरज नारायण आप ज्यारे सांजे ढळता होय त्यारे उदय समये अने वादळ थी घेराया होय त्यारे पोता नो तेजाबी तेजस्वी स्वभाव होवा छतां धीरज राखी सितळता देखाडो छो..कदाच आप सिखवी रहया छो के समये प्रसंगे अने जेनुं अन्नऋण होय तेनी सामे सौम्यता पुर्वक क्षमता होवा छतां सितळ रेहवुं..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[7:48 AM, 7/16/2018]

प्रकरती मां परखियो,अमे, नारायण तुज नेह
ज्वार करीशुं जोगडा, दिनकर ज्यां लग देह

हे भगवान सुरज नारायण ज्यां सुधी अमारो देह छे त्यां सुधी तमोने जुहारवा ना काव्यो करता रेहशुं कारण के अमे तो आ प्रकृति मांज आप ना नेह ने परख्यो छे..प्रकृती एटले मात्र डुंगरा ने जंगल नई..पण ओशो जेने अस्तित्व कहे छे अने ग्रंथो जेने समग्र ब्रह्मांड नो अणुंयेअणुं..अने चारणो जेने प्रकृती कही वंदना करे छे..ए सर्व ना एकाकी स्वरुप नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:33 AM, 7/17/2018]

सुरज रांण छोडावियो, दासिपणां नो दाग
जनम्या कुंखे जोगडा,ई, भांण अदीती भाग

हे भगवान सुरज नारायण अदिती अने कद्रु बंन्ने वच्चे जे अश्व ना रंग माटे सरत थयेल जेमां पोते जीतवा माटे काळा अश्व बताववा कद्रुये पोताना संतान समस्त नाग ने अश्वपर लपेटाई काळो देखाडवा कहेल अने आंम सरत हारी अदीती दासी थयेल ई जुठ नो परदाफास करी माताने दासीपणां मांथी मुक्त करावनार संतानो ने जन्मदेनार अदीती ना केवां भाग्य के आप समान पुत्र रत्न कुंखे पाक्युं हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:15 AM, 7/18/2018]

भजें न सुरज भांणने,तोय, लीये न जरीये लाज
जगमां पडो न जोगडा,ऐ, करम हिंणा सुं काज

[8:03 AM, 7/19/2018]

भुतळ जांणे भांण शुं, आ, अणकळ तारुं ऊर
जळहळ ने जळ जोगडा, समतळ राखण सूर

हे भगवान सुरज नारायण समुद्र ना पांणी सोंखी ने आखी धरती पर तेने वरसाद रुपे आप छांटीदियो छो..कोई भेद वगर आप जळहळतुं तेज अने जळ बंन्ने वानां आपने माननार के नही माननार सर्वे सचराचर जगत ने समान रीते राखी ने आपो छो..सर्वोच्च समद्रष्टा नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:31 AM, 7/20/2018]

कस्यप तन त्रांबा कलश, भरी शब्द जल भाव
जग आतम पद जोगडा, चडिया नित्य चडाव

हे कश्यप नंदन भगवान सुरज नारायण आ तन रुपी त्रांबा ना कळश मां भाव रुपी जळ भरी ने शब्द ना फुलडां साथे हुं चडीया साख नो चारण जगत ना आत्मा रुप आप ने चरणे नित्य अर्घ चडावुं छुं मारां आपने नित्य वंदन छे.

[4:09 AM, 7/21/2018]

दिनकर मनखा देह लै, डमता धुतवा दाम
जागी भजे न जोगडा,ई, टोळां ढोर तमाम

हे भगवान दिनकर (सुरज नारायण) जेने मनखा देह मळ्यो होय छतां ई जागी ने आप ने भजे नई अने मात्र दमडा धुतवा काजे रात दी डम्या करे ने भम्या करे ई ढोर नां टोळा नी जेम जीवन गुजारे छे..

[5:26 AM, 7/22/2018]

सतवादी नभ सायबो, भांगे भेद भरम्म
सुरज रांण सरम्म, जरा न राखे जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप संपूर्ण सत्यवादी छो..अज्ञान अंधकार मां लगावेल तमाम अटकळो ना भरम ने सहज पण सरम राख्या विना तोडी नाखी ने जे जेवुं छे तेवुं सवारे देखाडी दियो छो...आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[9:23 AM, 7/23/2018]

शिव मंगळ चारण सिमर,भद्र शक्ति अरु भांण
जपहु अहर निश जोगडा, कर मोगल किरपांण

हे भगवान शिव रुप सुरज नारायण मंगळवार ने दिवसे हुं चारण आप ने अने अमारी चडीया तथा समग्र भांसळीया गोत्र नी कुळदेवि भद्रशक्ति महामाया ने समरण करुं छुं तथा अहोनिश जेना हाथ मां किरपांण छे ऐवी मां मोगल ने पण जपुं छुं..हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:28 AM, 7/24/2018]

बार नमुं सूर बार को, बार करी बुध बार
जीव बारां कर जोगडा, बार पापो हर बार

हे भगवान सुरज नारायण मारा घर ने बार (बारणे) थी आप ना बार (12) स्वरुप ने वंदन करू छु,आजे बुध नो वार छे पण आप वार करो,अने जीव मांथी जे बार प्रकार ना पापो शिव पुराण मां कहे छे तेने हर वखत माराथी बहारज राखजो..तथा एवा कोई पाप नो विचार मात्र पण मारामां प्रवेस न करे तेवी प्रार्थना सह मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:17 AM, 7/25/2018]

धर्म धरण कारण करण, वरण अढारण वंद
चरण चित्त चडियो चहे,नमन अदीतिय नंद

हे भगवान सुरज नारायण धर्म ने धारण करनार तेमज सर्व कार्यो ना कारण रुप तथा अढारेय वर्ण ना वंदनीय एवा हे अदिति ना लाडकडा आपने आ चडीया साख ना चारण ना नित्य वंदन छे.

[6:55 AM, 7/26/2018]

आंतर ने अजवाळवा,आ, सूरज रुप सवाई
जळळळ तेजे जोगडा, आभ झळुंब्यां आई

हे मां तुं तारा आंतर समा अम सौ जगत ना जड़ चैतन्य ने अजवाळवा ने पोषण करवा माटे सुरज ना स्वरुपे छवायेली रहे छे..अने नित्य आभे थी अमपर तेज मय नजर्युं नाखी अमारी संभाळ लीधे राखे छे..हे मां कोई करम फुटेला के पर भव ना पापीज तारा दिव्य स्वरुप ने ओळखी नथी सकता ने तने वंदन नथी करी सकता..हे जगदंबा आपना सुर्य नारायण स्वरुप ने मारां नित्य वंदन छे मां अमांणी रुए रेहजे..

[6:45 AM, 7/27/2018]

धार विचारां धोधसी,घट, ग्रजे पवितर गंग
जीभ कहे सुर जोगडा, अमल चडे सब अंग

हे भगवान सुरज नारायण अमारा विचारो नी धार धोध समान थवा मांडे छे अने ए पण गंगा समान पवित्र विचारो होय छे..ज्यारे आप नुं नाम मात्र जिभ पर प्रवर्ते छे त्यांतो तेनो अमल जेवो नशो अंगेअंग मां व्यापी जाय छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[9:22 AM, 7/28/2018]

वेद पुरांण विचारतां,अने,तोय मळे नई ताग
जुग ना जोगी जोगडा,भांण द्रस्या सद भाग

हे भगवान सुरज नारायण सृस्टी क्यारे ने केविरीते सरुथई तेनां दरेक धर्म मां वर्णनो अने विज्ञान पण सोध खोळ करी चुक्युं..सौए पोत पोतानी मतिअरुप अनुमान आप्यां..साचो ताग कोय पामी नथी सक्युं पण वेदो ने पुरांणो मां पण आपने वर्णव्या छे तेवा हे जुगोजुग ना जोगी आप नां अमने आजेय दर्शन थाय छे ई अमारां सदभाग्य छे,मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9:12 AM, 7/29/2018]

दिन चंदर दिनकर द्रशन,प्रशन चह्यो परमेश
जशन श्वसन सब जोगडा, क्रशन चंद करवेश

हे भगवान सुरज नारायण आजे सोम(चंद्र)वार एटले के चंद्र ना दिवसे हुं सुर्य ने याद करी आपनी प्रशन्नता चाहुं छुं..के मारां श्वसन एटले के श्वासो श्वास एक जशन (जश्न)रुप आनंदित रहे एने जे आनंदित करनार कारण रुप छे ते आप नुं कृष्ण स्वरुप होय (गीतामां कृष्णये कह्युं छे के सुर्य छे ते हुं छु..अर्थात कृष्ण छे ते सुर्य छे ए पण एटलुंज सत्य थाय तर्कशास्त्र प्रमांणे ..माटे)..हे नारायण मारां आपने वंदन छे..

[30/07/2018, 9:11 am]

दख काया द्रख दिनकरां, तरीयो छायो ताव
जोड्य करुं कर जोगडा, भांण सदा सद भाव

हे सुरज नारायण आ काया ना द्रखडा (झाडवा) ने ताव तरीयो (तरीयो ई आंतरीया नी चड्य उतरनो ताव) एना छायडा मा लई गयो तोय हुं हाथ जोडी ने हे भाण सदाय आप ना सुभ भाव रची आपने वंदन करुं छुं मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9:25 AM, 7/31/2018]

अश्व रुपा सुर आपना, कमसीन दोउ कुमार
जनम भुमी रो जोगडा,आय करव उपचार

हे भगवान सुरज नारायण जे वखते आप अने आप ना पत्नी अश्व स्वरुपे पृथ्वि पर हतां ते समय ना आप ना अश्व स्वरुपा पुत्रो के जे अश्विनीकुमारो तरिके आयुर्वेद मां धन्वंतरि जेवा समक्ष छे..हे नाथ तेमनो जन्म आ धरती परज थयो छे..ने अत्यारे आ भोमकाने तेमना ओसडीया नी जरुर छे..हे नाथ फरी आयुर्वेद ने संजीवनी छांटवा पृत्रो ने पृथ्वी नी सैर करवा मोकलो जेथी जगत नुं कल्याण थाय. मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:39 AM, 8/1/2018]

ऐक कमंडळ अंजळी, छांटी ज्यां धर सूर
जळहळ थातां जोगडा, नवखंड प्रगट्यां नूर

हे भगवान सुरज नारायण आपे कमंडळ मांथी ज्यां तेज नी एकज अंजळी धरती पर छांटी त्यांतो नवेखंड माथे नुर जळहळी उठ्या आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:32 AM, 8/2/2018]

जग्ग आखुंये जळहळे, वांणु जेथी वाय
दिनकर नव देखाय, जात्य घूवड जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपना आगमनथी ..वांणला वाय छे..आखुं जगत जळहळी उठे छे..पण हे नाथ जे घुवड नी जात छे ई आपने जोई नथी सकता अने वंदना नथी करी सकता हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:34 AM, 8/3/2018]

|| साजण उगी सवार ||
जोगीदान गढवी चडीया

उड्यां जुवो ने आभमां, पंखी पांख पसार
जुवो मजानी जोगडा, साजण उगी सवार

कोयल कुंजन कोळतीे, चकलां काबर चार
जो आंगणीये जोगडा, साजण उगी सवार

फुलडां मांड्या फोरवा, अत्तरीयो अणहार
जोर सुगंधी जोगडा, साजण उगी सवार

गोधण पोग्यां गोंदरे, उडियुं खेप अपार
जाणे गोकळ जोगडा, साजण उगी सवार

भुलकां खेले भगडती, बमक्यां उभी बजार
जाणे रमती जोगडा, साजण उगी सवार

फुल जेवु फळीयुं करी, प्रितमा करे पुकार
जागो चारण जोगडा, साजण उगी सवार

सोना नळियां साजणा, ऐम थिया उदगार
जुवो उठीने जोगडा, साजण उगी सवार

आंख खुली ने ओरडो, बेउ जुवे ज्यां बार
जोता हरख्या जोगडा, साजण उगी सवार

हे भगावन सुरज नारायण वतन ने खोळे मेडी पर थी सामे देखाता आपना तेज ने मारां नित्य वंदन छे.

[08/04/18, 06:05 AM]

दिनकर जो श्रद्धा डगे, लगे चतौं दिश लाय
जगे ज्वाल हुत जोगडा, धगे आभ पत धाय

हे भगवान सुरज नारायण जो आपना प्रत्येनी मारी श्रद्धा डगे तोतो चारे दिशाओमां दावानळ सळगे, अने एनी ज्वाळायुं हुतासण जेवी थई पडे..अने हे आभ पती आप साथे आखुं व्रेहमंड अमने धगधगतुं लागे..आपने मारां नित्य वंदन छे.

[2:06 PM, 8/5/2018]

भाले न ताले भगडता, आले कै अहरांण
ज्वाले फाले जोगडा, म्हाले जो महारांण

हे भगवान सुरज नारायण आप हजारो भालां हाथ मां लई अंधकार रुप असुरो ने भगाडो छो..आपना ई शस्त्रो ना ज्वाळा जेवां फळां नी चमकथी आखुं व्योम ने धरा जळहळी उठे छे..अने हे महारांण आप ने गगन पर म्हालता जोई अमे नित्य आपने वंदन करीये छीये...

[9:39 AM, 8/6/2018]

दिन ऊगंतां दिनकरा, नारायण लौं नाम
जग कल्यांणी जोगडा, ठाकर आठे ठाम

हे भगवान सुरज नारायण दिवस उगतां वेंत अमे आप नुं नाम स्मरण करीये छीये..हे जगत नुं आठे पहोर कल्याण करवा वाळा नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:29 AM, 8/7/2018]

सुद्घ शबद् सब है सूधा, अमरुत जहर असुद्ध
जुद्ध असत जित जोगडा,बिठो रहय सूर बुद्ध

हे भगवान नारायण जे सुद्ध छे ई तो सिद्घज छे के सुधा समान छे..पण जे अशुद्ध छे ई तो अमृत पण जहर समान छे..माटे हे नाथ जे सुद्ध सत्य ने साधी ने असत विरुद्ध युद्ध जिति अमारा रदय मां बुद्ध नी जेम सौम्य चेहरे आसनवाळी तेजमुर्ति रुप बिराजीत नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:55 AM, 8/8/2018]

उगमणी दश्य आय के, मुख उजळीयो मेर
ज्योत पसारण जोगडा, दिनकर करे न देर

हे उजळा अने तेजस्वी मुख वाळा भगवान मिहीर (मेर) आप नित्य उगमणी दिसाये आवि ने जगत पर अजवाळी ज्योत प्रसरावी तिमिर हरी ल्यो छो..आप ना ए क्रम मां क्यारेय मोडुं थई ने वार नथी लागती समय आप ने आधीन होवा छतां समय नुं मान साचवती आप नी समय सुचकता ने मारां नित्य वंदन छे..

[7:55 AM, 8/9/2018]

दरशन कर्यां न देवना, दिनकर धरिया देह
जीव न पामे जोगडा,ई, नारायण नो नेह

हे भगवान सुरज नारायण जेणें धरती पर देह धारण कर्यो छे..एवा जीवो जो आपना दर्शन कर्या विना भटके छे तो ई जिवात्मा ने क्यारेय नारायण नो स्नेह सांपडतो नथी ई वृथा देहधारी छे..मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[8:57 AM, 8/10/2018]

गढ दिल्ली ना गगनमा,पेख्यो रांण पतंग
सोभा वादळ संग, जोई अनोठी जोगडा

हे भगवान नारायण दिल्ही ना गगन मां विमान नी बारीये थी आपना उदय ना दर्शन कर्यां वादळो वच्चे नी आपनी अनेरी सोभा अनोठी रही आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:11 AM, 8/11/2018]

गहन ग्रजन हर गंगकी, आतम करत उधार
जोग सिद्ध सुर जोगडा,हर दरस्यों हरद्वार

हे भगवान सुरज नारायण हरिद्वार ना गहन गंभिर गगन मां गंगाजी ना जय कार नादो वच्चे आप नां दर्शन जांणे कोई योगसिद्ध शिव गण नुं प्रागट्य होय तेवुं दर्शाय छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:10 AM, 8/12/2018]

वादळ गंगा वरहती, जो, गरवर मधरे गाज
जाय हरी पथ जोगडा,उगी अलक लट आज

हे भगवान सुरज नारायण अत्यारे वादळां माथी झरमर वरहतो मेह अने आ बारी नी बहार थी अमारा रुम मां सुमधुर गुंजन भरती गंगा बेय एकाकार थई ग्यां छे जांणे गंगा वादळ मारगे सिधी धरती पर उतरी रही छे..आ धुंधवायेल वातावरण जांणे शिव नी खुल्ली लटो छे..अने तेमां वच्चे आप एवा लागो जांणे गंगा नी अलक लट पर पांणी नुं बुंद रही गयुं होय अने ई मोती नी जेम चमकतुं होय तेवो हरिपंथ उदय जांणे थई रह्यो होय तेवा दिव्य वातावरण मां हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[4:37 AM, 8/13/2018]

हरि हरी हर अरु हर हरी, हरि दुवार हर द्वार
जब हरि हर भय जोगडा, कर हरि हर हर कार

हे भगवान सुरज नारायण एक तो आप नुं नाम विष्णु अर्थ हरि..बिजा आ हरिद्वार मां रहेल हरि तथा हर एटले आ महा शिव अने हर अर्थात् आ गंगा नुं पवित्र जळ..तथा हर एक द्वारे ज्यां हर नाम शिव दर्शन छे तेवुं आ हरद्वार,के ज्यां हरिनाम विष्णु पंथ अने हरनाम शैव पंथ एकाकार थाय छे तेव आ हर ना द्वार हरिद्वार मां हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:01 AM, 8/14/2018]

कंथ रनां नो केसरी,वळी,स्वेत हैया नो स्नेह
जिवन लीलुडो जोगडा, मच्यो तिरंगो मेह

हे रनांदे ना केसरभीना स्हायबा भगवान सुरज नारायण आप नो केसरी रंग,आपडा स्नेह नो श्वेत रंग अने जीवतर नो लीलो रंग एम तिरंगा ध्वज जेवो मेह जगत पर आप वरसावी रह्या छो..मारां आपने नित्य वंदन छे..

[7:10 AM, 8/15/2018]

धम्र धोरी धिंगो धणीं, वणींयल मुंछे वट्ट
जौम दता सुर जोगडा, थीर उग्यो धर थट्ट

हे भगवान सुरज नारायण धर्म ना एक्का गाडा ने पोतानी कांधे धरी ने आगळ वधारनार धर्म धोरी अने सर्व द्रस्य अद्रस्य ना धिंगा ने खमतिधर धणीं जेनी मुछे वट्ट वणांयेल छे एवा जगत मां जोम भरनार तथा सदैव आभ ना आसने थीर रेहनार हे सुरज नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[6:56 AM, 8/16/2018]

उगे तुं वण आळहे, जाग्या भेळ जरूर
जग्ग उजाळे जोगडा, सदा सूहागी सूर

हे भगवान सुरज नारायण आप विना आळह जाग्या भेळा उदय पामो छो अने हे सदैव सौभाग्यशालि नारायण आप ने कारणे जगत मां अजवाळुं रहे छे.. आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:18 AM, 8/17/2018]

व्योम घणीं तुं वेरतो, लागणीयुं लख लूट
जग माथे तम जोगडा, आदित नेह अटूट

हे भगवान सुरज नारायण आखा आभ ना धणीं आप अमपर लखलूट लागणीयो वरहावो छो..जगत नी जीव सृष्टि पर आपनो स्नेह अटूट छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[6:59 AM, 8/18/2018]

असत कबुं ना उच्चरूं, भजुं उठी ने भांण
जुके न मस्तक जोगडा, रख लाजुं नित रांण

हे भगवान सुरज नारायण हुं क्यारेय असत्य उच्चरुं नई..कायम जागी ने आपने वंदन करी ने आपने भजतो रहुं..मारुं मस्तक क्यारे झुके नई अने हे नारायण कायम आप अमारी लाजडीयुं राखो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:59 AM, 8/19/2018]

कासब हैया कळसिये,भाव छलोछल भांण
जे नत ज्वारुं जोगडा, रदय थकी सुर रांण

हे कश्यप ना जाया भगवान सुरज नारायण अमारा हैया रुपी कळसिया (लोटा) मां छलोछल भाव भर्या छे..जेने शब्द देहे दुहा रुपी धार करी नीत आप ने चरणे झारुं छुं मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:23 AM, 8/20/2018]

खग्ग खुटे खड़ खलकमां,ई, गगने बेठे ग्यान
ढोरां केरुय ध्यान, तूं, जळपत राखे जोगडा

हे खग्ग नाम भगवान सुरज नारायण धरती पर खड खुटे तो ऐनीय तमने गगन पर खबर होय छे, मुंगा ढोर नुं पण हे जळपति आप ध्यान राखो छो..आ वखते पण पेहला वरसादे खड थीयां..वरसाद रोकाता खड सुकाय ए पेहला फरी मेघो मंडाणो..हे अजब कळा ना करनार नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:48 AM, 8/21/2018]

आभलीये नत आवता,ओल्या, रथ हंकारी रांण
जो वण स्वारथ जोगडा, भलई करे आ भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप कायमी पोतानो रथ लई ने आभमां आवी जगत नुं विना स्वारथ कल्याण करवा माटे पधारो छो आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:33 AM, 8/22/2018]

वाय वांणुं त्यां वंदिये, निकलंक दिना नाथ
जळ धरी सूर जोगडा, हयग्रीव जोडुं हाथ

हे निष्कलंक दिनानाथ भगवान सुरज नारायण नित्य सवारे अमो आपने वंदना करीये छीये अने आप ने दोहा रुपी जळ चडावी ने हाथ जोडी ने मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[7:23 AM, 8/23/2018]

द्रस अद्रस तुं दिनकरा,भौम अगन सब भांण
जळ वायु नभ जोगडा,रज रज छायो रांण

हे भगवान सुरज नारायण जे द्रस्यमान छे अने जे अद्रस्य छे ई बधा मां तमो छो,धरती पण तमारामांथी छुटी पडेल एथी एनी रजेरज झाड पान पशु पक्षी बधुं आप नो अंश जळ वायु वगेरे आपने आधीन अने आकास ना नवेय ग्रहो आपनी फरता आंटा दिये छे, तेना हाकेम पण आप छो हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:31 AM, 8/24/2018]

मात पिता ने मगवियुं, भड़ अरजण तें भिख
जिवन उजाळे जोगडा, सूर जण्या नी सिख

हे भगवान सुरज नारायण आप ना रुधीर नो केवो प्रताप छे..भगवान कृष्ण जेनी भेळो हतो ई अर्जुने पिता ईन्द अने मां कुंता ने..एक ने तिर लेवा तो एक ने कवच लेवा कर्ण पासे भिख मागवा मोकलेल..ज्यारे हे सुरज नारायण आप ना पुत्रे पोताना मोतनी परवा कर्या वगर दान कर्या.. आप नो रुधीर अंस जो आम जिवन सिखवे छे..तो आप खुद मां केवी अनंत क्षमता हशे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:14 AM, 8/25/2018]

उग्योय जांणे आभमां,भाई बनीने भांण
जवतलया सम जोगडा, राखडीयाळो रांण

द्रग देखुं नत दिनकरा, पग जळ धरुं पतंग
जग भगती सुर जोगडा, छग उर रहो छलंग

हे भगवान नारायण आजे आप नो उदय जांणे बेनडीयुं ना भाई जेवो थयो छे आभनी लालीमा जांणे चांदला ना कंकु अने राखडीना लाल त्रागडा नी छांय छे..
हे नारायण हुं नित्य आपने दरसी आपना पगे दोहा रुप जळ धरुं छुं, अमारा हैया मां छगोछग आपनी भक्ति भरज्यो मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9:12 AM, 8/26/2018]

आद ईती आदित तूं, भोळो तुं तूं भांण
जग्ग जिवाडण जोगडा,रुप अनेकांय रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप आद एटले के सरुवात अने ईत एटले के ईती अंत एम बंन्ने छोडा मळी ने आदईत अर्थात आदित नामे पुजाव छो,शिवो सुर्य सुर्य शिवो कही ग्रंथो पण आपने शिव स्वरुप कहे छे..जगत ने जिवाडनार आप अनेक रुपे व्याप्त छो.आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:39 AM, 8/27/2018]

धर नहती नहतो धरम, नहता हरिवर नट्ट
जळतो सूरज जोगडा, ते दि य गंगा तट्ट

हे भगवान सुरज नारायण ज्यारे धरती नोहती,जेथी कोई मनुस्य न होई धर्म नोहतो..तथा जे घडी मां मोहीनी रुप धरे तो घडी मां नरसिंह ई नोखा नोखा वेह भजवनार नट्ट एवा श्री हरीय नोहता (पृथ्वीज नोहती तो क्षीर सागर नुं तळीयुं हवा मां तो न ज होय..जिव सृस्टीज नोहती तो शेस नाग क्यांथी होय) पण त्यारेय हे सुरज नारायण आप आकास गंगा ना तट्ट पर उदित रेहता पछी आप मांथी पृथ्वी छुटी पडी मानव जिवन रचायुं ने धर्मो थया ने कृतध्नी लोको आप ने भुल्या जो के कृतग्नी तो आजेय वंदे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[7:32 AM, 8/28/2018]

मारी संपत मलकमां, शिव सगत अने सूर
जळके भाले जोगडा,एनुं, नाम लियैं त्यां नूर

हे भगवान सुरज नारायण आप शिव अने शक्ति ईज मारी संपदा कहुं के जे कहुं ते छे..आप नां नाम लेतां तो भाल (कपाळ,भाग्य,करम) मां नूर जळकी उठे छे..मारां आप ने नित्य वंदन..

[4:46 AM, 8/29/2018]

कुंडळ वाळी करणने, दिक्षा आपेल देव
एथी जग्ग मोहो नी जोगडा, हुती न एने हेव

हे भगवान सुरज नारायण आप महा योगी छो..नाथ संप्रदाय मां जेम कान फाडी कुंडळ पेहरावी दिक्षा अपाय छे तेम आपे आप ना पुत्र कर्ण ने एक नही पण बंन्ने कान मां कुंडळ पेहरावी दिक्षा आपी धरती पर मोकल्यो जेथी एमे जगत नो कोई मोह नोहतो अने ते मृत्यु ना खोळा मां सुतो त्यां सुधी कोय ने खाली हाथ पाछा न मोकल्या..हे नारायण आपे केवो शक्तिसाळी गुरु मंत्र एना काने फुंक्यो हशे..ई आ जगत ना पामर जिव शुं समजी सके..हे समर्थ संन्यास गुरु मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:03 AM, 8/30/2018]

दिनकर दिनकर वा कजुं, तेज दियंतो तेज
जगे जगे वह जोगडा, सेज न लोटे सेज

हे भगवान दिनकर आप दिन (दीवस)करवा माटे जे तेज आपो छो तेमज जगत मां सतत जाग्रत रहो छो सहेज वार पण सेज (पथारी) पर आराम करता नथी आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:34 AM, 8/31/2018]

ऐक तारा थी उजळी,आ,नवखंड धरती नाथ
जऴ चडावुं जोगडो,हुं,हरिवर ननके हाथ

हे भगवान सुरज नारायण आप ना एक थी आखी आ नवेखंड धरती ने आभ बधुं उजवळ थाय छे..हुं मारा नानकडा हाथ थी आपने शुं जळ चडावुं..?छतां आप ऐ जळ स्विकारो छो आपनी महानता ने मारां आपने नित्य वंदन छे..

[5:14 AM, 9/1/2018]

कर क्रोड़ु कर कास्यबा,धर पर तेजो धार
सघळो जिवतर सार, जळहळ थावुं जोगडा

अजवाळुं जे आपतो, कास्यब हाथ करोड
मिहीर जिवन मरोड, जग्ग अदिती जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप आपना करोडो हाथ नी अंजळी भरी भरी ने धरती पर तेज नी धारायुं करो छो..आप नो तो समग्र जिवन नो सार जळहळता (आनंदित) रेहवुं एज छे..क्यारेय कोई अज्ञानता,भाव, के परिस्थिति आप ने डगावी ने अंधकार मां (उदासीनता मां)नथी लई जई सकती एवा अडग अने अद्वितिय योगसिद्ध आदीत्य नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[8:23 AM, 9/2/2018]

हरि हर हारोहार मां,आ, अवसर सोहे आज
जहर पचावण जोगडा,सुरज बजावत साज

हे भगवान सुरज नारायण आजे आप नभ मां वादळ नी गडहडाटी नुं साज वगाडी रह्या छो..कारण के जेम आप आभेथी रोज निरखो छो अने जगत मां चालता कावादावा नजरे जोई ने पण जहर पचावी जाव छो..एवाज बिजा बे जहेर पचावनार एके मिरां नु पीधुं अने एके जगत माटे हळाहळ पिधुं ई कृष्ण अने शिव नो अवसर एक साथे आव्यो छे..कृष्ण नी आठम पण छे ने शिव नो श्रावण नो छेल्लो सोमवार पण आंम हरि अने हर नो तेहवार भेळो आव्यो ए खुसी मां गेबी नगारुं बजावनार सुरज नारायण ने मारां नित्य वंदन छे..

[8:06 AM, 9/3/2018]

ग्रजे हर्ष गौकूल गगन,भव्य उदित हुत भांण
जन्म जदू पत जोगडा, रम्य दिपत नभ रांण

चंद्र कुळ चडिया चड्यो, रयण आध नभ रांण
जगपत हुं सब जोगडा, ग्रज्यो नाद ध्रम गांण

हे भगवान सुरज नारायण हर्षोल्लास नी गर्जना साथे गोकुळ मां आजे भव्य सूर्योदय थयो छे..जदुपति ना जन्म थी आजे सुरज नयनरम्य लागी रह्या छे..
चंद्र ना कुळ मां आजे कृष्ण नामे श्याम सुर्य अडधी रात्रे उदय पाम्यो छे..(हुं सुर्य छुं एम कृष्णये गीता मां कहेल) जेणे धर्मगान (गीता) नी गर्जना करेल अने हुं बधा मां समायेल परमेश्वर छुं एवी स्वयं घोषणा करी.. कारण अंतर यात्रा नी पद प्राप्ति नी बहार वाळा ने खबर न होय माटे ई घोषणा तो स्वयं करवी पडे एवी राह चिंधनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे..

[8:06 AM, 9/4/2018]

फेर फुदरडी जो फरे,आ, बेटी संगे बाप
जायल माथे जोगडा, आदित हेत अमाप

हे भगवान सुरज नारायण आपना मांथी छुटी पडेल धरती एटले के आपनी पुत्री कही सकाय तेना फरता दिवस रातने दोरडे फरो छो, के धरती आप ना फरती फरे छे ई खबर न पडे तेवी फेर फुदरडी बाप दिकरी रमो छो..आपनुं दिकरी पर नुं हेत अमाप छे..मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:32 AM, 9/5/2018]

गुरु बुध मंगळ धर गगन,
अरुण वरुण शनि यम्म
जपत शुकर जप जोगडा,
सूर नव रखत सरम्म

हे भगवान सुरज नारायण आप ना जाप गुरु, बुध, मंगळ, पृथ्वी, अरुण(Uranus) वरुण(Neptune), शनि, यम(Pluto)तथा शुक्र एम नवे ग्रह सरम राख्या विना जपे छे ने आपनी प्रदक्षिणा करे छे,मुरख मांणसोज आपने जपी नथी सकता अने पछी कोई आमांनो एकाद ग्रह कफेमरजी करे त्यां एना जाप करवा दोडता थाय छे..जेंणे आप ने भज्या एने नवेय ग्रह निरांत आपे छे..आ नवग्रह दोहा सह मारां आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[7:49 AM, 9/6/2018]

सड़क वचाळे सेवता, मंदिरया ने मांण
जुग नी जातर जोगडा, रुकी न तमणीं रांण

हे भगवान सुरज नारायण लोको मोटा मंदिर नी जातराये जनार ने वच्चे सडके उभा रही रही ने पग दबावी सेवा करे छे..ज्यारे आप तो युगो युगो थी रोज आखी पृथ्वी नी प्रदक्षिणा करी जगत ना तमाम मंदीरो ज्योतिर्लिंगो ने बधाय धामो ना दर्शन करी तेमने अजवाळो छो तथा आप नी आ यात्रा क्यारेय रोकाई नई..जो एक मंदिरे जनार ने सेववाथी पुन्य मळतुं होय तेवुं मांणह माने छे तो जे रोज आखी पृथ्वी ना दरेक धर्म ना मंदिरो गुरद्वारा वगेरे आस्था स्थानो अजवाळी वण रुकी प्रदक्षिणा करता होय तेमना दर्शन केवां फळदायी हशे..हे नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[7:43 AM, 9/7/2018]

सूर उग्यो त्यां संचर्या, गावडियुं न गोवाळ
जाग्याय पंखी जोगडा,पाछ्ळ नी परहाळ

कोयलडी कुहकारथी,वदती मीठो वाद
जांण देति हो जोगडा,सूर उग्या नो साद

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उदय थी गायुं ना गळे थी गाळा छूट्या अने गोवाळो चारवा हाल्या,पाछ्ळ नी परहाळे थी पंखीनी चहचहाट नो अवाज आवे छे..एय जाग्यां छे..अने आ साम सामे बोली ने मिठो वाद वदती कोयलुं जांणे साद करी ने कहे छे के नारायण नो उदय थयो छो हवे सर्व भय थी मुक्त छीये..आम आपना उदय थी रात भर मौन रहेल पृथ्वी जांणे बोलवा मांडी होय,जड मां चैतन्य प्रगट्युं होय तेवुं प्रतीत करावता आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[6:51 AM, 9/8/2018]

वादळ ओठे वरतरीयो,अलख तेज ऐंधांण
जांण अयो नभ जोगडा, भभुत लगावी भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप वादळ नी ओथ मां आजे राखोडी वर्णना लागी रहेल पण आपनुं ए अलख आराधी तेज तो आखा जगत ने अजवाळीज रहेल छे..आप नुं आ रुप एवुं लाग्युं जांणे जोगेश्वर भोळो नाथ भभुती लगावी आव्या होय..आपना ऐ शिव स्वरुप ने मारां नित्य वंदन छे..

[9:51 AM, 9/9/2018]

साफो रांणा सुरज नो, प्रोढ नभे पथराय
जिभ पंखीडा जोगडा, गीत कविगण गाय

हे भगवान सुरज नारायण ज्यां आपनो उदय थाय त्यारे पेहला आखुं नभ केसरी रंगथी छवाय छे,जांणे के आप आववा माटे साफो बांधता होव अने ई साफा नो छेडो पेहला आभ मां पथरायो होय..आ जोई पंखीयो नी नानी जिभ कलरव करी मुके छे अने कवियो आप ना यशोगान गावा लागे छे..मारां आपने नित्य वंदन छे..

[7:29 AM, 9/10/2018]

द्रप गंजण भंजण दरिद,अरु,रंजण पद व्रद रांण
जळळ उदित नभ जोगडा,भौम शरद रूत भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप दर्प नाम अहंकार ने गांजी लेनार तथा दारिद्रय ने भांगनार छो..अने आ भाद्रपद अने आसो दरम्यान रेहती शरद ऋतु मां आपनो उदय थयो छे..ई शरद ना सहरद (रदय साथे) उदय थता नारायण ने मारां नित्य वंदन छे

[6:09 AM, 9/11/2018]

सुत हर यान सजावियो,आ, अंबर गाज अवाज
जग घट सूरज जोगडा,तमे, जागो धर्म जहाज

हे भगवान सुरज नारायण आ शिव ना सुत (पुत्र) कार्तिकेय ना यान (वाहन)एटले के मोरे आभ ने गजवता अवाजो कर्या ..जांणे आपने केहता होय के हे जगत ना हैया मां धर्म ने तारनार धर्म ना जहाज रुप नारायण हवे जागो..अने आप अंजवाळु पाथरी तेमने होंकार देता होव तेवा द्रस्यो ना स्वयं अभिनीत सर्जक नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:52 AM, 9/12/2018]

जातां रजनी जळहळे, तमहर नोखे तेज
ओठुंय लेता ऐज, जोइ निशा ने जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण ज्यारे रजनी(रात्री) रुपी स्त्री जाय छे, पछी हे तमहर आप जळहळो छो..तथा निशा आवतां आप ओठुं लई ल्यो छो..आंम आप क्षात्र रीती ने जाळवो छो, .आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[8:08 AM, 9/13/2018]

मानव केरुं मलकमां, रुप धरंता रांण
जाइ घरांगण जोगडा, भाव प्रखंता भाण

हे भगवान सुरज नारायण आप क्यारेक क्यारेक कोई संत नपं के कोई दुखीयारां नु रुप घरी मनुस्यो ना घर ने आंगणे जई घरधणीं नो भाव जरुरीयात मंद माटे केवो छे..एनी परिक्षा करो छो..अने एनी जांण थतां बाकी ना तमाम लोको गरिबो ने के संतो ने सम्मानित करी तेमां आपने सोधे छे..आम दनदुखीयां अने संतो नुं सम्मान करावनार नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:35 AM, 9/14/2018]

कहे रोहिणी कंथने,जुवो, मलक आखोये मा
जग्ग पिता सुर जोगडा, आभ अडाभीड आ

हे भगवान सुरज नारायण.. भगवान शिव ना साढुभाई अने रोहिणी ना कंथ एवा चंद्र ने आभे उदय थयेल जोई ने लोको तेने स्त्रेंण संज्ञा कही मां कहे छे..पण हे नारायण आप आवो त्यारे सुर(सुरवीर,सुरज) संबोधी जगत आप ने पितानी द्रस्टीये जुवे छे..आम हे जगत पिता नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे..

[7:46 AM, 9/15/2018]

कश्यप नंदन तुं करे,नित, रव हर नाद रवीह
कळश्यो काव्य कविह, जाग्य चडावे जोगडा

हे कश्यप ना पुत्र भगवान सुरज नारायण विज्ञान ना केहवा प्रमांणे दरेक ग्रह ईत्यादी नो एक ध्वनी होय छे..जेमां आप नी फरते हर(शिव)नाद(अ र्त अवाज)एटले ॐ कार जेवो अवाज छे....विज्ञाने तो हमणां कह्युं पण ग्रंथो तो वर्षोथी शिव सुर्य ने एकरुप मानी शिवःसुर्य,सुर्यो शिवः कही ने वंदे छे माटे हे नारायण नित्य काव्य जळ नो कळश्यो अमे आप ने चडावी आपनी उपासना करीये छीये..आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:28 AM, 9/16/2018]

दिपतुं दिनकर देहसुं, आ, तपस्या केरुं तेज
नेंणे मांडो नेज,तोय, जोइ सकाय न जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप ना देह थी जे तपस्या नुं तेज जळहळे छे..ई तेज ने जोवा माटे नेंण पर नेजवा मांडो तोय जोई न सकाय एटली तेजस्वीता जळकती होय छे तेवा महा तपस्वी नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[11:10 AM, 9/17/2018]

संध्या दोनुं सोपीयुं,तमे, पित्रु देव प्रमांण
जग्ग कल्यांणी जोगडा, भाव तमारो भांण

हे भगवान सुरज नारायण तमे पांगळा भाई अरुण ने सारथी राखी तेनुं कल्याण चाह्युं तथा संध्या ना यज्ञ जलीत देह ना बे भाग करी प्रातः देवो ने अने सांज संध्या पित्रुओ ने अर्पण करी बंन्ने ने तृप्त करी जगत ना लोको पोतानुं कल्याण करी सके तेवि व्यवस्था करी हे नारायण आपने मारा नित्य वंदन छे.

[8:27 AM, 9/18/2018]

कोटी सुर्य कंकण क्रणित, हस्थ सहस्र हजार
ज्वाळ लखौं चख जोगडा, पद सत प्रलय पसार

हे भगवती तारा कंकण मां कोटी कोटी सुर्य नां तेज जेवुं तेज छे..तारा सहस्त्र हजार (दसलक्ष) हाथ आयुध धरीने शोभायमान छे..तारी आंखो (चख=चक्षु) मा लाखो ज्वालामुखी नी लपेटुं देखाय छे..अने तारे एक एक पगले सो सो प्रलय प्रसरीजाय छे तेवी हे भद्रशक्ति तुने वंदन छे

[7:11 PM, 9/18/2018]

चाह चकोरन चंदसूं, मोर मल्हारां मेह
नाराण एवो नेह, जाळव तमसुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जेम चकोर ने चंद्रथी चाह छे, मोर ने मल्हार जेवो टहुको करवामां अने मल्हार राग पर ओळघोळ थवा मेघ ने चाह छे..तेवी चाहना सह कृपा हे नारायण अमो आपनी पामीये एवा आशीस नी अभिलाषा सह आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:29 AM, 9/19/2018]

सुर दियंता संपदा,जेने, धननी लागी धुन्न
हुं जंखु सुरता जोगडा, सूरज ईच्छा सुन्न

हे भगवान सुरज नारायण आप नी भक्ति सुरी संपत्ति नी देनारी छे पण एने के जेने धन नी धुन लागी छे..पण हे नारायण हुं तो मारी सुरता ईच्छा सुन्य समाधी मां सदैव रहे एवी झंखना करुं छुं.. मारां आपने नित्य वंदन छे..

[5:44 AM, 9/20/2018]

नाथ आभे थी न्याळता, पद्द पिता परमांण
जीव धरा पर जोगडा,भुख्यो सुवे नइ भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप पिता पद नी निष्ठा ने निभाववा आभे थी आखा जगत ने निहाळो छो अने ध्यान राखो छो के जगत नो कोई जीव भुख्यो न सुवे,कीडी ने कण अने हाथी ने मण मळी रहे तेनी अद्रस्य व्यवस्था आप गोठवो छो आपने मारा नित्य वंदन छे..

[7:19 AM, 9/21/2018]

वारीय माथे वजन मां, हो भल कोस हजार
जळ डुबक्की जोगडा, भांण हरे सब भार

हे भगवान सुरज नारायण जेम माथे उपाडेल घडो पांणी पण वजनदार लागे छे..पण पांणी मा पोताने सोंपीदई डुबकी लगावो त्यारे माथे हजारो कोस पांणी होवा छतां जराय वजन नथी लागतो एम ज्यारे अमे आपनी संपूर्ण सरणागती स्विकारी लईये छीये पछी आ जगत ना कोई कार्य नो वजन अमारे माथे रेहतो नथी ए बधो आप हरी ल्यो छो,आपने मारां नित्य वंदन छे.

[5:22 AM, 9/22/2018]

धिंगो आभ धडुकीयो,आ, पेरंभ मेघा पग्ग
जांण ओठुं लई जोगडा,खाय खोंखारा खग्ग

हे भगवान सुरज नारायण धरती पर मेहुलो मेमान थीयो छे..धरती आपनी पुत्री छे अने मेघो तो धरती नो धणीं केहवाय छे ऐटले जांणे आ आभ मां थती धीमी गर्जना जोतां एवुं लागे के जांणे आप ओठुं लई खोखारा खाई रहया छो..आपणी ए पौराणीक मर्यादा नी परंपरा ना रखेवाळ नारायण आपने मारां नित्य वंदन छे.

[7:42 AM, 9/23/2018]

कर्या रनां ना कंथडे, अचळ उतारा आभ
जग ने देवा जोगडा, लख लख धोबे लाभ

हे रन्नांदे ना कंथ भगवान सुरज नारायण आपे जगत ने लाख लाख धोबा भरी भरी ने लाभ देवा माटे आभलीये अचळ उतारा कर्या छे,आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:31 AM, 9/24/2018]

पद्द उंचेरु पामवुं , ईतो, पुनई ना परमांण
भणवा कोये भांण, जाता न दिठा जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण मोटा पदे पोगवुं ई तो पुरव नी पुनई थी थाय छे,घणा अभण नेता के अभण बिजनेस मेन नी फरते अद नुं भणेला आंटा फेरा करता होय छे..आपे पण निसाळुं ना धक्का खाधा विना पुनई ने बळे आभ मां उंचु पद मेळव्युं छे..आंम भणतर थी पण पुन्य वधे एवो आप न भणेला ने धर्म नो मारग चिंधी रह्या छो आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[7:12 AM, 9/25/2018]

अबळा प्रबळा आलमे, सूरज जांणे सुद्ध
जोयेल जेंणें जोगडा, जनक सुता नुं जुद्ध

हे भगवान सुरज नारायण..रामे वन मां मुक्या ए कारणे आखी आलम सीताजी ने दयानी नजरे जोई अबळा समजे छे पण ई जगदंबा ज्यारे राम बेहोस पडेल सैन्य पण एना एक वारे अयोध्यामां जई पडेल त्यारे जानकीजीये सहस्त्रानन साथे जे विकराळ रुपे जुद्ध करेल अने तेना हजारेय मस्तक छेदी तेनो वध कर्यो ई जानकी विजय नारायणे नजरे जोयेल छे..ए सेसुद्ध नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:21 AM, 9/26/2018]

सगती फेरवती सदा, हर नामां द्रद हेर
जांण्यो सुरज जोगडा, मंडळ माळा मेर

हे भगवान सुरज नारायण.. सर्वोच्च ईष्ट महा शक्ति पोता ना हाथ मां जांणे के सर्व दुर्द ने हरनारी हर हर नाम जपनारी माळा फेरवी रही छे जेमां आ गोळ चक्रमां फरता ग्रहो ई माळा ना मणका छे..अने माळा मां जे सौथी मोटो मणको मेर के जे फेरववामां नथी लेवातो पण एने आधारे आखी माळा फरे छे..जेम आप ने आधारे ग्रहमंडळ, एवा हे महासगत नी माळा ना मेर आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[3:38 AM, 9/27/2018]

शंकर सगती साथमां, राजी रहशे राम
जीभे आवे जोगडा, नरणें सूरज नाम

हे भगवान सुरज नारायण जो प्रभात ना प्रहर मां आप नुं नाम जीभ पर आवे तो आप नी अनन्य कृपा तो उतरेज छे पण आपनुं नाम जपनार भक्त रदय पर भगवान शिव.. माता शक्ति अने परब्रह्म राम पण राजी रहे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:13 AM, 9/28/2018]

कास्यप नंदे जे कह्यां, वायु पुत ने वैंण
जपतां ए थ्यां जोगडा, दसरथ नंदन दैंण

हे कस्यप नंद भगवान सुरज नारायण आपे जे आपना सिस्य पवन पुत्र हनुमान ने गुरुमंत्र आपेल एनो विना संसये जप करता रेहवाथी ए दसरथ नंदन एटले के राम अर्थात ब्रह्म ने मेळवनारा थया..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:15 AM, 9/29/2018]

ध्रम रक्षण उज्वळ धरण,भ्रण पोहण जग भार
जोहि निभावण जोगडा, सुर नित उदित सवार

हे भगवान सुरज नारायण आप धर्म नुं रक्षण करवा (पापाचारी रात्रे गमेतेवा वकरम करे पण आपनी हाजरी मां दिवसे अधर्म नुं काम करता पापी बिये छे)धरती ने अजवाळवा तथा समग्र जीवसृस्टी ना भरणपोषण नी जे जवाबदारी छे ई त्रणेय वांना निभववा आप नित्य सवारे अचुक उदय पामो छो,कोई रजानो दिवस राखता नथी आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[5:54 AM, 9/30/2018]

साहित हैये साचव्युं,जेदी, जावा बेठल जांन
जागे अनहद जोगडा,ई, मांणेक माथे मांन

अंग्रेजो सरकार ना दबाव वध्यो अने शाहपुर छोडी जेदी जावुं पजे तेम हतुं तेदी चारण मांणेक कंवरबाये दर दागीना नई पण पोताना ससरा नुं साहीत्य हैये वळगाडेल अने साडला मा विंटी ने निकळी गयेल...ए साहित्य रक्षक मांणेक कंवर ने घणां मान सह वंदन...

[8:32 AM, 9/30/2018]

नोखे नुर नारायणा,तुं, रांण धरे रुप रोज
जांण ईशर रो जोगडा,हरिरस कह्यो हुतोज

हे भगवान सुरज नारायण आप पोताना नुर नुं नवुं रुप धरी ने रोज सवारे आभ मां उदय पामो छो..जांणे के ईशरदासे हरिरस मां जे हुतोज हुतोज कह्युं छे ए अनादी तत्व नु नुर जांणे आप नु अवर्णनीय रुप छे जेना द्रस्य स्वरुपे आप छो जेने आधीन जगत सर्वनुं जीवन चाले छे आपने मारा नित्य वंदन छे.

[7:26 AM, 10/1/2018]

जगत्प्रांण चक्षु जगत,जनक भौम जगदीश
जंबू द्वीप नीत जोगडा,उदित अाराधत ईश

हे भगवान सुरज नारायण आप जगत ने अन्न जळ आपो छो,आप जगत ना प्रांण छो..तथा हे धरती ना जन्मदाता (धरती सुर्यमांथी छुटी पडी)अहीं जंबू द्विप मां (भारत वर्ष मां) आप ना उदय ने हुं नित्य आराधु छुं आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[6:12 AM, 10/2/2018]

घेंन बनी घेरी वळे, ऐम, तोडे भगतां टेक
जृम्भण मेटण जोगडा, अविचळ सुरज ऐक

हे भगवान सुरज नारायण जे भक्तो ने व्रत पुरण कर्या बाद नुं जागरण करवानुं होय तेने आ निंद्रा घेंन बनीने घेरी वळे छे अने एनी टेक तोडावानी आसुरी प्रवृत्ती करे छे..पण हे नाथ आप आभे एवा अविचळ छो के निंद्रा आपने चलीत करवा तो दुर आप सुधी पहोंचीज नथी सकती एवा निंद्राजीत आप ने मारा नित्य नित्य वंदन छे.

[4:42 AM, 10/3/2018]

आदीत जग ने आपवा,तुं नव राखे तांण
जिवतर केरी जोगडा,भाग्य रेखा तुं भांण

हे भगवान सुरज नारायण जगत आखा ने आपवा मा आपे कंई बाकी नथी राख्युं.. पेहला तो पोतानुं अंग तोडी धरती नोखी पाडी पछी तेनापर जीवन संभवे ते हेतु जरुरी मात्रा मा तेज जळ आदी जरुरीयातो पुरण करी बधुं सर्जन थवानुं कारण बन्या हे नारायण तमे समग्र जिवो ना जीवन नी भाग्य रेखा छो आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:31 AM, 10/4/2018]

ओळां जाय अंधारना, रांण ग्रहे जिम रात
जुनांय काटण़ जोगडा,मोखर मोगल मात

जेम अंधकार ना ओळा ओहरीजाय छे अने सुरज रांण जेम रात नो कोळीयो करी जाय छे एम पोताने सरणे आवनार ना जुना संचित कर्मो ने कापवामां मोखरे होय तो ई भगवती मोगल छे जेने मारा सत सत वंदन छे...

[9:56 AM, 10/4/2018]

एज घरा न ए आभलुं,ए ,वायु ना वरतांण
जुग नोखो नई जोगडा,ए,भोर भरोंहो भांण

हे भगवान सुरज नारायण जेंणे भगती नो मारग आकरो लागे छे ई लोको बहांना करे छे के हवे ईश्वर न आवे कळजुग छे..पण आ धरती एज छे..आभ एनुं ए एज रीते पवन वाय छे..प्रहलाद ने लोह थंभ पर कीडीयुं आवी भरोहों दई गयेल एम जुग जराय नथी बदलायो एवो भक्तो ने भरोंसो देवा एना ए आप नित्य उदय पामी अमारा धर्म अने भरोंहा नी रक्षा करो छो आपने नीत्य वंदन छे.

[6:09 AM, 10/5/2018]

तुं उगतां तिम्मर टळे,अने, देखाय चारो दिश
ज्वारुं कायम जोगडा,मारा, आभा पर मा ईश

हे भगवान सुरज नारायण तमारो उदय थतां तिम्मर (तिमिर,अंधकार) टळीजाय छे, अने जगत ने चारेय दिशा मां देखातुं थाय छे,हे आभा पर (आकास) ना आधीपति (ईश) आपने हुं कायम जुहारुं छुं आपने मारा नित्य वंदन छे.

[5:43 AM, 10/6/2018]

सूरज आ छलकी रीयुं,नूर पदम्मां नाभ
जांण धरापर जोगडा, उतर्युं आखुं आभ

हे भगवान सुरज नारायण आप ना उदय थी आप नुं अजवाळा रुपी आप नुं नुर एटलुं छलकी रह्युं छे के जांणे आखा आभ नो उदय थयो होय अने आभ विस्तृत थई धरती पर आवी गयुं होय...आप नी विशाळता ने मारां नित्य वंदन छे.

[4:28 AM, 10/7/2018]

भग्ती सौर्य कलमे भरण, आदीत चारण आश
जिरण उध्व कर जोगडा, पुरण धटा परकाश

हे भगवान सुरज नारायण अम चारणो नी कलमे भगती अने सौर्य भरेलुं रहे एज आस छे..तथा जे जे विचारधाराओ जिर्ण थई रही छे ते उध्वगामी थाय तेनो जीर्णोद्धार थाय अने पुर्ण पणे भेंतर मां प्रकाश पाथरे ए विनती सह आपने मारां नित्य वंदन छे.

[9:07 AM, 10/8/2018]

नाने नेंण निहाळीयां,जनक तनुजा जुद्ध
जुग पुरांणों जोगडा, बंकोय सुरज बुद्ध

हे भगवान सुरज नारायण जगत नुं कल्याण विचार नार तथा युगोथी एक आसने तपस्या करनार आप युगो पुराणां बुद्ध पुरुष छो,एवम आपनी दोहीत्री (सुरज मांथी छुटी पडेल धरती एटले धरती सुर्य नी पुत्री,अने इ धरती नी पुत्री जानकी,एटले सुरज सीता ना नाना कह्या)नुं महायुद्ध पण आपे नजरे निहाळेल आपने मारां नित्य वंदन छे.

[5:48 AM, 10/9/2018]

पडवे तें प्रगटावीयुं, ज्योतिय आभे जांण
जग पैणांये जोगडा,भोर दिपे दीप भांण

हे मां जगदंबा आज प्रथम नोरते (पडवे) पाट मांडी जांणे आपे जगत ना पैणाया (कोड़ीया)परआभ मां ज्योत जगावी छे जे दीप (दिवो) भोर समये सुरज नामे दीपी उठेल छे,आम हे महाशक्ति नी ज्योत स्वरुपा सुरज नारायण मारां आपने तथा ए भगवती ने नित्य वंदन छे.

[5:24 AM, 10/10/2018]

तुं त्रण लोके तारणी,अमुं, चंडी चारणीया
कळजग कारणीया, ज्योत समांणी जोगडा

हे मां भगवती आ ब्रह्मांड रुपी कोडीया मां सुरज रुपी दिवडा नी ज्योत जळहळे छे..हे मां दुनीया मां कियो युग चाले छे ए तुं कांय ध्याने नथी लेती पण मांणह ना काळजा मां एना वायरा आव्या छे के नई ए तुं खास जुवे छे..जेना घट मां सतजुग छे एने सनमुख वातुं करे छे..अने ज्यां सहज अमथो कळजग देखाय त्यां पडदे अथवा ज्योत मां..हे जगदंबा तारा ई त्रिलोक तारणी ज्योत स्वरुप सुरज नारायण ने मारा नित्य वंदन छे.

[11:32 AM, 10/11/2018]

नव नव ग्रह नारायणी, आभ उपासत आय
ज्यों गरबो नभ जोगडा, गोळ फरीने गाय

हे जगदंबा नवेय ग्रहो आभ थी आप ने उपासी रह्या छे..अने जांणे के सुरज नारायण रुपी दिवडो वच्चे राखी ने ई नवेय ग्रह फरता गोळ फरी ने व्रेमंडी गरबे रमे छे..ई दिप रुप सुरज नारायण ने तथा चतुस्ठी उपवासे भगवती आई महामाया मोगल ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:20 AM, 10/12/2018]

पाय नमुं परमेहरी, जोगमया जगदंब
जग्ग जनेता जोगडा, आभ झळुंबी अंब

हे मां भगवती जगदंबा जोगमाया.. हुं तमने आजे नवरात्री ना चोथा उपवासे उपासी रह्यो छुं.. हे जगत नी जनेता एम लागे के जांणे तुंज जागी ने तरत तारा छोरुं नी संभाळ लेवा आभे सुरज रुपे झळुंबे छे अने जगत नुं पोषण करे छे मां..आप ने अने आपना नारायण स्वरुप ने मारां नित्य वंदन छे..

[4:34 AM, 10/13/2018]

आभ धरा सब आई तुं ,अरु, रात तुंहि तूं रांण
जळ अन्न मोगल जोगडा, स्वासा रुप सुजांण

हे मां भगवती मोगल..तुं आभ रुप छत्र छे.. तुंज धरती रुप अमने खोळे खुंदवनार आशरो..अंधकार प्रसरावनार रात्री पण तुं अने दिवस उगाडनार सुर्य पण तुं..अने जेने आधीन जिवन नुं अस्तित्व छे ई जळ , अन्न अने आ स्वास रुपे चालतो वायु पण तुं छे..तारा चरणो मां मारा अगणीत वंदन छे..

[5:13 AM, 10/13/2018]

सांगो थई दे सारणा, काळीय कामळीया
जळ चडावुं जोगडा,सूरज सामळीया

आवेय घोडो आपवा, रुप चांपो ने रांण
भव आखोये भांण,जाय भुल्यो कीं जोगडा

मांगी चारण मांडीयुं, ध्रम तोडावा धिंह
सुरज थईने सिंह, जग्ग पधार्या जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप मृत्यु पामेल सांगा गोड नुं रुप लई सारण ने कामळी देवा आवो छो..क्यारेक युद्ध मां सहीद थयेल चांपराज वाळा नुं रुप लई घोडो आपवा आवो छे..क्यारेक कोई मुरख चारण धर्मि क्षात्र नी टेक तोडावा सिंह मागी बेहे तो हे नारायण तुं सिंह नु रुप धरी सांसाजी ना हाथे कान पकडावी उभो रहे छे..चारणो माटे तमारे वारमवार धरती ना धक्का थाय छे..अने छतां ए गुंण याद राखी जे चारणो आप ने वंदना नथी करी सकता ए गुंणचोर ने पण दरगुजर करो छो..आप नी महानता ने मारां नित्य वंदन छे...

[9:17 AM, 10/14/2018]

देव रोगी डरपोकने,तो, उर उग्यानीज आस
आप तणों अजवास, जडीबुटी सम जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण रात्री ना अंधकार थी जे लोको डरे छे तेने अने जे रोगी ने मोत नो भय होय छे तेने अंधारुं आकरुं होय छे..एने तो आप ना उदय थी जे अजवास थाय ए जडीबुटी जेवो लागे छे..जडीबुटी तो खावी के लगाववी पडे तो आराम थाय पण आंमने तो आपनुं तेज जुने के तरत भय मां फरक पडीजाय छे..आपनुं अजवाळुं असक्तनेय जोम भरनारुं छे.. मारां आपने नित्य वंदन छे..

[5:34 AM, 10/15/2018]

उजळुं आ जग आपथी, लाव अनेरा लेत
हैडे तुं पर हेत,जनम भुमी सम जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ जगत आपना थकी उजळुं छे..जेथी जिवन ना अनेक ल्हाव लई सके छे..तेथी हे नारायण जेटलुं जनमभोम पर हेत होय तेटलुंज आप पर छे..आपने मारां नित्य वंदन छे.

[8:17 AM, 10/15/2018]

सातम आतम संचरे, सगती चाक सहस्त
ज्यो सुर आभे आभे,मां तव ज्योत महस्त

हे जगदंबा सातम ना भगवती मोगल..भगवती करणी आदी अनेक जगदंबाओ नो जन्मदिन थयेल ते दिन आतमो सहस्त चाक मां परिभ्रमण करे छे..त्याते त्यां नुं तारी ज्योत नुं ओजस महस्त सुर्य (ज्योतिष नुं तेरमुं नक्षत्र जेने हस्त नक्षत्र तरीके पण ओळखे छे जे नक्षत्र नो स्वामी सुर्य छे)समान होय छे..तेवी हे भगवती आप ने तथा आप ना ज्योत ना ओजस रुप नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:57 AM, 10/16/2018]

सातम आतम संचरे, सगती चाक सहस्त
ज्यो सुर आभे जोगडा,मां तव ज्योत महस्त

हे जगदंबा सातम ना भगवती मोगल..भगवती करणी आदी अनेक जगदंबाओ नो जन्मदिन थयेल ते दिन आतमो सहस्त चाक मां परिभ्रमण करे छे..त्याते त्यां नुं तारी ज्योत नुं ओजस महस्त सुर्य (ज्योतिष नुं तेरमुं नक्षत्र जेने हस्त नक्षत्र तरीके पण ओळखे छे जे नक्षत्र नो स्वामी सुर्य छे)समान होय छे..तेवी हे भगवती आप ने तथा आप ना ज्योत ना ओजस रुप नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[9:14 AM, 10/16/2018]

आठम वंदुं आईने,अरु, देव दुजो नत द्वार
जळ सुरज अने ज्वार, जगदंबा ने जोगडा

हे जगदंबा आजे अाठम ना आप ने तथा जे देव नित्य द्वार पर दरसाय छे तेमने हुं वंदन करु छुं..तथा ई नारायण ने जळ अने आप ने नैवध ज्वारुं छुं..हे जोगमाया भद्रशक्ति महामाया मारां आपने तथा सुरज नारायण ने नित्य वंदन छे.

[5:12 AM, 10/17/2018]

वार्यो रण मार्यो वळी,खार्यो जुद्ध खडग्ग
जग्ग धार्यो सुर जोगडा, दइ तार्यो हथ दग्ग

हे भगवान सुरज नारायण विभूतीयोग मां कृष्ण वचन प्रमांणे आप बंन्ने एक छो..तो हे सुर्य कृष्ण नारायण कर्ण ने जन्म पण आपे आप्यो,कुंति पुत्र होवानो भेद खोली रण मां वार्यो पण आपे,ईंन्द्र मागवा आवसे कही खार्यो पण आपे,अर्जुन ने पीठपर घा करवा कही मार्यो पण आपे, अने हे जगपती..पोतानी हथेळी मां दाग दई ने तार्यो पण आपे..हे नारायण आप जगत ना सर्व कर्णो ना कार्य ना कारण रुप छो आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[8:03 AM, 10/18/2018]

ई ओटो ए ओसरी,ऐ,घमर वलोणां घम्म
जळ झारे बा जोगडा,ई,पूजा सूर परम्म

हे भगवान सुरज नारायण अमांणे उघरोज ए अढी हाथ उंचा ओटो अने एनी माथेय बे हाथ उची पडथारे ओसरी मां परोढीये वांह नुं घमर वलोंणुं गाजतुं होय वासीदां वळाई ने सुंडला उकरडे नखाई ग्या होय..ए टांणे खंचाळी बाजुं उभां रही ने बा जे आप ने जळ चडांवतां एवी आत्मियता वाळी पुजा मने बिजी कोई नथी लागी नारायण मारां आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[11:14 AM, 10/19/2018]

निंदरीयुं ये नांगळ्यां,, वट्ट नैंणा तट्ट वांण
जट्ट भाग्यां हट्ट जोगडा, भट्ट देखी नट्ट भांण

हे भगवान सुरज नारायण निंदर नां भरेलां वहांण वट थी आंखडीयुं ना आरे नांगळ्या हता..पण ज्यां भोर समये भट दई ने हे नटराजन आपे आभनुं कमाड खोल्युं ने नवेखंड अजवाळुं पथरायुं ए जोई ने चोर नी जेम जपट करी ने ए निंदर ना वहांण भागीग्यां...हे नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:32 AM, 10/20/2018]

पंखिय जागी प्रोढना, कलरव आभ करंत
जा सुर घेरोय जोगडा, ध्रम थंभ पाव धरंत

हे भगवान सुरज नारायण प्रोढ ना समये सौ प्रथम जागी ने मिठो कलरव करे छे..एना घेरा मिठा सुर डोलता हे धर्म ना स्थंभ रुप नारायण आप धीरे डगले आभ मां उदित थाव छो..आप ने माराॅ नित्य वंदन छे..

[6:49 PM, 10/21/2018]

रांण भलो भिमरांणथी, प्रगट्यो ई परमांण
जस गाथा इळ जोगडा, गाय दसो दीश गांण

हे भगवान सुरज नारायण चारण रुपी आकाश मां भगवती रुपां आई राजबाई नी कुंखे थी भिमरांणे आई मोगल रुपे जे सुर्य नो उदय तेनां यसोगान दसेय दिशायुं गाय छे..मारां आपने नित्य वंदन छे..

[7:34 AM, 10/22/2018]

छोरुं ने सुवडावियां, रेटो ओढाडी रात
पाछुं दइ परभात, जग्ग देखाड्युं जोगडा

हे भगवती महाशक्ति तें अमुंने तारा छोरुंडां ने रात रुपी काळो रेटो ओढाडी ने ढबुरी ने सुवाडी दीधेल..पाछुं तेंज तार ओजस ना अंश रुप सुरज रुपी तेज मुकी प्रभात कर्युं अने अमने जगत देखाड्युं एवी जोगमाया तुने तथा तारा अंश रुप नारायण ने मारां नित्य वंदन छे..

[7:32 AM, 10/23/2018]

पिळा पटानी पांभरी,जांणे,रायवर बांधी रांण
जळक्या आभे जोगडा,आ,भुप होंशीला भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप नो उदय जोतां एम लाग्युं के जांणे कोई होंशीलो वरराजो पिळी पांभरी जळकावतो हळवे डगले मलकतो मलकतो हाल्यो जातो होय..एम धीरां डगले आप अने आ पंखीडां नो कलरव जानडीयुं ना गांणा जेवो लाग्यो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:28 AM, 10/24/2018]

आप उपन्यो आतमो,करव्यां सघळां क्रम्म
जळ नभ वायु जोगडा,धर सुर अगनी ध्रम्म

हे भगवान नारायण आपेज आत्मा उपजाव्यो अने पछी आपेज बधां कर्मो कराव्या..वळी आपेज जळ आकास वायु धरती अने सुर्य अग्नी रुप तेज बनी आखो खेल रचायो छे..छतां आपनो अंश आतमो घणीं वखत आप ने अणुं अणुं मां नथी जांणी सकतो..नित्य सवारे उदय पामी आप सामे आवो तोय वंदन पण नथी करी सकतो ई आत्मा ने जोई आप हळवुं हास्य करता हस्यो ए अमोने अंदेसो छे नाथ..मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[7:36 AM, 10/25/2018]

सांसा सांपा ने सांगनी, रांण रखेली राज
लोपे पापी लाज,तो,जाळवजे तुं जोगडा

हे भगवान नारायण जेम आपे सांसाजी,चांपराज,सांगाजी गोड तथा पोताना पुत्र कर्ण नी खातर धरती पर आवी रखरखावट राखी तेम हे नारायण आ धरती पर कोई पापीया कोई बेनुं दिकरीयुं सामे कुडी नजर करी एनी लाज लोपे तो हे नाथ एनेय आप उगारजो मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:49 AM, 10/26/2018]

नित नवा तुं नाथजी, सुर सजे सणगार
वण रुकी वणजार,जुग थी हाले जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नित नवा नवा सणगारो सजी नवाज स्वरुपे उदय पामो छो..अने..एक सरखो सुरज क्यारेय कोय नो उगतो नथी एवी लोकोक्ति पण छेज..आम हे नाथ आप नी युगोथी आ वणरुकी वणजार चाली आवे छे छतां आप कोयदी आ सेवा कर्मथी थाक्या नथी अने एज प्रेरणादायी ओजस लई ने नित्य जगत मां जोम भरोछो..आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[5:38 AM, 10/27/2018]

नारायण चारण नमी, इज सेवे अरमान
जिवतर आखुं जोगडा, सुरज राख स्वमान

हे भगवान सुरज नारायण अमुं आप ने नित्य नमन करी ए अरमान सेवियेे छीये के हे नाथ अमारुं स्वमान जिवन भर जळवाई रहे..हे नाथ एज आरदा सह मारां आपने नित्य वंदन छे..

[7:15 AM, 10/28/2018]

खेलवतो नभ खंतथी, कास्यप नंद केकांण
जोइ खिले धर जोगडा,भोर समे धिय भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप आभ मां पोताना घोडा खेलवता होय छो..अने पोताना बाप ने आसमाननी उंचाई पर जगत ने अजवाळतो जोई कई दिकरी राजी न थाय? माटे रोज सवारे आपनी दिकरी धरती आप नो उदय जोई खिली उठे छे..अने आप ई दिकरी ना चेहराने खिलववा रोज सवारे पाछा नभपर झळको छो..आ बाप दिकरी नी रुडी रमत युगोथी चाली आवे छे..आप बंन्ने ना अविरत हेत ने मारां नित्य वंदन छे..

[8:11 AM, 10/29/2018]

पूत तणे घर प्रेमथी,भोजनियां लइ भांण
जो दिपता नभ जोगडा, रस्स मधुरा रांण

हे भगवान सुरज नारायण अत्यारे दक्षिणायन नो समय चाले छे,अने दक्षिण दिशा नो दिग्पाळ आपनो पुत्र यमराज छे..अने यमनी पत्नी धुमोरनां पण सासु रनांदे ने आदर्श मानी जिवनार छे..एटलेतो एना नाम मां पण पाछळ रनां छे..ई पुत्रवधु ना हाथ ना धिंगा रोटला जमी हे नाथ आप आकासे आव्या छो..ई सितळतानी अमे धरतीपर अनुभुति करीये छीये हे जिवन रस थी मधुर थयेल नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:37 AM, 10/30/2018]

अळगा करे न आंखथी,आ, लागणीयाळो लेश
ज्यां पण जायें जोगडा,त्यां, हाजर सूर हमेश

हे भगवान सुरज नारायण ..जगत पिता तरीके आपनी लागणीं अनन्य छे..आपना छोरुडां एवां अम धरती ना बाळ ने आप क्यारेय आंख थी अळगा नथी करता..अमे गमे त्यां जईये.. इयां भले कोई ओळखीतुं होय के न होय पण हे नाथ आप तो त्यां हमेशा हाजर होई अमने क्यांय एकलता लागवा नथी देता.. आंखथी क्यारेय आप अळगा नथी थावा देता आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[4:06 AM, 10/31/2018]

घणमूला तव घोडला,सुरज रांणा सात
जे ईंण माहे जोगडा, र त घुमे हण रात

हे भगवान सुरज नारायण रात ने हणनारा आप ना सातेय घण मुला अश्वो नो रथ आ माहे (महीने) र अने त एटले के तुला राशी मां भमे छे..ज्योतिष नी भाषाये निची गणांती राशी होई तुला राषी मां न केहतां र त कही ने आप ने वंदना करी जग कल्याण नी आरदा सह हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:39 AM, 11/1/2018]

हंस पवंगा हावळ्युं,इतो, रात भगावण रांण
जग्ग जगावण जोगडा, विर दसो दस्य वांण

हे भगवान सुरज नारायण (हंस पण सुर्य नुं नाम) आप नी वीरता तो कंईक जुदीज छे..आप ना उदय नी पेहला आप ना अश्वो आभमां आवतां पेहला जे हावळ दिये छे एनाथीज रात्रीतो डर नी मारी पलायन थई जाय छे..अने आप ना आव्याथी जगत आखुं जागे छे ने दसेय दिसा मां अजवाळां पथराई ने रुडु वांणु वाय छे..

[7:28 AM, 11/2/2018]

ईरखा चारण अंगसुं, कास्यप नंदन काढ
ज़ह वधे जग जोगडा,बळ अनेरुंय बाढ

हे भगवान सुरज नारायण अमे चारणो तो आपना दोईतर पखे केवायें..माटे हे नाथ अमांणी वरण ना अंतर आत्मा मां क्यांय जो एकता मां बाधक एवी ईरखायुं भरी होय तो एने बाळी ने राख करो तथा एवुं अनेरुं बळ बाढावो के जगत मा जह मेळवी यसस्विता ना पगले आगळ वधीये..हे जगत अजवाळनार नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[6:18 AM, 11/3/2018]

माधव शुं बउं मागवुं,तुंतो, किवडो दाता कान
जोउं तुने नित जोगडा,ई भाग्य दिधां भगवान

हे काळीया ठाकर मारे विशेष तारी पांहे शुं मागवुं? तुं तो केवडो मोटो दातार छे...मारा माटे ईज काफी छे के हुं तने नित जोई सकुं मेहसुस करी सकुं एवां तें भाग्य दिधा छे ई काफी छे..मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[6:42 AM, 11/3/2018]

तिमिर हणें पण नव तजे, मिहिर कबुं मरजाद
जाते ढळता जोगडा,तमुं, सुणीं निशाचर साद

हे भगवान सुरज नारायण आप तिमिर एटले अंधकार ने हणों छो पण कोयदी एना मद मां आवी मरजाद नथी चुकता..ज्यारे निशाचरो नी भुख नी पीडा नो नाद सांभळो छो त्यारे तेमना माटे आप जातेज पस्चिम मां ढळी ने निशा ने आववा नो अवकाश आपो छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:11 AM, 11/4/2018]

नट नारायण निकळतो,पर काजे परमेह
जाळक ठारक जोगडा, विध विध भजवी वेह

अवर ने अजवाळवा, नाराण थइने नट्ट
जातो रमवा जोगडा, पवंग चडी नभ पट्ट

हे भगवान सुरज नारायण आप नट बनी ने आभ ना पड़ मां नित्य बिजां ना रंजन माटेज अवर ने अजवाळवाज पोते घोडे चडी ने नित्य रमत्युं मांडो छो..जेमां क्यारेक सितळता वेरी ठंडक नो तो क्यारेक भिसण तडको तपी अगनजाळ नो वेह भजवो छो..तेवा हे महानट नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[3:52 AM, 11/5/2018]

सुरज तुं सिखवाड़तो, परिव्रतन ना पाठ
जेमांय रहेतोे जोगडा, ठवको तमणों ठाठ

हे भगवान सुरज नारायण आप रुतु प्रमांणे पोतानी गरमी ठंडी वगेरे परिवर्तित करी ने जगत ने सिखवो छो के परिवर्तन संसार नो नियम छे..किया माहोले केवुं रेहवुं.. सुरज छीये तो अकड थई ने सियाळामां पण गरमी न कर्ये रखाय त्यां सितळ रेवुं..वगेरे सिख जगतने आपो छो..छतांय आपनो ठाठ जरीये उतरतो नथी देखातो..हे बिहेवीयर मैनेजमेंट नी स्कील ना महारथी मारां आपने नित्य वंदन छे ..

[7:46 AM, 11/6/2018]

धार विचारां धोधसी,घट, ग्रजे पवितर गंग
जीभ कहे सुर जोगडा, अमल चडे सब अंग

हे भगवान सुरज नारायण अमारा विचारो नी धार धोध समान थवा मांडे छे अने ए पण गंगा समान पवित्र विचारो होय छे..ज्यारे आप नुं नाम मात्र जिभ पर प्रवर्ते छे त्यांतो तेनो अमल जेवो नशो अंगेअंग मां व्यापी जाय छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[9:27 AM, 11/6/2018]

लई ने हाथ लविंगीया, शेरीय निकळ्या सूर
ज्योतोत्सव नो जोगडा, आनंद छायो ऊर

हे भगवान सुरज नारायण आजे ज्योतोत्सव(ज्योत जलावी मनावातो उत्सव,दिवाळी) ना पावन प्रभाते जांणे के आप हाथ मां लविंगीया लई आभ नी शेरी मां निकळ्या हो अने ए लविंगीया नीचे नाखता जताहोय एना नाना नाना धडाका धरती पर फुटता जोई आप राजी थता होव एवो आजनो सूर्योदय आनंद छलकावी रह्यो छे, मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:18 AM, 11/7/2018]

नुतन वर्ष नारायणा,आ ,पाय हुं लगत पतंग
जिवन उज्वलक जोगडा, रांण दियो शुभ रंग

हे भगवान सुरज नारायण नुतन वर्ष ना हुं आप ने पाय लागी ने वंदन करुं छुं..आप आशिस मां जिवन ने उज्जवल करनार शुभ रंगो भरो आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[6:13 AM, 11/8/2018]

द्वीज अयो नभ द्विज तुं, भ्रात सरुपो भांण
जांण बेनी सम जोगडा,वालप झरतुं वांण

बउ हेते आज बेनडी,भाइ टिले जो भांण
जम्म वेडे नई जोगडा,ई, यमुना केरी आंण

हे भगवान सुरज नारायण आज द्विज एटले बिज ना दिवसे आप द्विज (कस्यप ऋषी ब्राह्मण एटले द्विज होई आप पण द्विज)भाई स्वरुपे आभ मां हेत भर्या आव्या एथी आ परोढ पण बेन ना वात्सल्य जेवुं सितळ लागे छे..भाई बिज नी सरुवात पण आप ना घर थीज थयेल.. आपनी पुत्री यमुना पोताना भाई यम ने बोलावती रही पण व्यस्तता ने कारणे भाई बेनने मळवा जई न सकतो..आजे यमराज बहेन यमुना ने आंगणे अचानक आवेल वे हरखभेर यमुनाये भाई ने तिलक करी जमाड्या..तथा कह्युं के आजे दे बेन स्नेह थी भाई ने तिलक करी जमाडे ए ने आप नो भय न रहे..यमराजे ई स्विकार्युं..त्यारथी आज दिन सुधी ए परंपरा चाली.. आम भाई बहेन ना हेत वधारवानी परंपरा देनार परिवार ना मोभी नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[8:04 AM, 11/9/2018]

क्रोड दिवे नव कोळता, रज नव बदले रंग
जपट खिलंता जोगडा, पंकज देख पतंग

हे भगवान सुरज नारायण हजारो दिवाओनी के आघुनिक रोसनी करवा मां आवे पण कमळ नुं पुष्प एनो रंगे बदले नई एतो मात्र आपनो उदय थाय त्यां झपाटा भेर अमारां हैया नी जेम खिलखिलाट करतुं कोळे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[8:06 AM, 11/10/2018]

दस अवतारो दरसीया,राम कृष्ण बुध रांण
जुद्ध हजारो जोगडा,भयां दिठां सुर भांण

हे भगवान सुरज नारायण आप एटला आदी समय थी छो के हुं तो आदित्य एटले अदिती पुत्र केहवाने बदले आदी (सरुवात ना काळ थी)ईत्य(ईति एटले अंत सुंधी रेहनार) मानु छुं के जेणे दसेय अवतारोय जोया छे. अने हजारो जुद्ध पण तेमांय आ कार्तिकमास (कार्तिक=स्कंध ,महान जोधो)(महाभारत नुं जुद्ध पण कदाच आ अरसामां,नवा संसोधन प्रमांणे 22 नवेम्बरे)जुद्ध नो महीनो अंधकार हटावनार महाजोद्धा आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:40 AM, 11/11/2018]

मन क्रम वांणी सुं मिंहिर, प्रभुं करुं ना पाप
बस मुंज इतरुं बाप, जाळवजे व्रत जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण हुं मन थी कर्म थी के वांणीं थी कोई पण पळे हे प्रभु पाप कर्म न करुं.. हे बाप बस तुं अमारुं एवुं व्रत जळवावजे..मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[10:38 AM, 11/12/2018]

रांदल ने हथ राखीयो,व्योम धर्णी व्यवहार
आप रह्या आधार,जिवा दोरी नो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आपे आपना जिवन मां सामाजीक व्यव्हारो मां हाजरी देवा वगेरे नो व्यवहार रांदल ने हाथ सोंप्यो छे,(एटले तो गमे त्यां जुवो रांदल तेड्या ना प्रसंगो होय..सुरज तेड्या ना नई)अने पोते आभमां कार्यरत रही ने दिकरी धरती तथा एना बाळको वगेरे नुं भरण पोसण करो छो..आप नी बाप तरीके नी फरज पुर्ति ने मारां नित्य वंदन छे..

[4:28 AM, 11/13/2018]

मय तनया पत मारणो, भरण जगत हर भार
जिंण वंशक हरी जोगडा, चडीया नित्य चितार

हे भगवान सुरज नारायण आपना भाई मय दानव (कस्यप पुत्र मय)नी पुत्री मनोहरी ने ना पति दानवराज रावण ने मारनार तथा जगतनुं भरण पोषण करनार तेमज भार हरनार श्री राम पण जेना वंसज छे एवा वंश सुर्य वंश ने सरु करनार वंशक एटले आप सुरज नारायण ने हुं चडीयो नित्य चित्त थी प्रित्तपुर्ण वंदन करुं छुं.

[6:39 AM, 11/14/2018]

चुकवा मांड्या चारणो, साचोय मारग सूर
एने जोतर हारे जोगडा, ध्रम नी मंडो धूर

हे भगवान सुरज नारायण चारणो एमनो साचो मारग चुकवा मांड्या छे..हवे एमने जोतर साथे नुं धर्म नी धूर एटले के धुंहरुं कांधे मुकी ने पाछा एमना साचा चिले वाळो नाथ..आकास चारी चारण नीचे आव्या पछी हवे नीचोज उतरतो जई रह्यो छे..एने उध्वगामी करो नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:54 AM, 11/15/2018]

बाई हवे नित बेहजे,आसन कलमे अंब
चडीयो वंदे चंडिका,ज्योत नभां जगदंब

हे श्रीमद दैवि भाग्वत मां वर्णवायेल आदि मध्य अंत नी कारीणी महाशक्ति..भगवती आध्य अंबिका जेम माता लक्ष्मीजी कमल आसनी छे..तेम तुं अमारी कलम पर बिराजी ने कलम आसनी बनो..अने दैवि आराधना करावो..निज स्वारथ कारण कोई नस्वर देहधारी मनुस्यो ना गुंणगान अमे न करीयें..अने हे मां चंडीका हुं चडीयो नित्य आप ने आभ मां सुरज नामे ज्योति स्वरुपे आपनां दर्शन करी ने वंदना करुं..आदि शक्ति ना ज्योत स्वरुप भगवान नारायण ने मारां नित्य वंदन छे..

[11:12 AM, 11/15/2018]

सूरज तुं संभाळजे,दिनकर अमणीं दोर
जुग कळी नुं जोर, जरी न हाले जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण हे दिवस ना करनार नाथ तुं अमारी दोर तारा हाथे संभाळजे..जेथी कळजुग नुं कोई जोई जोर न हाले..अने अमने ई डगावी न सके..मारां आपने नित्य वंदन छे..

[5:59 AM, 11/16/2018]

भयथी मांड्यां भागवा, तिमिर रिया दळ ताक
ज्यां नभ आवी जोगडा,तें, हंस ग्रजावी हाक

हे भगवान हंस नाम सुरज नारायण, ज्यां आपे आभ मां आवी ने खोंखारी ने हाक बोलावी त्यां..अंधकार ना दळ कटक भय थी भागवा मांड्या हे अंधकार मिटावी अजवाळां पाथरनार नारायण अमारा अंतरात्मा मां पण एमज प्रकासो..मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[4:25 AM, 11/17/2018]

आदित खोळे आभने, रमत्युं करतो रांण
जननी पांहे जोगडा, भलो दिपंतो भांण

हे भगवान सुरज नारायण समग्र द्रस्य अद्रस्य तमाम सृस्टीुं विसाळ सुन्य एवी आभ रुपी माता ने खोळे प्रगटी छे,ई विश्व माता ने खोळले सुरज नारायण रमता रुडा लागो छो,मारां आपने नित्य वंदन छे.

[9:04 AM, 11/18/2018]

अंबर भू जिण आई ना,एक दिवे अजवास
जाप इ जोगण जोगडा, मोगल बारे मास

हे भगवाब सुरज नारायण आप जेना दिवडा नी ज्योत छो..के जे एकज दिवे आखा आभ अने धरती पर अजवाळा पथराया छे,ई आई मोगल के जे ने हुं बारे मास जपतो रहुं छुं..ई आई तथा आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:12 AM, 11/19/2018]

आदित थापन आभमां,जांण्य पुरांणुंय जिव
ज्योतिर्लिंगम जोगडा,सुर द्रस्यो नभ शिव

हे भगवान सुर्य नारायण अमे पृथ्वी पर ज्यां रेडीयेशन नी मात्रा वधु छे ते केन्द्रो पर शिवालय ने जळ चडावी ज्योतिर्लिंग तरीके पुजी रेडीयेशन थी बची सकीये छीये..तथा हे नाथ एवुं तेरमुं ज्योति स्वरुप शिवलिंग आजे अमने आभ मां देखायुं दे युगो पेहला स्थापना थयेल छे..जेना अंदर छुटता तेज थी आ आखी धरती पर अजवाळुं प्रसरे छे..अने जिव सृस्टी नो ते आधार स्तंभ शिवलिंग एटले तेरमु ज्योतिर्लिंग कही सकाय एवा भगवान सुर्य नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[9:40 AM, 11/20/2018]

नई खंभो नई खितिंयु, नई टेको के नई तार
एकज सत्य आधार, जळके सूरज जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप कोई पण स्थंभ ना के खिंति ना के टेका ना के तार ना आधार विना आभ मां स्थित छो अने जराय डगता नथी कारण के आप ने आवा बाह्य आधार नी जरुर नथी आप ने आप ना सत्त नो आधार छे.. एवा हे सत्वमुर्ति नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:19 AM, 11/21/2018]

दुर घणा छो दिनकरा,तमे, कस्यब लाखुं कोह
मिहिर पिता नो मोह, जोई रियो धर जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप तो महा तेजस्वी तपस्वी छो,अने धरती थी लाखो कोस दुर छो..पण हे नाथ आ धरती तमारुं अंग छे..दुनीया ना दरेक मोह छोडी सकाय पण दिकरी ना पिता तरीके ना मोह ने तोडवो एटलो स्हेल नथी..आप लाखो कोस दुर होवा छतां ई धीडी धरती ने जोवा नित्य निकळो छो..आप ना ए पितृ प्रेम ने मारां नित्य वंदन छे.

[8:56 AM, 11/22/2018]

आभलीये अंधकारनी,ठवकी जामी ठठ्ठ
जाय भागी ए जोगडा, लेतांय सुरज लठ्ठ

हे नारायण आभ थी धरा सुधी अंधकार नी ठठ जामेल हती पण ज्यां आपे हाथ मां अजवाळा रुपी धोको लीधो त्यांतो जेम नीचा नमीने ढेखाळो उपाडतां कुतरां नुं टोळुं वेराईजाय एम अंधारु पुंछडी दाबी ने भाग्युं...
हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:45 AM, 11/23/2018]

कोटी वरहो थी करे,तारी, प्रथमीय परकम्मा
खग्ग घणींय खम्मा, कइ, जळ चडावुं जोगडा

परकम्मा ग्रह ने प्रथी,जे, कास्यब री करनार
गगन ना गीरनार, तुने, ज्वारे चारण जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ घरती पर एवां अनेक तिर्थ छे जेनी परिक्रमा कर्ये पुन्य मळे छे..पण हे नाथ ए बधां तिरथ सोती पृथ्वी अने अन्य ग्रहो आपनी परिक्रमा करे छे,एवा हे गगन ना गिरनार मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[4:27 AM, 11/24/2018]

यक्ष ईन्द्र अरपत अरघ,गंध्रव किन्नर गांण
जपता चारण जोगडा, ऋषी रटत नत रांण

हे भगवान सुरज नारायण तमने यक्षो देवराज ईन्द्र आदी अरघ्य धरे छे ,गांध्रवो अने किन्नरो तमारा गांण करे छे..तमने चारणो जपे छे तथा सिद्ध अने ऋषीयो तमारु नित्य रटण करे छे तेवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:44 AM, 11/25/2018]

भरमाजीये भाळीयुं, नोखुंज तुज मां नूर
जोई रह्या जग जोगडा, साक्षी भावे सूर

हे भगवान सुरज नारायण ब्रह्म पुराण मां सुर्य प्रसंग वर्णवता ब्रह्माजी मुनिवरो (चारण)अने ऋषीवरो (ब्राह्मण) ने कहे छे के जे आदी अने अनंत छे तथा जमना समान सर्व ने मोक्ष देनार कोई देव नथी तेवा सुर्य नारायणे जे गोपनीय उपदेस नारद ने आपेल ते हुं तमने कहुं छुं..एम कही सुर्य ना नोखा नुर ने वर्णव्युं..तथा जे जगत ने सारु के नरसु कंई कह्या सिवाय मात्र साक्षी भावे जुवे छे तेवा परम सिद्धस्वरुपा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:42 AM, 11/26/2018]

कही महिमा मर्कंड कहे,राज व्रधन भज रांण
जप धुप चंदण जोगडा,खग करुणा की खांण

हे भगवान सुर्य नारायण मार्कंडेय पुरांण मां.. राजा राज्यवर्धन ने ज्यारे अजांण्यो भय सताववा लाग्यो मृत्यु नो डर रेहवा लाग्यो त्यारे मार्कंडेय मुनीये तमने कह्युं के राजन आप सुर्य नी उपासना सरु करो ई आत्मानो देव समग्र भय थी मुक्त करसे..तेना जप करो अर्घ धरो के चंदन ना धुप करो..गमे ते रीते तेनी आराधना आत्मबळ वधारनारी छे..तेवा हे आत्मबळ ना दाता मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:42 AM, 11/27/2018]

नांभी सुरज हो नभे, गोरख सिखवे गीत
जोग सिधी नी जोगडा, रांण नभे वह रीत

हे भगवान सुरज नारायण गुरु गोरख नाथे हठयोगदिपिका मां कह्युं छे के सुर्य नो वास नांभी मां छे..अने नांभी शब्द अपभ्रंस छे..साचो अर्थ नभी..अर्थात जेना आधीन बधुं नभी रह्युं छे..तथा नभ एटले आकाश..जोई नभी नभ तरफ राखी योग साधना करो तो ते सिद्धी दाता छे..कारण नांभी नो सुर्य उपर होय तो ताळवाना चंद्र नुं चक्रभेदन बाद टपकतुं अमरत व्यर्थ नथी जतुं... ए आप नी नभ रीती अमारा योग मां नभी रहे ते हेतु हे योगसिद्धी प्रदान करता नभी नाथ नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:11 AM, 11/28/2018]

अण सुवारथ आपतो,भांण न चाहत भोग
जोड अजोडण जोगडा,ऐक करे ईज योग

हे भगवान सुर्य नारायण आप विना स्वार्थ जगत ने बधुं आप्येज राखो छो..क्यारेय निवेध आदी कोई भोग धराववा नुं पण नथी माग्युं..आठम के नोंम ना सुरज ना निवेद एवुं कांय नई..हे नाथ अजोड रीते ब्रह्मतत्व मां जोडावुं अने एकाकार रेहवुं तेवो आप नो योग छे..ए कारणज कदाच आ अनंत दिव्य तेज छे..जे कोई ईंधळ विना प्रज्वलित छे..विज्ञान भले केहतुं होय के अग्नी नो गोळो छे..पण आग माटेय ईंधण गरमी ने ओक्सीजन त्रण वस्तु जरुरी छे..एवुं विज्ञानज कहे छे..अने त्यां ओक्सीजन नथी ए पण विज्ञान कहे छे..तथा नरी आग होय तो कोकदी राख पण उडे..ने उपर काळुं पड पण जामे...आमां युगोथी एवुं कांय नथी माटे हे नारायण विज्ञान आपने समजवा टुंकु पडे.. आपने मारा नित्य वंदन छे.

[6:09 AM, 11/29/2018]

फुग्गो बोल्यो फांकडुं,ई, लई हवा नो लाभ
जाय लई ने जोगडा,आ, अंदर छे ई आभ

फुग्गाये पोताना जीवन अनुभव ने फांकडी रीते व्यक्त कर्यो..के जे बहार छे ई नई...पण जे अंदर छे ई उपर लई जाय छे...

[30/11/2018, 9:16 am]

मेरुय दंड मिहीर तुं,प्रणवा कार पतंग
जावत आवत जोगडा,रांण धरी सत रंग

हे भगवान सुरज नारायण आप मेरुदंड (करोड रज्जु) मां प्रणवाकार (ॐकार ध्वनी) रुप स्थित रहो छो..अने आप ना तेजस्वी पिळा रंग बिजा आछा पडता छ रंगो उध्व तरफ जवुं आववुं करी योग ध्यान नो आहलादक आनंद आपो छो..मुलाधार ने बदले सुर्य चक्र थी परत थवाना योग ना अनेरा आनंद नी अनुभुती करावनार नारायी आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[5:16 AM, 12/1/2018]

चडिया जे जिव चाहता, कळजग मां कल्यांण
तो जुगती एकज जोगडा, रटवा जागीन रांण

नाम रटण नी नावडी,हवे, पोगाडे भवपार
जिभ बिराजो जोगडा, कळजूगे किरतार

हे भगवान सुरज नारायण सतयुग द्वापर अने त्रेता मां वर्षोना वर्षो तपस्या करे त्यारे जीव नुं कल्यांण थतुं पण आपे आपेल वचन प्रमांणे कळजुग ना सारा पासा तरीके जे जीव आ कळी काळ मा मुक्ति रुप कल्यांण चाहे छे एणे नित्य जागीने मात्र खरा मनथी आपनुं नामज लेवानुं छे.ए क्रम जाळवे ई हाजरो वर्ष नी तपस्या बरोबर फळ गणाय छे.. जेना नाम नी नाव भव सागर तारी दे ऐवा नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:47 AM, 12/2/2018]

गगन वसे पण नव ग्रहे, आदित रांण अखाध
एथीज आद अनाध, जुग थी जळके जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अहीं तो लोको मांड उपर उठे त्यां हवा मां आवि जाय छे..अने न खावा न पीवा नी वस्तुओ ग्रहण करवा मांडे छे...पण आप तो ठेठ आकाश नी उंचाईये गगन मां नित्य वसो छो..छतां कोई आछकलाई नथी आवी के अखाध ग्रह्युं नथी तेथी आप आदी अनादी जुग थी जळहळी रह्या छो..आपनी धर्म निष्ठा ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:31 AM, 12/3/2018]

पेट भले परमेहरा,रहे, आतम नुं अभिमान
पण
पाखंड ना परमान, जरी न रेज्यो जोगडा

हे परमेहर भगवान सुरज नारायण अमारी अंदर भले आत्माभिमान रहे के अमारी जीभे शारदा अने मस्तक मां वेद छे एटले ई मस्तक ज्यां तत्व न भाळे त्यां नमे नई ऐ जरुरी छे भले एने लोक अभिमान मां खपावे...पण हे नाथ मनमां श्रद्धा न होय एवे ठेकांणे नमन करी ने विनय देखाडुं एवो पाखंड मने जरीये न देतो ज्यां हुं नमन करुं त्यां मात्र देह नई पण आत्माथी वंदनाओ करुं..जेम रोज नर काव्य नई पण नारायण काव्य करी आप ने सरणे नमुं छुं...हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[6:38 AM, 12/4/2018]

एक अडा़बीड आभमा, अड़ीखम आव्या आप
एनो ज्योत ढंढेरो जोगडा, पिटतांय भाग्या पाप

हे भगवान सुरज नारायण आ अंधारी रात मां भय पमाडे तेवा हजारो तारोडीया दांत काढी रह्या हता..चोर ने दुष्कर्मी वगेरे नुं साम्राज्य जांणे के छवायुं हतुं निशाचरो खुल्लेआम फरी रह्या हता..पण अडीखम एवा आप ज्यां आभ मां आवी रह्या छो एवो ढंढेरो आप नी ज्योत रुप अंजवाळे पिट्यो त्यांतो ई बधा ने सावरनार अंधारुं सौथी पेहला भाग्युं अने पछी ए सर्वे भयथी भागी ने छुपी गया..हे पाप ने भय पमाडनार नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:25 AM, 12/5/2018]

ओछो ध्रम ने आंकवा, जेहमत करता जीव
जांखा न थासी जोगडा, सत्य सुरज ने शीव

हे भगवान सुरज नारायण हिंदु धर्म ने उंणो आंकवा हजारो वर्ष थी घणां विधरमी जीव जेहमत करी रह्या छे..पण हे नारायण अनेक भ्रम चितर्या तोय शिव ने ओछप नथी आवी..सत्य ने नथी आवी के न तो नारायण आप ने आवी...आप सर्वना सात्विक सामर्थ्य ने मारा नित्य वंदन छे..

[5:21 AM, 12/6/2018]

अवर न दाडी आवता, होय तुं सामो हेक
सीमा वळोटी छेक, ज्वार बिजा कां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अनेक देवो छे जे मां बिजा तो दाडी एटले कायम देखाता नथी पण आप एकज सामे होव छो..तो पछी गाम ,राज्य के देस नी सीमा ओ वळोटी ने सीद बिजा देवो ने जुवार करवा जावुं..आंगणे आवेल नारायण नेज केम न वंदवा..? हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[6:53 AM, 12/7/2018]

आलम नी अम ऊर मा, रहे न परवा रांण
जिवियें कायम जोगडा,भाव जगत मां भांण

हे भगवान सुरज नारायण आ दुनीया नी अने दुनिया नी विचार धारा के तेनी क्षुल्लक मानसीकता नी कोई परवा न रहे अने अमे ज्यां लगी जिवियें त्यां लगी दिव्य एवा भाव जगत मां जिविये ज्यां सतत आप सम देवा ना स्नेहाळ सानिध्य नी सात्विक अनुभूतियो थती रहे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[5:48 AM, 12/8/2018]

बळतो जळतो बारथी,पण, भेंतर भीनो भांण
जायां कारण जोगडा,तें, रूप धर्यां लख रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप युग युगान्तर थी जगत मां पुजाव छो.. प्रथम द्रस्टीये जोईये तो आप बहार थी तेज रुप अने भडका जेवा धगधगता लागो छो..पण ई तो जे बहार थी जुवे छे एना माटे.. आप भितर थी तो खुब भिना छो नाथ.. एटलेतो नोखां नोखां रुप धरी घणीवार घरती पर आव्या..छेल्ला पांच हजार वर्ष मांय.. कुंता माचे,कर्ण माटे,सांसा परमार माटे,चांपराज माटे,केट केटली वार आव्या, तथा आभमा पण क्यारेक सीतळ क्यारेक उष्ण थई जग कल्याण कज निकळो छो,एवा हे भिंतर भिना नेहभर्या नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:35 AM, 12/9/2018]

अजमळ जेवा अहरनुं, करत नाथ कल्यांण
जो निज चाहत जोगडा, रसण रटौ नित रांण

हे भगवान सुरज नारायण गीता मां विभुती मां कृष्णये कह्युं छे सुर्य छे ई हुं छु..तथा पोते विष्णु नो अवतार छे..अने आप नुं पण एक नाम विष्णु छे एवुं धर्मग्रंथो कहे छे..तथा हे नारायण अजामिल जेवा असुर ने नारायण केहवाथी आपे तारी लीधो,अने तेनुं कल्यांण कर्युं,माटे हे नर भक्तो जो पोतानुं कल्याण चाहता हो तो नित्य नारायण रटो,ई कल्याण करशे..हे कल्याण ना कारक नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:44 AM, 12/10/2018]

बेठो जगना बापजी,तुं, उंचेय आसण ऊर
जग तो परखे जोगडा, समजे ई इक सूर

हे भगवान सुरज नारायण आखी जगत नुं पोषण करनार बाप..आप अमारा उर मां एटले के अमारा ह्रिदय मां खुब उंचा आसने बिराजेल छो..आप जगत थी जुदा छो..जगत छे ई परखवाना पेंतरा करतुं होय छे..ज्यारे आप हेतु ने समजवा नी दिर्घ मति धरावो छो..एटलेज तो कोई पण गमेते भाषा मां आपनी स्तुति करे आप तेने पामी सको छो..कारण के भाव नी कोई भाषा नथी होती...आप नी महा समजण ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:45 AM, 12/11/2018]

साद दिधा वण सुरज तुं, वार्युं करतो वीर
जुवे न वाट्युं जोगडा, भगतां देखी भीर

हे भगवान सुरज नारायण द्रुपदा ने भीर पडी पांडवोय सहायक न थीया के भिष्म पण न थया..कृष्ण साद दीधो पछी कृष्ण आव्या..पण हे नारायण आ रात्री पोतानी सत्ता जमावी बेठी होय अने तारा भगतो जागी ने भुख्यां थ्या होय त्यारे आप आवी पोते व्हार करवी ए वीर नुं कर्तव्य समजी वगर साद दीधे आवीने रात ने भगाडो छो..हुं पद मां रही ने मने बोलावे पछी जवुं एवी तमाम औपचारिकता दुर रेहनार आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:38 AM, 12/12/2018]

शुभः फळांदत सुर है, सांभळ कंध सुजांण
जडधर योगी जोगडा,भोळे वरण्यों भांण

हे भगवान सुरज नारायण ज्यारे अजोड जोधो स्कंध (कार्तिक) भगवान शिव ने रविव्रत माटे पुछे छे त्यारे हे भगवान भोळा नाथे आपनुं वर्णन करी सर्व वंदनीय कही तमाम शुभः फळ ना दाता कह्या छे..तथा रविवार ना व्रत ने वर्णव्युं छे..तेम शिवजीये कहेल हे शुभः फळदाता मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:35 AM, 12/13/2018]

डग मग कबूं न नाथ दन, रग रग वैदिक राग
जग द्रग सुरज जोगडा, त्रग त्रग धरणी ताग

हे भगवान सुरज नारायण कदी न डगनार आप दिवस ना करनार नाथ छो एटले के दि ना नाथ याने दिनानाथ छो,सामवेद आप थी निकळ्यो एवुं ग्रंथो कहे छे..अर्थात आपनी रगेरग मां वैदिक राग भर्या छे,आप जगत नी नजर छो..तथा जे धरती आप नो नानकडा टुकडो छे..ई टुकडा पण पळता आ जीव मातर धरती ना खनीज वगेरे नो त्रागडा जेटलोय ताग नथी पाम्या ई आप नो शुं पामे..?
हे नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[6:46 AM, 12/14/2018]

दीप बती कर दिनकरा,धरुं गुगळ नुं धूप
जळ चडावीन जोगडा, रांण द्रसुं तव रूप

हे भगवान सुरज नारायण दिवो अने अगरबती सह गुगळ नुं धुप धरी आप ने जळ चडावी अने हे नाथ जेने कोई उपमा न आपी सकाय तेवा आप ना अनुपम तेजस्वी दिव्य स्वरुप ना दर्शन करुं छुं..हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:52 AM, 12/15/2018]

सुख भर रैंणा सोवियें,अने,ध्रापीन खायें धान
जरमर आशिष जोगडा, भांण भला भगवान

हे भगवान सुरज नारायण तमणां भला आशिष अम पर छे.. के आप अस्त थई रात्रि नुं सर्जन करो छो जेथी अमो सुखे सुई सकीये छीये..तथा प्रभाते प्रगटी प्रकास संस्लेसण द्वारा वनस्पति अन्न आदी निपजावो छो जेथी अमे भरपेट जमी सकीये छीये..तथा ताप तपी बास्पिभवन द्वारा समुद्रीजळ आभमां चडावी जरमर वरसाद रुपी आशिष वरहावी वरह भर नुं पिवा नुं पांणी आपो छो..आंम अन्न जळ अने उंध ना दाता हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[7:54 AM, 12/16/2018]

कोर रनां पत काढतां, नवखंड जळके नाथ
जागीन वंदुं जोगडा, हयग्रीव जोडी हाथ

हे भगवान सुरज नारायण रनांदे ना नाथ आप आभे कोर काढो त्यांतो नवखंड धरती मां अजवाळां थाय छे..हे हयग्रीव (सुरज नारायण रांदल ने गोतवा पृथ्वी पर अश्व बनीने आवेल एथी हयग्रीव =अश्वमुख) आप ने जागीने हाथ जोडी ने वंदन करुं छुं..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:11 AM, 12/17/2018]

सुरज वंदन छप्पय
रचनाजोगीदान चडीया

द्रग जगत्त दन करा, धरा उज्वल हर डग डग.
जग मगत्त जर हरा, परा प्रणवत नर पग पग.
लग भगत्त तम लरा, फरा रैयण पद फग फग.
तग तगत्त अग तरा, सरा ढंकण नभ सग सग.
जग वंदत चडीया जगत, ढग ढग दिंण तुंम घान धर.
लळ पग नत जौगी लगत, ठग ठग मत मन ठान ठर.

हे भगवान सुरज नारायण जगत ना द्रग नाम नयन समान आप हर कदमे जगत ने उज्जवल करो छो..जेथी जगत जळहळे छे, तथा आप नो प्रणव ॐकार ध्वनी परा नी पार थी तार सधवे छे,तिमिर तो लग भग लडथडी ने भागवा मांडे छे, अने रात्रेज डगलां दई सके छे ए पण फगता डग,ज्यारे आगीयां तग तगता होय छे,आखा आभने माथे जांणे पोते सुरज होय तेवो एने भ्रम थवा मांडे छे..के अमे लावो अजवाळु करीये..एवो भ्रम लगभग ने थतो होय छे पण हे नाथ आप मात्र अजवाळुं नथी आपता...अजवाळुं तो लाईट ना गोळाय चालता चलण जेवुं दई सके पण एनाथी धान न पाके..आप धरती पर धान ना ढग करो छो..अने चडीयो आप ने नित्य जागी ने वंदना करे छे..हे नाथ हवे मने ठगो नई..आप देखीता भले अगन गोळो लागता होव पण आप नुं नाम हैये लेतां जेवो ठारको थाय छे तेवा आप चित्तमां ठरो (थीर थाव) जेथी बधा अंधकार दुर थाय..मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[4:14 AM, 12/19/2018]

आदित थापन आभमां,जांण्य पुरांणुंय जिव
ज्योतिर्लिंगम जोगडा,सुर द्रस्यो नभ शिव

हे भगवान सुर्य नारायण अमे पृथ्वी पर ज्यां रेडीयेशन नी मात्रा वधु छे ते केन्द्रो पर शिवालय ने जळ चडावी ज्योतिर्लिंग तरीके पुजी रेडीयेशन थी बची सकीये छीये..तथा हे नाथ एवुं तेरमुं ज्योति स्वरुप शिवलिंग आजे अमने आभ मां देखायुं दे युगो पेहला स्थापना थयेल छे..जेना अंदर छुटता तेज थी आ आखी धरती पर अजवाळुं प्रसरे छे..अने जिव सृस्टी नो ते आधार स्तंभ शिवलिंग एटले तेरमु ज्योतिर्लिंग कही सकाय एवा भगवान सुर्य नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[9:40 AM, 11/20/2018]

आभलीये अंधकारनी,ठवकी जामी ठ्ठ
जाय भागी ए जोगडा, लेतांय सुरज लठ्ठ

हे नारायण आभ थी धरा सुधी अंधकार नी ठठ जामेल हती पण ज्यां आपे हाथ मां अजवाळा रुपी धोको लीधो त्यांतो जेम नीचा नमीने ढेखाळो उपाडतां कुतरां नुं टोळुं वेराईजाय एम अंधारु पुंछडी दाबी ने भाग्युं...
हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:45 AM, 11/23/2018]

कोटी वरहो थी करे,तारी, प्रथमीय परकम्मा
खग्ग घणींय खम्मा, कइ, जळ चडावुं जोगडा

परकम्मा ग्रह ने प्रथी,जे, कास्यब री करनार
गगन ना गीरनार, तुने, ज्वारे चारण जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आ घरती पर एवां अनेक तिर्थ छे जेनी परिक्रमा कर्ये पुन्य मळे छे..पण हे नाथ ए बधां तिरथ सोती पृथ्वी अने अन्य ग्रहो आपनी परिक्रमा करे छे,एवा हे गगन ना गिरनार मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[4:27 AM, 11/24/2018]

यक्ष ईन्द्र अरपत अरघ,गंध्रव किन्नर गांण
जपता चारण जोगडा, ऋषी रटत नत रांण

हे भगवान सुरज नारायण तमने यक्षो देवराज ईन्द्र आदी अरघ्य धरे छे ,गांध्रवो अने किन्नरो तमारा गांण करे छे..तमने चारणो जपे छे तथा सिद्ध अने ऋषीयो तमारु नित्य रटण करे छे तेवा हे नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:44 AM, 11/25/2018]

भरमाजीये भाळीयुं, नोखुंज तुज मां नूर
जोई रह्या जग जोगडा, साक्षी भावे सूर

हे भगवान सुरज नारायण ब्रह्म पुराण मां सुर्य प्रसंग वर्णवता ब्रह्माजी मुनिवरो (चारण)अने ऋषीवरो (ब्राह्मण) ने कहे छे के जे आदी अने अनंत छे तथा जमना समान सर्व ने मोक्ष देनार कोई देव नथी तेवा सुर्य नारायणे जे गोपनीय उपदेस नारद ने आपेल ते हुं तमने कहुं छुं..एम कही सुर्य ना नोखा नुर ने वर्णव्युं..तथा जे जगत ने सारु के नरसु कंई कह्या सिवाय मात्र साक्षी भावे जुवे छे तेवा परम सिद्धस्वरुपा नारायण ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:42 AM, 11/26/2018]

कही महिमा मर्कंड कहे,राज व्रधन भज रांण
जप धुप चंदण जोगडा,खग करुणा की खांण

हे भगवान सुर्य नारायण मार्कंडेय पुरांण मां.. राजा राज्यवर्धन ने ज्यारे अजांण्यो भय सतावावा लाग्यो मृत्यु नो डर रेहवा लाग्यो त्यारे मार्कंडेय मुनीये तमने कह्युं के राजन आप सुर्य नी उपासना सरु करो ई आत्मानो देव समग्र भय थी मुक्त करसे..तेना जप करो अर्घ धरो के चंदन ना धुप करो..गमे ते रीते तेनी आराधना आत्मबळ वधारनारी छे..तेवा हे आत्मबळ ना दाता मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:42 AM, 11/27/2018]

नांभी सुरज हो नभे, गोरख सिखवे गीत
जोग सिधी नी जोगडा, रांण नभे वह रीत

हे भगवान सुरज नारायण गुरु गोरख नाथे हठयोगदिपिका मां कह्यु छे के सुर्य नो वास नांभी मां छे..अने नांभी शब्द अपभ्रंस छे..साचो अर्थ नभी..अर्थात जेना आधीन बधुं नभी रह्यु छे..तथा नभ एटले आकाश..जो ई नभी नभ तरफ राखी योग साधना करो तो ते सिद्धी दाता छे..कारण नांभी नो सुर्य उपर होय तो ताळवाना चंद्र नुं चक्रभेदन बाद टपकतुं अमरत व्यर्थ नथी जतुं... ए आप नी नभ रीती अमारा योग मां नभी रहे ते हेतु हे योगसिद्धी प्रदान करता नभी नाथ नारायण मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:11 AM, 11/28/2018]

अण सुवारथ आपतो,भांण न चाहत भोग
जोड अजोडण जोगडा,ऐक करे ईज योग

हे भगवान सुर्य नारायण आप विना स्वार्थ जगत ने बधुं आप्येज राखो छो..क्यारेय निवेध आदी कोई भोग धरावવा नुं पण नथी माग्युं..आठम के नोंम ना सुरज ना निवेद एवुं कांय नई..हे नाथ अजोड रीते ब्रह्मतत्व मां जोडावुं अने एकाकार रेहवुं तेवो आप नो योग छे..ए कारणज कदाच आ अनंत दिव्य तेज छे..जे कोई ईंधळ विना प्रज्वलित छे..विज्ञान भले केहतुं होय के अग्नी नो गोळो छे..पण आग माटेय ईंधण गरमी ने ओक्सीजन त्रण वस्तु जरुरी छे..एवुं विज्ञानज कहे छे..अने त्यां ओक्सीजन नथी ए पण विज्ञान कहे छे..तथा नरी आग होय तो कोकदी राख पण उडे..ने उपर काळुं पड पण जामे...आमां युगोथी एवुं कांय नथी माटे हे नारायण विज्ञान आपने समजवा टुंकु पडे.. आपने मारा नित्य वंदन छे.

[6:09 AM, 11/29/2018]

फुग्गो बोल्यो फांकडुं,ई, लई हवा नो लाभ
जाय लई ने जोगडा,आ, अंदर छे ई आभ

फुग्गाये पोताना जीवन अनुभव ने फांकडी रीते व्यक्त कर्यो..के जे बहार छे ई नई...पण जे अंदर छे ई उपर लई जाय छे...

[9:16 AM, 11/30/2018]

मेरुय दंड मिहीर तुं,प्रणवा कार पतंग
जावत आवत जोगडा,रांण धरी सत रंग

हे भगवान सुरज नारायण आप मेरुदंड (करोड रज्जु) मां प्रणवाकार (ॐकार ध्वनी) रुप स्थित रहो छो..अने आप ना तेजस्वी पिळा रंग बिजा आछा पडता छ रंगो उध्व तरफ जवुं आववुं करी योग ध्यान नो आहलादक आनंद आपो छो..मुलाधार ने बदले सुर्य चक्र थी परत थवाना योग ना अनेरा आनंद नी अनुभुती करावनार नारायी आप ने मारा नित्य वंदन छे..

[5:16 AM, 12/1/2018]

चडिया जे जिव चाहता, कळजग मां कल्यांण
तो जुगती एकज जोगडा, रटवा जागीन रांण

नाम रटण नी नावडी,हवे, पोगाडे भवपार
जिभ बिराजो जोगडा, कळजूगे   किरतार

हे भगवान सुरज नारायण सतयुग द्वापर अने त्रेता मां वर्षोना वर्षो तपस्या करे त्यारे जीव नुं कल्यांण थतुं पण आपे आपेल वचन प्रमांणे कळजुग ना सारा पासा तरीके जे जीव आ कळी काळ मा मुक्ति रुप कल्यांण चाहे छे एणे नित्य जागीने मात्र खरा मनथी आपनुं नामज लेवानुं छे.ए क्रम जाळवे ई हाजरो वर्ष नी तपस्या बरोबर फळ गणाय छे..जेना नाम नी नाव भव सागर तारी दे ऐवा नारायण आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:47 AM, 12/2/2018]

गगन वसे पण नव ग्रहे, आदित रांण अखाध
एथीज आद अनाध, जुग थी जळके जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अहीं तो लोको मांड उपर उठे त्यां हवा मां आवि जाय छे..अने न खावा न पीवा नी वस्तुओ ग्रहण करवा मांडे छे...पण आप तो ठेठ आकाश नी उंचाईये गगन मां नित्य वसो छो..छतां कोई आछकलाई नथी आवी के अखाध ग्रह्युं नथी तेथी आप आदी अनादी जुग थी जळहळी रह्या छो..आपनी धर्म निष्ठा ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:31 AM, 12/3/2018]

पेट भले परमेहरा,रहे, आतम नुं अभिमान
पण
पाखंड ना परमान, जरी न रेज्यो जोगडा

हे परमेहर भगवान सुरज नारायण अमारी अंदर भले आत्माभिमान रहे के अमारी जीभे शारदा अने मस्तक मां वेद छे एटले ई मस्तक ज्यां तत्व न भाळे त्यां नमे नई ऐ जरुरी छे भले एने लोक अभिमान मां खपावे...पण हे नाथ मनमां श्रद्धा न होय एवे ठेकांणे नमन करी ने विनय देखाडुं एवो पाखंड मने जरीये न देतो ज्यां हुं नमन करुं त्यां मात्र देह नई पण आत्माथी वंदनाओ करुं..जेम रोज नर काव्य नई पण नारायण काव्य करी आप ने सरणे नमुं छुं...हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[6:38 AM, 12/4/2018]

एक अडा़बीड आभमा, अड़ीखम आव्या आप
एनो ज्योत ढंढेरो जोगडा, पिटतांय भाग्या पाप

हे भगवान सुरज नारायण आ अंधारी रात मां भय पमाडे तेवा हजारो तारोडीया दांत काढी रह्या हता..चोर ने दुष्कर्मी वगेरे नुं साम्राज्य जांणे के छवायुं हतुं निशाचरो खुल्लेआम फरी रह्या हता..पण अडीखम एवा आप ज्यां आभ मां आवी रह्या छो एवो ढंढेरो आप नी ज्योत रुप अंजवाळे पिट्यो त्यांतो ई बधा ने सावरनार अंधारुं सौथी पेहला भाग्युं अने पछी ए सर्वे भयथी भागी ने छुपी गया..हे पाप ने भय पमाडनार नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:25 AM, 12/5/2018]

ओछो ध्रम ने आंकवा, जेहमत करता जीव
जांखा न थासी जोगडा, सत्य सुरज ने शीव

हे भगवान सुरज नारायण हिंदु धर्म ने उंणो आंकवा हजारो वर्ष थी घणां विधरमी जीव जेहमत करी रह्या छे..पण हे नारायण अनेक भ्रम चितर्या तोय शिव ने ओछप नथी आवी..सत्य ने नथी आवी के न तो नारायण आप ने आवी...आप सर्वना सात्विक सामर्थ्य ने मारा नित्य वंदन छे..

[5:21 AM, 12/6/2018]

अवर न दाडी आवता, होय तुं सामो हेक
सीमा वळोटी छेक, ज्वार बिजा कां जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण अनेक देवो छे जे मां बिजा तो दाडी एटले कायम देखाता नथी पण आप एकज सामे होव छो..तो पछी गाम ,राज्य के देस नी सीमा ओ वळोटी ने सीद बिजा देवो ने जुवार करवा जावुं..आंगणे आवेल नारायण नेज केम न वंदवा..? हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[6:53 AM, 12/7/2018]

आलम नी अम ऊर मा, रहे न परवा रांण
जिवियें कायम जोगडा,भाव जगत मां भांण

हे भगवान सुरज नारायण आ दुनीया नी अने दुनिया नी विचार धारा के तेनी क्षुल्लक मानसीकता नी कोई परवा न रहे अने अमे ज्यां लगी जिवियें त्यां लगी दिव्य एवा भाव जगत मां जिविये ज्यां सतत आप सम देवा ना स्नेहाळ सानिध्य नी सात्विक अनुभूतियो थती रहे छे..आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[5:48 AM, 12/8/2018]

बळतो जळतो बारथी,पण, भेंतर भीनो भांण
जायां कारण जोगडा,तें, रूप धर्यां लख रांण

हे भगवान सुरज नारायण आप युग युगान्तर थी जगत मां पुजाव छो.. प्रथम द्रस्टीये जोईये तो आप बहार थी तेज रुप अने भडका जेवा धगधगता लागो छो..पण ई तो जे बहार थी जुवे छे एना माटे.. आप भितर थी तो खुब भिना छो नाथ.. एटलेतो नोखां नोखां रुप धरी घणीवार घरती पर आव्या..छेल्ला पांच हजार वर्ष मांय.. कुंता माचे,कर्ण माटे,सांसा परमार माटे,चांपराज माटे,केट केटली वार आव्या, तथा आभमा पण क्यारेक सीतळ क्यारेक उष्ण थई जग कल्याण कज निकळो छो,एवा हे भिंतर भिना नेहभर्या नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:35 AM, 12/9/2018]

अजमळ जेवा अहरनुं, करत नाथ कल्यांण
जो निज चाहत जोगडा, रसण रटौ नित रांण

हे भगवान सुरज नारायण गीता मां विभुती मां कृष्णये कह्युं छे सुर्य छे ई हुं छु..तथा पोते विष्णु नो अवतार छे..अने आप नुं पण एक नाम विष्णु छे एवुं धर्मग्रंथो कहे छे..तथा हे नारायण अजामिल जेवा असुर ने नारायण केहवाथी आपे तारी लीधो,अने तेनुं कल्यांण कर्युं,माटे हे नर भक्तो जो पोतानुं कल्याण चाहता हो तो नित्य नारायण रटो,ई कल्याण करशे..हे कल्याण ना कारक नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:44 AM, 12/10/2018]

बेठो जगना बापजी,तुं, उंचेय आसण ऊर
जग तो परखे जोगडा, समजे ई इक सूर

हे भगवान सुरज नारायण आखी जगत नुं पोषण करनार बाप..आप अमारा उर मां एटले के अमारा ह्रिदय मां खुब उंचा आसने बिराजेल छो..आप जगत थी जुदा छो..जगत छे ई परखवाना पैंतरा करतुं होय छे..ज्यारे आप हेतु ने समजवा नी दिर्घ मति धरावो छो..एटलेज तो कोई पण गमेते भाषा मां आपनी स्तुति करे आप तेने पामी सको छो..कारण के भाव नी कोई भाषा नथी होती...आप नी महा समजण ने मारां नित्य वंदन छे.

[5:45 AM, 12/11/2018]

साद दिधा वण सुरज तुं, वार्युं करतो वीर
जुवे न वाट्युं जोगडा, भगतां देखी भीर

हे भगवान सुरज नारायण द्रुपदा ने भीर पडी पांडवोय सहायक न थीया के भिष्म पण न थया..कृष्ण साद दीधो पछी कृष्ण आव्या..पण हे नारायण आ रात्री पोतानी सत्ता जमावी बेठी होय अने तारा भगतो जागी ने भुख्यां थ्या होय त्यारे आप आवी पोते व्हार करवी ए वीर नुं कर्तव्य समजी वगर साद दीधे आवीने रात ने भगाडो छो..हुं पद मां रही ने मने बोलावे पछी जवुं एवी तमाम औपचारिकता दुर रेहनार आप ने मारा नित्य वंदन छे.

[7:38 AM, 12/12/2018]

शुभः फळांदत सुर है, सांभळ कंध सुजांण
जडधर योगी जोगडा,भोळे वरण्यों भांण

हे भगवान सुरज नारायण ज्यारे अजोड जोधो स्कंध (कार्तिक) भगवान शिव ने रविव्रत माटे पुछे छे त्यारे हे भगवान भोळा नाथे आपनुं वर्णन करी सर्व वंदनीय कही तमाम शुभः फळ ना दाता कह्या छे..तथा रविवार ना व्रत ने वर्णव्युं छे..तेम शिवजीये कहेल हे शुभः फळदाता मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:35 AM, 12/13/2018]

डग मग कबूं न नाथ दन, रग रग वैदिक राग
जग द्रग सुरज जोगडा, त्रग त्रग धरणी ताग

हे भगवान सुरज नारायण कदी न डगनार आप दिवस ना करनार नाथ छो एटले के दि ना नाथ याने दिनानाथ छो,सामवेद आप थी निकळ्यो एवुं ग्रंथो कहे छे..अर्थात आपनी रगेरग मां वैदिक राग भर्या छे,आप जगत नी नजर छो..तथा जे धरती आप नो नानकडा टुकडो छे..ई टुकडा पण पळता आ जीव मातर धरती ना खनीज वगेरे नो त्रागडा जेटलोय ताग नथी पाम्या ई आप नो शुं पामे..?
हे नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[6:46 AM, 12/14/2018]

दीप बती कर दिनकरा,धरुं गुगळ नुं धूप
जळ चडावीन जोगडा, रांण द्रसुं तव रूप

हे भगवान सुरज नारायण दिवो अने अगरबती सह गुगळ नुं धुप धरी आप ने जळ चडावी अने हे नाथ जेने कोई उपमा न आपी सकाय तेवा आप ना अनुपम तेजस्वी दिव्य स्वरुप ना दर्शन करुं छुं..हे नाथ मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:52 AM, 12/15/2018]

सुख भर रैंणा सोवियें,अने,धापीन खायें धान
जरमर आशिष जोगडा, भांण भला भगवान

हे भगवान सुरज नारायण तमणां भला आशिष अम पर छे.. के आप अस्त थई रात्रि नुं सर्जन करो छो जेथी अमो सुखे सुई सकीये छीये..तथा प्रभाते प्रगटी प्रकास संस्लेसण द्वारा वनस्पति अन्न आदी निपजावो छो जेथी अमे भरपेट जमी सकीये छीये..तथा ताप तपी बास्पिभवन द्वारा समुद्रीजळ आभमां चडावी जरमर वरसाद रुपी आशिष वरहावी वरह भर नुं पिवा नुं पांणी आपो छो..आंम अन्न जळ अने उंध ना दाता हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:54 AM, 12/16/2018]

कोर रनां पत काढतां, नवखंड जळके नाथ
जागीन वंदुं जोगडा, हयग्रीव जोडी हाथ

हे भगवान सुरज नारायण रनांदे ना नाथ आप आभे कोर काढो त्यांतो नवखंड धरती मां अजवाळां थाय छे..हे हयग्रीव (सुरज नारायण रांदल ने गोतवा पृथ्वी पर अश्व बनीने आवेल एथी हयग्रीव =अश्वमुख) आप ने जागीने हाथ जोडी ने वंदन करुं छुं..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:11 AM, 12/17/2018]

खे पट्ट घोडा खेलवे, भुले न कुळ रित भांण
नीति एज नारांण,तारे, जिवतर देवुं जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप खे एटलेआकाश (आकाश मां उडता पक्षी ने खेचर कहीये छीये) ना पट्ट पर घोडा खेलवो छो, एटली उंचाईये जई ने पण कुळ नी रीत नथी भुल्या, अने बस जिवन देवुं तथा जिवनभर देवुं एज निति आपे आपे जाळवी छे तेवा हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[6:12 AM, 12/18/2018]

सुरज वंदन छप्पय
रचनाजोगीदान चडीया

द्रग जगत्त दन करा, धरा उज्वल हर डग डग.
जग मगत्त जर हरा, परा प्रणवत नर पग पग.
लग भगत्त तम लरा, फरा रैयण पद फग फग.
तग तगत्त अग तरा, सरा ढंकण नभ सग सग.
जग वंदत चडीया जगत, ढग ढग दिंण तुंम घान धर.
लळ पग नत जौगी लगत, ठग ठग मत मन ठान ठर.

हे भगवान सुरज नारायण जगत ना द्रग नाम नयन समान आप हर कदमे जगत ने उज्जवल करो छो..जेथी जगत जळहळे छे, तथा आप नो प्रणव ॐकार ध्वनी परा नी पार थी तार सधवे छे,तिमिर तो लग भग लडथडी ने भागवा मांडे छे, अने रात्रेज डगलां दई सके छे ए पण फगता डग,ज्यारे आगीयां तग तगता होय छे,आखा आभने माथे जांणे पोते सुरज होय तेवो एने भ्रम थवा मांडे छे..के अमे लावो अजवाळु करीये..एवो भ्रम लगभग ने थतो होय छे पण हे नाथ आप मात्र अजवाळुं नथी आपता...अजवाळुं तो लाईट ना गोळाय चालता चलण जेवुं दई सके पण एनाथी धान न पाके..आप धरती पर धान ना ढग करो छो..अने चडीयो आप ने नित्य जागी ने वंदना करे छे..हे नाथ हवे मने ठगो नई..आप देखीता भले अगन गोळो लागता होव पण आप नुं नाम हैये लेतां जेवो ठारको थाय छे तेवा आप चित्तमां ठरो (थीर थाव) जेथी बधा अंधकार दुर थाय..मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[4:14 AM, 12/19/2018]

कामन मन सा कास्यबा,चंचळीया त्रण चार
ध्रम नी राह धरार, तुं, जोडीन हाले जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण कामीनी स्त्री ना मन जेवा चंचळ अश्वो ..अने ते पण एक नई.. त्रण अने चार एटले सात अश्व ने सामटा जगत कल्याण जेवा धर्म नी राह पर धरार जोडी ने आप ई गती काबु करी ने आभ ने मारग विचरण करो छो..अने आलम मां अजवाळा पाथरो छो आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[3:17 AM, 12/20/2018]

सुरज के सिखवाडीयुं, आतम ध्यान अतीत
जोवा आवे जोगडा,आ, नारायण आभे नित

हे भगवान सुरज नारायण आप आत्माना देव अने जगत नी आत्मा छो एवुं वेद कहे छे..तथा आपे जीव मात्र ने संसार मां मोकल्या पेहला मुक्ति ना मारग रुप आत्म ध्यान सिखवेल..पण पामर जिव दुनीया ना रंग नी झाकझमाळ जोई ने ई भुली ग्यो..आप ए ध्यान याद कराववा तथा केटलाये जाळव्युं ए जोवा पोते नित्य आभ मां आवी आप ना अंशरुप जिवात्मा ने ईसारत आपो छो..जे मुढ छे ई नई समजे पण जेंणे ई रीतुं जाळवी छे तेंणे कायम ईश ने उपास्यो छे..छेटे थी पण छोरु नी संभाळ लेनार नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:32 AM, 12/21/2018]

आल्यम ने अंजवाळवा, वांणुं थइ नत वाय
ई
सूरज क्यां समजाय, जीव घुवड ने जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण आप नित्य परोढे वांणुं वाव छो..आखी धरणीं अने आभ मां अंजवाळा करो छो..ए आप ना रुप ने ऋषीयो (ब्राह्मण) मुनीयो (चारण) तथा सदगुंणी मनखादेव तो वंदना करे छे..पण जे घुवड जीव छे..एने आप समजाता एथी ए पामर जीव आप ने वंदी नथी सकता..छतां आप एने माटे पण कोई भेद विना अजवास पाथरो छो आपनी महानता ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:13 AM, 12/22/2018]

प्रोढ जगी परमेहरो,जे, रटता सुरज रांण
जन्म मरण ना जोगडा, भांजण फेरा भांण

हे भगवान सुरज नारायण जे परोडीये जागी ने जीभ थी तमारुं नाम रटे छे एना जनम मरण ना चोरासी लाख फेरा ना चकर ने आप भागी ने भुक्का करी नाखो छो..अने उत्तम एवुं मुगती पद आपो छो..आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[4:11 AM, 12/23/2018]

तमौमेद तापन तपन,अग्नी गर्भ आदित्य
जगत्प्रांण सुर जोगडा, नमन करां हुं नित्य

हे भगवान सुरज नारायण पद्मपुरांण मां आप ना नामो नो उल्लेख करी भगवान शिव पोते आप नुं महात्म्य भद्रेश्वर कथा मां समजावे छे. .जेमां आप ना नामो जपवाथी मळतां फळो शिवे कह्यां छे..तेमां हे तमौमेद, तापन, तपन, अग्नीगर्भ,आदीत्य, जगत्प्रांण, कही जे नित्य नमन करे तेनो सुर्यलोके वास थाय तेवुं शिवे कह्युं छे..जेनुं महात्म्य शिव केहता होय तेवा हे माहेश्वर मारां आपने नित्य वंदन छे.

[7:32 AM, 12/24/2018]

अध निंदर ग्युं आयखुं, अण समजण अध आंण
जे हथ लाध्युं जोगडा,ई, भव तरवा भज भांण

हे भगवान सुरज नारायण मनखा देह धर्या नुं आयखुं जे छे एमां अडधी रात ने अडधा दिवस एटले के सरेरास ऐंसी वरह गणीये तो चाळीस वर्ष दीवस ने चाळीस रात्री..ई रात्री तो निंद मां गई..दिवस ना चाळीस मां अडधां बचपण अने अण समजण मां गीयां तथा वधेल वीस मां बीजां बुठापा ना पा ॅचेक वरहो केम जाय ई खबर नई तो हवे जे वधेलां लाध्यां छे एने रोज उठी ने भव तरवा नारायण ना नाम मां न वितावे ऐनाथी मोटो मुरख तो कौंण होई सके? हे नारायण मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[5:08 AM, 12/25/2018]

परचा मागे पामरां,एने, कई देश्युं किरतार
जो सुर आभे जोगडा, विंण पांखे वहनार

हे भगवान सुरज नारायण जे पामर मनस्वीता वाळा छे ई आप लोको चमत्कार वगर नमस्कार नथी करता कारण के सत्य ने ओळखवानी क्षमता शंकासीलता ने कारणे नबळी पडी होय छे..माटे ए पामर जीव ने तो एटलुंज कही सकाय के आंम आभ मां जो पृथ्वी थी हजार गणा मोटा तथा सौमे जिवन देनार ई देव आभ मां वगर पांखे विचरण करे छे. .एथी मोटो परचो कियो होय..पण छतां जेने नारायणी नजर छे ईज निहाळी सक्या छे..अने अंतरनी आंखे जगत आत्मा ने वंदी सक्या छे..बाकी ना नी क्यां परोढ ना पोरे वात करवी..हे नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे..

[7:26 AM, 12/26/2018]

वण़ देहां जे विचरतां,इ, भागे तमसुं भूत
आदित ना अदभूत, ज्योत रहस्यो जोगडा

हे भगवान सुरज नारायण जे देह वगरना निशाचर भुतडां वगेरे नुं जोम रात्रे वधे छे पण आप नो उदय थतां एमनुं जोम हराई जाय छे..आपना तेज थी ते अंधारा नी साथे भागी जाय छे..आप कांय केहता नथी छतां ए प्रभाव छे आपनो..तथा हे नाथ अदीतीये पण आप ने वंदना करी आप ना अणुं जेटला तेज ने पुत्र तरीके पामी श्राप मुक्त थवा विनवेल..जेमां आपे तेने त्यां जन्म लीधेल पण त्यारे आभ मां तो आप हताज ए ग्रंथो कहे छे..तथा पृथ्वी आपनो टुकडो छे एम विज्ञान कहे छे अर्थांत सर्व संसार नी पेहला आप सर्जाया छो..अने आपनुं ज्योत रहस्य कोई जांणी सके तेम नथी आप ने मारां नित्य वंदन छे.

[7:59 AM, 12/27/2018]

अण सवारथ आपीयां,तमे, वायु तेज विधान
जिवतर जळ सह जोगडा, धरम धरा ने धान

हे भगवान सुरज नारायण(विधान,विधात,विध्युत नो दाता)आपे विना स्वारथ अहीं पवन आप्यो..तेज आप्युं ,जिवन आप्युं, जळ आप्युं तथा हे नाथ आपेज आ धरती आपी धर्म आप्यो अने आपेज प्रकाश संस्लेसण थी वनरायुं वगेरे उगाडी अने फळ फुल तथा अनाज वगेरे दीधुं...तोय जो तमने नित जागी ने वंदन न करीये तोतो अमे नुगरा केवाये नाथ, मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[7:41 AM, 12/28/2018]

व्रेमंड केरा वन महीं, कास्यब नंद किरात
जोतांय भागे जोगडा,रळकी हरणीं रात

हे भगवान सुरज नारायण निकट दर्शी ने तो आ एक धरती अने आ देखाय तेवडुं आभ अने आप ना एक आ स्वरुप नीज गम छे..बाकी आप आखा चौद ब्रह्मांडे केटलां रुपे छो.. के ई चौद व्रेहमंड ना क्षेत्रफळ केटलां विशाळ हसे अमे नथी जांणता..ई आखा व्रेमंड रुपी वन मां आप किरात नी जेम हाथ मां तेज ना तिर तरकस लई ने निकळो छो जेने भाळी ने रात्री ना अंधकार रुपी हरणीयां रळकी ने फाळुं भरी ने भागी भागी जाय छे..हे अंधकार दुर करनार नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[8:07 AM, 12/29/2018]

व्रेमंड केरा वन महीं, कास्यब नंद किरात
जोतांय भागे जोगडा,रळकी हरणीं रात

हे भगवान सुरज नारायण निकट दर्शी ने तो आ एक धरती अने आ देखाय तेवडुं आभ अने आप ना एक आ स्वरुप नीज गम छे..बाकी आप आखा चौद ब्रह्मांडे केटलां रुपे छो.. के ई चौद व्रेहमंड ना क्षेत्रफळ केटलां विशाळ हसे अमे नथी जांणता..ई आखा व्रेमंड रुपी वन मां आप किरात नी जेम हाथ मां तेज ना तिर तरकस लई ने निकळो छो जेने भाळी ने रात्री ना अंधकार रुपी हरणीयां रळकी ने फाळुं भरी ने भागी भागी जाय छे..हे अंधकार दुर करनार नाथ मारां आप ने नित्य वंदन छे.

[8:07 AM, 12/29/2018]

तुं आये कास्यप तनय, जपट अंधारां जाय
जती सुरो कई जोगडा, गण नत चारण गाय

हे भगवान सुरज नारायण तमे आव्ये जपट करी ने अंधकार भागी जाय छे..आप कोई पण आशा सिवाय आंम करो छो..आप जती छो,..कोय थी न हटे एवी रात्री ने आप भगाडी दो छो..आप सुरवीर छो..,तथा नित्य अलख जगावी ॐकार नो धुंणो आभे धखवनार आप जोगंधर छो..आप ना गुंणला प्रोढे जागी ने चारणोय गाय छे.आप ने मारां नित्य वंदन छे..

[6:10 AM, 12/30/2018]

त्रप पथ काटण तिमिरतुं, अर्कनाथ आदेश
ज्वार करुं नत जोगडा, परम पुज्य परमेश

हे भगवान सुरज नारायण आप त्रिपथ ना तिमिर ने दुर करनार छो,तथा आलम थीय आदी आप छो..तेवा हे दिनानाथ.. आप ना नामने नाथ लागे छे एटले आदेश वंदन करी हे परन पुजनीय परमेश्वर हुं आप ने नित्य दोहा नो ज्वार करी ने वंदन करु छुं.

[7:32 AM, 12/31/2018]
